रागः ॥ ऐनवनाटगः ॥ दोः ॥ लाडालक्कि यायजिननिलक ८
थनामयाः ॥ नि क्षयाद थ्वसङमेविनाथनन्दी रिंदियाः ॥ १
॥ मालमाल सा ऐमान लूनसँगल्गम क्षयाः ॥ सिनयाङ
तासवन्दुमान लिहडासयाः ॥ २ ॥ वृद्धिगमन थ्यानहिन
साडाजिअनाथयाः ॥ जन्म जन्मयाजिआसानिगुलिछि
पालियाः ॥ ३ ॥ ॥ रागः ऐनवनाटगः ॥ प्रः ॥ ए ६
ङलप कम्हङया पालिसञा छाडाः ॥ कलयाजिनुगलस
क्षामयावनान ॥ पडाल्थजाव हलषहपिडाहूनानः ॥ १
॥ गविहक्ष्कवङुनाजा दा निंडानीनीदानः ॥ घनसदगा
सजाअगिनसयानः ॥ २ ॥ छनकिरा प्रलक्किन विवैकवी

ASHA ARCHIVES
2793 I
ASHA ARCHIVES

वानः।वननक्किजिकंगिडगनिवपछाडंः।३।कूपग
कषून्नप्रहरविडादनसनः।जनमजाडनमनाजमयादू
डानः।४।सगवजिशयाडावास्यडानमनः।यकावि
गकंनिनासकान्नशभुनानः।५।गयावाछान्नगलस
कूनापलायः।५पीन्यवेलसमहूध्वडोलनकूयः।
६।दयादयकिडाप्रहगनिवषछाडाः।ध्वनमसलोयका
डाविकुन्यसदानः।७।। ।। रनामस लैवनालगः। ९
बुंक्कगालः।आदिदडमस्यडम-मीलूहनधंगीलियसीग
विनाडंः।सनवनगलसमवक्षय.कनदम्बनूलियायि
मिकिदिमिकीवंवंवाडंः।१।। ।

राग ॥ ईमन ॥ प्र ॥ जैरिके सवाजाई होजा हादेवतमंगलीके
रि ॥ ध्रु ॥ रासकृत हरिश्रृंगासाजनकीरि ॥ भावतसुरंगालर
किलुवलसकारजो ॥ १ ॥ गावतवातमीहिपसंगाकरि
॥ गावतसुरंगमुरलिधरलंकारजो ॥ २ ॥ २ ॥
राग ॥ ईमन ॥ ॥ कृसनामकावूर मनुष्यामुरुवगातिजयाय
मलबोद्गानलाव ॥ ध्रु ॥ जेचरनकमलरलहेहारमरागीजे
मलरलयनगातिरामसभाव मनुष्या ॥ १ ॥ जरामजनमवरी
रिहार चलनयाथासवैलहाकललकृपारानवाअंमनुष्या ॥ २ ॥

[illegible] ईमन्‌नाराग‌ः॥ चौः॥ हृनिके तूमिनन. बिनू पायोःना १
हिकक्कु. ए द मनमः॥ ङा दिन. कविन गपिः॥ ङो क क्कुॐ
सो. कग म्बव प म्ब वन. नूमल. जन्म. बाया. एर्मलनमः॥
१॥ ङो गङी गम. सुंगम. पूजन. नै म्म घनम. गान स्यनकः
प्र एः मा प्रम मायाकि ङो दिङ. दनस मा ह कर्म. कनमः॥
२॥ ॥ ॥ [illegible] ईमन्‌नागः॥ चौः॥ हआङ होनन्द. २
ङर्मगः व नोति. माषि. भव. वन. वनः॥ मं गल. गभङा ग चौ
कपू. नाङान. बाजग. वाङ्गे स. मघ घनः॥ १॥ ॥
रागः॥ ईमन्‌नागः॥ चौः॥ कानमूदलि. या. अधननअ ३
नतङ. कूचानिय. कैंस आङान. पानको गके. क्कविन्पानि.

। लौ कला ज. क्रूल का ज. दूल गमयि. स व सा ५. मक्रू गा की
ल ग प न. कैसे. आ डा न. पान कौ ग क. कुविन्या कि: ॥ १ ॥
श्रा ग: ॥ ईमनवा ग: ॥ चौ: ॥ मनैं आय. लाल अं सं गु ४
म. न सि कन सी न स पा डा न: ॥ न स व न. न यनी. बाल ग. म
धूनि. व च न: ॥ न स व स: की नि है आ डा न: ॥ १ ॥
॥ ईमनना ग: ॥ चौ: ॥ पूनन का न ग. मन ॐ ख्या. ५
सा व ना. स न ग. जिसि प न ग न: ॥ औ नयना. द ख ग. अन
त. प न स. हिय. ॥ आ ष न. गमय. प न हन स्कन: ॥ १ ॥
सु ना ॥ ईमनना ग: ॥ चौ: ॥ स्या म. मून मि. नंदलाल. द ६
याडी ग. मधुवन की बासी: ॥ न धू पमि. दामा द न: दिना. ना

थ.दिनवधू.दयान.वाहुंदुव.अगिनासीः॥१॥ ॥
रागवा ईमनवारगः॥ध्रु॥ह दया.निदया.कनजन पाडाः ७
आनन्दव ग.नन हन गमडा ग.पिगद स.दन वेथ दूष ए
जनी.ए ... नीः॥ हूडा रवल दवी अगविनाउ.नाउ माग्रे
लाकनानीः३ स्पन गनका८ किनानी.दूष एजनी.एडास
नीः॥१॥ ॥ ॥रागः॥ मनः॥ध्रु॥ मायिह.मनविन ८
गिसूनियः एव एय एजनि.दूखसव.मोचनीः॥ कनक
किहूषनी.कुंडल नांगीनी.ननमून्द्र मालनीः गा हजग
गामनीः॥१॥ मनोनथ पूननी.जय एद्र कालिनिः गिमिक
नन्दिनि.ह्रषवनदानीनिः॥२॥ संवास्तु गाननी.पामंडश्री

ननी। मायिक वननपन ध्वानलायिः॥ ३॥ ॥ ॥

ॐ मनवागः। प्रः। गुमविनूनाथ स्तूनकरु म्यनीः। ९

अनकूनजानि. आथवामाहः पायपाय. सननागग म्यनीः। १

। काम क्रोध मदलाल मा ह्यव षानि स्हदिन. नहगकयल

३ नसमनिः सिव सनकादिः आदि ब्रह्मादिका। नहगआसन.

नेडागमनिः। २। थकूनायनकी. कूडाननाधिका. गहल

मोदलगयलनसमनिः। स्तनादास. पगगप. पर्गहि. नह

गसमनसि. स्वाडानमनिः। ३॥ ॥ ॥

ॐ मनवागः। प्रः। गुमसोकडेन्पकहाय. प्र तेज्ञी १०

ः। ओननध्वाडानवि. देडेनकाः। पदमपदा नथपायः। १

।कै सवाजकें. मगुकव [illegible] डाय. गुक [illegible] त्या. प्रह्हजिः। रा

२ना ग। ॐ मनवा [illegible] वंः। माल्पा जि वं [illegible] दि पत्ला डो ११

ह.। सी प [illegible] गाणदमा वि वाडं. मूष मूनलि. मा हन।

१। मु [illegible] हयप्रह्हं गन के सागव. गुडापदपं कज पाडं। २।

[illegible] ॐ मनूनालगः। वंः। मन सापूवन. कवि यल डामनी. १२

।मनकामना दविः नुमाति दपस कोआ ॐ. डो डा वल मा

नयसाहल पाडः। १। । ।

२ना ग। ॐ मनना [illegible] गः। वः। लाल हवी. साडो नक ह्रया मा १३

नः। साडानेसलन. न. मा हन मूनग. वि सन ग. पहा. वि सन

गनहियकच निः। १। विन्द्रावन नाकि मेय. कृ डं गलिलमे

१ रागः ॥ ॐ मनन्नारा[illegible]ः ॥ प्रः ॥ धूनपान वागिकी अयिमायी १७
ः ॥ श्रीनिलीं वन लील गल स्वरं मृन्दु मालन्नू पननामञ्जगि
कोः ॥ १ ॥ मलया गिनिकिल स्मव धायः ॥ लिय ल षञगिंकोः ॥ २ ॥
१ रागः ॥ ॐ मनन्नारागः ॥ व्रः ॥ हमानंदयालकिनपा कीञः ॥ की १८
नपाकिञः प्र ल्दन सनू दिञ दिञः ॥ आनञलाडागकाञ
नकक्कु डमयू कवू वागुमूषदिज दिञः ॥ १ ॥ अलिमकनन्द
वनन कमल स्वयिः ॥ हमनहिनहिनली ञलिञः ॥ २ ॥ बि
नूमिल बिनाहि सं गास्वा ॥ लषदन सन नान कदिज दिञः ॥ ३ ॥
१ रागः ॥ ॐ मनन्नागः ॥ वः ॥ ग्वविनिनदिञ महानाजव सपन. १९
ग्वविन दिञः महानाजः ॥ दहिमहि क कडन बलाञगःग

नमनधनआपनकनलिजंयः॥१॥विद्यानिडनकीकू
उगलिलषः भगतिरनिनागनिवसकिजंयः॥२॥म
नववकनमननननूअनूनारायननकमल संननागप
दिजंयः॥३॥सूनदासकप्रदूःगुमानिदनसकाःप्रमराकी
अपनाकनलिजंयः॥४॥महाराजनसपनःस्वानिनादिजंयः॥
१रागः॥ ॐमननारागः॥प्रः॥सैगकनजायिहेःसवनेगला २०
जधनः॥लाजनस लालनामनः लाजमङलः॥सवनस
जानियःपूनजनदालः॥५॥सानानविजवनाःनहिअ
षिनादषनाः॥नपगिजयपनकासलनगुहेः॥रा॥

जगदैवी॰ गीर्भजनं:

रागईमन॰ ॥ त्र॥ ॥मेरेउपर दयाकरेः जगदेवी॰ ॥ ध्रु॥
तुम बिनु स्वारि कवन सब रले: जैसे सुसल किमाताः ॥१॥
तैसे मेरि हिरनं गनहोः कातो जम हिको पासाः ॥२॥ तारी
त्रियुरा कालि तुम होः तुम हो जगत किमाताः ॥३॥ मन
मोरथ मेरि सुध कर ज्ञानाः चारो फल हके दाताः ॥४॥ २१
रागईमन॰ ॥ ३ ॥ ताथै भयभंजनि भवानिः हृदयानिदया
करजमपाव॰ अनेन मगाउ: जपकिरानि सुषमानिः नोहेहृग २२
नृयमनि भयभंजनि भवानी॰ ॥ ध्रु॥ त्रिपूर त्रिसूल षर्पर:
कर धनू षलीय॰ भगनउधारनी॰ असुर संहार निः कँका॰
लि कृमलि कालि नृका मुख्यादेवि॰ सरस्वति बागवानी॰ परउ
रनिजानि भयभंजनी भवानि॰ ॥१॥

दिवीपत्या

१ रागः ॥ कल्यानः ॥ चोः ॥ द विदयानि. सकलभुक्तिमानि. हून १
नन. मनिमानव सय ध्यान. णाको कानन ग्यानिः ॥ नडको
दक्क नानीः ॐ गहिस यानी. कन षर्प्पन. चक्र हुनि. ब्रुध्या
निः ॥ । ॥ जयंक्ति मंगल काली. नक्क वीजय क्के षाम्भुन. कनग
हि. पानः गान सन क्क प्र लः गुमवरुनायक. सकलत्रिलव
नम्य गुमानिः ॥ २ ॥ ॥ — ॥ २ रागः ॥ कल्यानः ॥ चोः ॥ दावि २
लडानि सकलस्वरः मानी. स्लवनन. कनगुडं. ध्यान लाडं.
सकल मानीः ॥ नसक्ति मून्द्रु किमाल. ८ व. वैनि गन. कंगुडं
कनग हि पानः नग मानि दयानि. कन हाक्कपानी. जयसी.
कनि. षर्ग ध्मनं दयानिः ॥ १ ॥ सवलाककी नानी. कनिहावी

दिवीपडमनीः

गले:॥१॥मिसिवन लन्दीनी.अर्द्धचन्द्रामिन लषन.अन
दुगरसननजागहेले ॐ:आनन्दले ॐ:॥जिमसीगवा
ॐ ॐ:वचनलै:॥२॥ ॥ ॥राग:कल्यान:॥ध्रु:॥मा
नसहनकैगमनसाहाय:अपनसजनसब.ल.षवगाय.
:॥नागनदि.धूंगधूंग.गाद्दक.नकधिनी:त्रिभु धूली.त्रिधू ७
धूलीमानस:॥सेकनलजन.सफल ल्या हन.सान.सानं:॥
आनन्दरंगगनंगनसलाडा:नागनदी:॥१॥थाल गनपगि
नमिकयपुनविनाजनाजं:॥मल्लजयपनकासविनाजं:ना
गनदि:॥२॥ ॥ ॥राग:॥कल्यान:॥ध:॥हू:॥कविमा ८
श्रीविनाजं.आननकीलषा:॥मानमनायन क्षा.लकृमिन

स्व[illegible]नकमानहि·साधं·नयनकवान·यालल्धं·मधूपू
त्रिग·अर्धचनसाध्न·याध्नः॥१॥नासजना·यनक्षा·कूचशग
स्य·सानदवन्द्रसमाध्नः हालकामालाः क्षेमलकेनगिर्ईदि
गः रायकविलानःयाध्नः॥२॥ ॥ ॥

रागः॥ कल्यानः॥ प्रः॥ सूषर्स पदवनदातिनीः॥ आपूदया ९
निधिदभासकलसिधिः॥ हगदूषसवदाननीः॥१॥ एगग
ङध्मननी·हनिपनवाननीः न्पगिकमलविगवाननीः एमेनिः॥२॥

रागः॥ कल्यानः॥ प्रः॥ कुमत्रिरवन·चकूनानी·मायिहः॥ १०
मनिमयरूषिनी·कूंडलनागीनीः सिंहवाहिनिः त्रिनय
निजगदंबः॥१॥ जननी एवानिः स्वर्पध्मननीः दम्बन्त्वाङ

ग·दमिदमि माऽङ्क हः ॥२॥ स्तनननमूनी जन·गा ह युद्दग
डोः हगगकी द्धःस्व सेव मावनीः माऽङ्क हः ॥३॥ । ।
रागकल्यान·॥ वे ॥ दामोदरक्यौ·क्यौन्येलडाय·काजप
रे सरामलनगी·॥ झुः ॥ हरिन्ब्राफहिन्ब्रावनलगी·हमारि
भाबधराये·॥१॥ यरमाथसिंह यधू·हरिगुनगाय·॥
स्तुमेदिख्यानधड़ाया ॥२॥ ॥

गमादरग्र

[illegible]डोल॥ ४ ॥ दुनियावाहरिहोः मैनोरामभजो
रदुनिया॥ ध्रु ॥ जो जनरथायोहरिनाहि॥ तारगनि
का वलह विमानदुनिया॥ १ ॥ क्या करे माता पिता सु १
त बंधु भाई॥ हंस निराजय. यकलाजाय॥ २ ॥ वृषघो
ति दियो मोको हरि परसाद॥ पियल ब्र घोयल ब्र
म्य भर्म ई काया दुनिया॥ ३ ॥ हम र भूलल भूलो मति
कोहि॥ साधु भुलय फेरि व्यवनानहोय॥ ४ ॥ मिला
के प्रभु गिरिधरलाल॥ तुमारि दरस विनु भयोहैं चित्त
हाल॥ ५ ॥ ध्रु ॥ राग हिंडोल॥ ४ ॥ २
नारद दसमनु बाहरि भजो विलंभ न करोरे॥ ध्रु

नावत है पद षेवत नाहिं: कउ अन्य विधि सेनरना ॥ १ ॥
यहि संसाल स्वर्गानि के विहा॰ ॥ विरहि जनि धनजन
मरना ॥ २ ॥ यहि संसाल काथ के बानि॰ ॥ समुझिर पग
धरना ॥ ३ ॥ सुरदास प्रभू तुमारि दरस को॰ ॥ चरन क-
मल चित धरना ॥ ४ ॥ ॐ ॥ राग हिंडोल ॥ प्रु-
तुम विश्वरन को हि मेरा ॥ धु ॥ यस बदुनिया॰ धीरन
को हि॰ ॥ धन जन सहोदर भाई॰ ॥ १ ॥ माया मोह मे॰ सब
बसे भई॰ ॥ हरिपद को है बीसरि॰ ॥ २ ॥ कहहु एक द्विज
न॰ सुनो प्रभु थाकुर॰ ॥ दरसन बिनु हम हारि॰ ॥ ३ ॥ ३

१ सिखमग

१ रागः॥ सारंगः॥ चौः॥ सिगल पडान अगि सूगंध आलिनि १
वन्दावन वे थय मग आ हग है वन मालिः॥ सूनी धूनी
डांउ किशकी वंसि व जमूना कंठः निप नि कागर नागर
वाल है आलिः॥१॥ पूष्पन के मे जल विच कूसूमन किल
नाललि कूजलडान वेष्य विहारिलाल सूरदास मदन
माहन गउपिन ऊँस्यामिन वानिः वगिवलादन सुदिजः
गुमहि प्रान प्यारेः॥२॥ ॥ ॥१ रागः॥ सारंगः॥ २

१ काजलनैं

चौः॥ काजलनैं ग. नि आलि. हि कालागग. गनैन यनीः॥ ह
मस दान सकान ग. प्राव पियास गनैं गः नसकन आयीः
साविक हास्य लैग्रनः॥१॥ हमवरुनायक. सलन कदा

पुकेँ [illegible] नाहिगमानल [illegible] मामाश्चि [illegible] पन नागानाम
जिकाँमाहलिमनःनाह [illegible] नलीपिनमा॥ २॥ ॥
रमायः॥ सानेगः॥ त्रिः॥ प [illegible] न [illegible] महिहि ॥ ब्वा
दुदाजादबो [illegible] ानु मा [illegible] स्य. [illegible] न्ह्मान [illegible] डाल्वीहि [illegible] दिष्
मा [illegible] ज सलेहि॥ १॥ नाना पूस्यन कें अंग वव छ्व [illegible] न के एक
नसङान्हव छ्वियाहिः वालिय गामहिहि॥ २॥ ॥ ॥
रमा नः॥ साने गः॥ वैः॥ वैगलव नपनपनसाक्थिा हवे गवहु
द्वाहन सः॥ मनीरविलविक्ल नमालवलं गले कक्लुलस्र
दवजगलके॥ १॥ ईन्रधन विनाविग. कें [illegible] न ख्वे [illegible] ल यवा
नलाक्किमि सा. न्हपवनं॥ २॥ ॥ ॥

१ रागः ॥ सारंगः ॥ यौः ॥ मदपदंखानघनाथस [illegible]
पिकअंगधमनगति: कनक लटकान माजा गर्भ [illegible] हैः ॥ ३ ॥
बानवानिनकुसनकननी: हो ॥ जनकसिना: सियसाधसबी
नीः ॥ २ ॥ सारंगधनूक. वयसंकिमालाः ॥ पिगम्बिनहह
नामसाबिनिः ॥ ३ ॥ मुन्दनलीलकपालविराजा ॥ चन्दनबं
विनागसबिनिः ॥ ४ ॥ फुलसिदासप्रभु. गुमानिदासस
कोः ॥ आनन्दकंनसम. गासबिनीः ॥ ५ ॥ ॥
१ रागः ॥ सारंगः ॥ यौः ॥ मोहनलीग. दर्षाविभ्यामा [illegible] भ्रम
बोलनीगहाहन ॥ ३ पः [illegible] रानेसलोकारली कान
लेषा बचनघानेः ले [illegible] लैनिसाहनः ॥ १ ॥ दूजा

गला [illegible] वलनगनी [illegible] नलाग [illegible] नगध्याकेंधनधमेनाज्ञाको
[illegible] मीगनेगुसा हगः॥ २ [illegible] ॥२ रागः॥ सानिगः॥ ब्रं ७
॥अनाथविन्नगितलनी [illegible] य. जगदवीकें ॥ यस्मविन्न. न
हि. भईनः वं [illegible] दुवानी ॥ सिंघवहिय. त्रिहुलल. उमर [illegible]
हि मिद्रिमीवाऊ. जगदवीकें ॥१॥ नड़ा दुर्गभजा गिनी. डा ह
र्ह गमसा॥ ८. हल. लेनव. दीकीनी. गमडायः हनथय. त्रिमि.
द्रिमीना [illegible] देवीकें॥ २॥ गिनिवल. नन्दीनी. एकदिया
नि. नि. कहयवा सत अनाथ ज्ञानी: कवनाल यननस. दिस. ज
गदवीकें॥ २॥ ॥ ॥ ७ रागः॥ सानिगः॥ वं [illegible] मरू ८
वनपन. पनवह किया. हानि. गदउवा हनमः [illegible] द्वि.

सविक्कगाकृन्दलमोहः॥गस. कसु ए. सू न्दन [illegible] नाहय
॥१॥ङनथनविनसीक. मालवन. एयवान ०. [illegible] दूमी
सा. न पमिएनः॥नुंगाहूवनः॥२॥ ॥ ॥
१राग॥सानीगः॥प्रः॥दषियसा. सथिननलिय. साह वि ४
माहादव गमनकनग गहपामि. पनमूपसव॥धन
नि. दगसीवनधवायसे नसिंगः॥धसनहा. हा हा हाः
॥१॥दन्दकंनुमान. दनं वायदवनाङः कहनहाः
हा हा हाः॥२॥जसकिहिय. दानववाङनाङः॥हसद
हा. हा हा हाः॥३॥ ॥ ॥१राग॥सारंगः॥प्रः॥निन १०
धनकोः धनतिडि हमानैः॥षानन वानय. वानवलूगयु

॥ अाडाग गमध्व कामहमानोः॥१॥ दिन दिन वद्धस्त डम्
सिद्धमः॥ साधन.कडान.काम हमानोः॥२॥ ख्रुपनाडो
प्रह ह्लादलिविञ्छन अमलमिलिक हनूमीजि हमा
नोः॥३॥ स्तनदासप्रस्त. गुमात्रि मिलन काः॥ हलपाडाय
नित्रवान हमानोः॥४॥ ॥ ॥
रागः॥ सान गः॥ वंः॥ जननीज्वाला मूर्षिः कामूनाकी.याह ११
नि. तिंधिवा हनस्यः॥ कोटिभूर्ज केः गजसाहेः॥ नून्द्रमाला
धनं. स्वहग.माहर निः॥१॥ नपमिब्रीनाजिन्द्र केः जाड
साहेः॥ चनन ठकमलविग. एगन केः विनामिसाहेः॥२॥

रागसारंग॥ वै ॥हो चत्रुवदनी वानसुता रसमनचर
स्वायी॥ ध्रु॥ गैारी दैलवर पुरकिन भैः वेर थहोवन नाही १२
हो॥ १॥ भुयवर रनवाहा दूर मन्य॥ पूरन भयिका जेहो
॥ २॥ ॥ ॥ रागसारंग॥ चो॥
वलि जाउं गोधन संग मन किय सूषयाय॥ ध्रु॥ हरषेनि
रषे मन लागे सुनि ध्वनि सुनि मन लागे॥ गोवाजि हो सुं १३
न्दर रूहलकनैया भार थिमल जय कहन जगत जयरा
ज॥ १॥ ॥ राग सारंग॥ वै ॥ चलहवि
दूर घर जाई यउं थो॥ ध्रु॥ राजनके घर कउंन कामहे॥
जाहा दर भावन पायिय॥ १॥ दूजो धन घर मे वान्या

॥ सोग विदूर स्वर षायिय ॥ २ ॥ वरन्न पषाले वरनोदु
कलिय ॥ प्रेमयल गविच्छाय ॥ ३ ॥ वधु वासाग चनाके १४
रोटि ॥ रुचिर भोगल गायिय ॥ ४ ॥ सुरदास प्रभु नुम
रि दरसको ॥ तुम प्रभु अंतर जानिय ॥ ५ ॥ ६० ॥
राग सारंग ॥ ३ ॥ दानो देषा चलिय तो महि हिं धे
वाई ॥ धु ॥ मानू मानन स्ये संग सुनि गाव ॥ षंदि तरिसु १५
मानजस लेहें ॥ १ ॥ नाना युस्पन के अंगवर छाज्य ॥ सु
भकरस जानु वढेयाहें ॥ २ ॥ ६१ ॥ राग सारंग ॥
॥

लोचनलाल:

१ राग:॥ असेनिसारंग:॥ चौ:॥ लोचनलाल २ यद्दूषमावनः १
लोचनलाल:॥ षंजद मृगनयनी:काहाद्दहाग जलम
द्दृगः अरबूझामिनन स्वचनः लोचनलाल:॥१॥ चन्द्रवद
नः स्यामचकोह जानिर्ईपमापायि:कविनाउ दूसन
प्र रः मोहनलाल:मंदिन धानन जल धानन:स्यामान
गपिलकदियअसेलवनलीलनलाल:॥२॥ ॥ ॥

अधनसाल:

२ राग:॥ असेनिसारंग:॥ चौ:॥ अधनसाध २ हमनमा २
हनःअधनसाल:॥ पंकजवदन स्यर लावनन्छूाजः
जमूनागिनः अरीवनप्रिगमसाहे:॥१॥ नन्दसुतननवसि
वजाडाहि:जानिकूस्रूमापायि:मनिमा ध्यसूषनः॥ नप

जगागजयमंगलकारनःदूषहानन्नामसंगजगन
किवंहनः॥२॥ ॥ ॥१नागः॥गमेविसानंगः॥प्रः॥ ३
मलुयायाय विवालःलो एसरललपाडावाछप्रलः॥
तंसानयासानससालधकङस्पवाछःसूषयानसमःग
स्वक्षिपालिमङोछप्रलः॥१॥सूडंलूस्पविस्पडानाड
जिदिनछिस्यः॥आयूडानमगलपाःआसानजिवाछा
प्रलः॥२॥नूपडोतनघनवाछव्यासविनतनः॥नाम
याआषलःब्वलक्ष्मगुनमवाछःप्रलः॥३॥कृाकक्षञ
नाव्ययानाथक्षिङगयाः॥चननसननवीडःधूलि
जिनहोछःप्रलः॥४॥ ॥ ॥

१ रागः॥ जैमति सारंगः॥ वंः॥ सत स्वामि रगवगिः वदनम ४
हिः रगवादिनीः ग गङामि वनीः॥ सत द चन्द्र दृष्टिः श्यान
न्यापुमनंः विनाकतःधवनं ग पमाला पूस्मकः ह्लान सक
लसूषदाहिनीः॥ १॥ हनिवीनिसीरंजः नन इग सविगः
सकल हवन गगिः जयजय माणिः मन्दक नूषन माबस्वि
निः॥ २॥ वचन सतनगगि. वदन म हि पगि. तसि ककवी
नगन द विंदवीः हृपगिलकसूर कानिनीः॥ ३॥ ॥
१ रागः॥ जैमे त्रिसारंगः॥ वोः॥ नाथस नामप्रीमिमसना ५
डानंः॥ माणिषनीषनी महलवनाप्या. लोकक हे घनमना
ः॥ प्राठ पूरूषज व. निकली गयि हे. पघनगतानमताः॥

१ राग॥ हिंपताल॥ ध्रु॥ जगतकिजननि भवानिहृजननि॥ ध्रु॥ १
मनिचूर वासिनि: मुनिमय भषिनि: जगतजननि भवानि॥
सिंधिनि व्याधिनि: खर्गिनि रूपिनि: जोगिनि जोग्य भवितानि॥१॥
त्रिनयन रूपिनि: त्रिभुवन व्यापिनि: त्रिनि भुवन वरदानि॥ नाह
सिंघ वाहिनि: नाह उर्जतानिनि: जगमतनाहधकुनानि॥२॥ (४)।

१ राग:॥ लीपमासः॥ दोः॥ सषिहसून्दनमिननिदानःग्रवि २

न्दसितिमनीः॥ कनूनामयकैसासुनरवछुनःकंसिकअ

स्कसिमस्वरः॥ कज्ञलिषमूषकामकोटिच्छविदष

ग त्रि हूवनसाहेः॥१॥ नीनपिगकनैस्यामकलवन.सैषव

क्रुगितिधमानिः॥ दसनपनन्दन.दे गविषछुन.वंन्दनऊग

गमुनानीः॥२॥ स छाहि ससहम्भ्रकमलासन.पातिगिति

नाऊकूमानिः॥ निनवंदवी दूरव मावबीमावन.ऊनू नाऊन

हिगकानिः॥३॥ अघवुधअकनयपनूपव्र क्षांपदईमान

सविहानिः॥ पंकवनन कनयननवनसलयपाउन

कंडांनानिः॥ ४ ॥ एग्रूपगिविलाडांगम्हसिंडांकाध्यडं
गमडांगसूएचानिः॥ प्रुह्णगिपाग्रचनावनदूनँ. दानवधनू
कधनूकध्यनीः॥ ५ ॥ नामनामबिनूविमलिवाप. पनवन
नीनडायवीचानिः॥ नाथमकूगपन. नाजगननलिय. क
थकाकहगपुकानिः॥ ६ ॥ ॥ ॥ एवहयह्मानिनानि
ह्यागः॥ ए पनासः॥ प्रुः॥ गिनिनन्हीनीकूमानिः हः माहीमा
याः॥ स ककपालीनिः सँकस्कगाननीः॥ मूगिडनमानी. डग
हूघहाननीः हूनमनिदहनीनानीः॥ १ ॥ दिगिकूलनासिनीकं
नकनूहासिनी॥ सूनवनदायगिनानीः॥ २ ॥ जयगडननीः सँक
ननमबीः॥ दिजपगिनाथानीनानीः॥ हमाहीनायाः॥ ३ ॥ ॥ २

ग्रीसिनयरीः

१ नाहिहित:

१ ना ग॥ हिं पनास:॥ प्र॥ नहिहन.कउनन ह.कउनन हि ३
य:॥ यहिन गमिकी.ननन मजानः सुठि जन म गमाथि:॥
नहिहन.नहिखव हुमकूषपाखिय. सासनजन म गमा
थि:॥१॥ माटि उाथना. माटिदि छाई ना: माटि ममिलिनछुना
॥ सूनपास प्र:र: गुक्मा नपनसकी. वकु ग गय. ध्वननहिय॥२॥

१ साधकहला:

१ नां ग:॥ हिं पनास:॥ प्र:॥ सावक ह ग. विगलायि हूना सषी ४
॥ गनमन कलियाः हमभ्रव देषनकाः ॐ गनिहदिन
था यि:॥ ॐ समान ग. हूपलचैयाः गुमद हमिलनकाक्षि
यि:॥१॥ ॥ ॥

रागः॥ हिंपतासः॥ वः॥ हियाना मापनादियाहां॥ आङ्गल ५
गगिन घनि घनिकिया हां॥ खिं गनजाकैः हनयंकलिय
खिंगाः दूषहन गाकोविन्हाहांः॥ जाकाहिं धाडाय् सूनगु
हाघाडाय्ः मंगल गापनदियाहांः॥ १॥ गुम मन लाडाय
तवतूष षाडाय दरविमासन लाडाय् हांः॥ गिनि वनल
पनीःन कन सपाडाय् ववन कमलविगलायि हांः॥ २॥
रागः॥ हिंपतासः॥ प्र॥ वननसनन देहा मायि हनुङों ६
खनिः॥ महं स्वनकूपान वल्हु रं स्वनिः॥ गिनिल वनकीनानी
॥३॥ अ वमअनावहम हरियिः पापीनि दूनमगि पाप कुनायि
॥२॥ पुमानि वूनन की सडमन जानीः॥ हम पदुकन नाकनि

॥३॥ श्रीनवाहाद्ग्नन्पःपनगापीः॥ नितगतिकिंकु
मग्नश्यिः॥४॥ । । ॥ । । ॥शृतागः॥रिपतासः॥प्रुः॥ऊ
पजयगितिश्राजकूमातिःदविलवलयहातिनीः॥लि
लिहृतनीलललनलीजिनीः लगवपीश्रुवणातिनीः॥ता
गत्थेगमःगात्थेयाटकूटकृत्थेयानावलमहिबविदा
तिनीः॥१॥मकूतमनीमयःमौलिताजितसदनचन्द्रनी
लाननीः॥श्रवनकून्दलःकांतिविसरिहाननतसित
चनीनिः॥२॥सवकपातीनि.सदयत्लोचनिश्रमूलसिद्धि
हलदातिनीः॥विन्दूवासिनि.सिंहवाहिनीःविविधवऊ
लयवातिनीः॥३॥ननननतायननागेन्द्रविक्रमप्रलंको

जयजय कामिनीः॥ त्रिभुवन जननी. अमृत रूपिनी. लली

तत्रिपुर सुन्दरीः॥४॥ ॥ ॥ ॥ ॥१राग॥ लिपनासः

॥प्रः॥ त्रियिनवी गाननी. भगवति देवी. भैकननानी त्र

ऽमनीः॥ भमन असूनसं घान गनूप द. पद मासिव पन

मस्वनिः॥ पाप पनिहनः तानतजिनी. जननी मूनी मय

नजीनीः॥१॥ पमि गगाननी. पदम. पन वनः दाहिनीः॥ त्र

वन स्वनिः गुम हिक मना. तूपत्रि त्रवनः वीन्दिनी. सिविनु

दिनिः॥ श्रीं॥ वननसेवकज्ञानी. अनूगम. नाबिलईमह

स्वनिः॥ त्रनानि भगवती. दासनी सुदिन. वनन समन

तऊँ स्वनिः॥३॥ ॥ ॥ ॥

रागिनीधवीः

८

२राग:॥रि पनासः॥प्र:॥ हे पूनि आशुआसा. पून्य कनाया. ८
माकाः पिहि हुनः॥हियामूनि का दानसून सः षियागन्हू.
साप मिलाया नः॥१॥सी गाज़िगकी: अजहिनन्दनी:॥पी
याकहू.मान पना या नः॥२॥गुमगाऊं ष्पानि. खिनागि क
नगुहे:॥प्रहूथनगडाल गुलाडानः॥३॥पूननहाग.पू
नाया वजुगदक्षिना:॥नपथनदहि पूनायानः॥ॐ॥
२नागः॥रि पनासः॥र्व:॥र्थदस्वहायाः काहुजि स्वःग्वपि १०
ग्मलसींग्वः॥आपवजाडाग.आपहिग्मडाग: दगस्कुर
वलषलवनायानः॥१॥कोहिवजाडाग:ग्मडागनस्अः
॥मृदंगन.नागमिलायानः॥२॥ ॥ ॥ ॥ ॐ॥

१ नागः॥ लिपनासः॥ वंः॥ आयनंगमानऽभेतितिः॥ ज्ञ ११
वनिजमनूपनूवि हः॥ मानवधाय वूमय्यः सवनंगमाः
॥१॥ नसषिवूवनंः रूपरनिहः॥ दानवनाऽतिसप
सवनंगमाःऽभेनिः॥ २॥ ॥ ॥ १नागः॥ लिपनासः॥ १२
वंः॥ वसगमसानं २ श्रीकनजिः॥ जपंकीध्यानमंःकाहिन
हिहेः॥ रूगलियसंगसाऽपः निनंजनमाः॥ १॥ जगनकी
जानःजागी [illegible] रूपः॥ मानव लवकनायः निनगुनसाः॥ २॥
१नागः॥ लिपनासः॥ प्रः॥ माध्यविंनाऽःकमलनयनीः॥ सकल १३
सनननःलोकसूषकन. दूनिगदूषविध्यावनंः मकूनमनि
मय.मकन कूंगुल. वंन्दुवदनसलोवनंः॥ नाद्मदूमकन.

थ्येयाथ्यार गादिगी दिगी.नकादिगी.धिलीग.थ्ययाथ्यः॥१
॥धिमवसननसा ननागन.नागविजन.मा हनः॥ सजलज
लधन.वदनसृदन.ऽधन बनसलोचनः॥२॥ ए ऋजन.
एयगन.एऊनी.ख्यपिनीजनर्जनः॥ नपगिनानायन.
बिनाजिन.कहनग्रिरवन पाडानः॥३॥ ॥ ॥ ॥
त्तोगः॥ रिं पनासः॥ प्रः॥ वाजनश्रेनिनव ध्मयियं.ऊंघपू १४
नः॥ नपदसनथ.शकः.नामजन.म एयीः॥ गजमाजीविग
लगमयियः॥१॥ गृ.ह.ग हग.निकल.वज.वनीणाः मंमंग
लगमडानहायियः॥२॥ गुलसिदासप्रद.सननागगगृन
॥ श्रीनिलाकजस गमयियः॥३॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१ रागः॥ लिपनामः॥ प्रः॥ जगदम्वा लडमनी। वननसन १५
नः॥ स्तूननन मूनि गुडा ध्यान धन गुहेः॥ ब्रह्मा वद पध्या
हे लडमनीः॥ १॥ सीगन का प्रगी पालकन गुहेः॥ गुमहा
दूस्कु संघानी लडमनीः॥ २॥ नामप्रसाद गुडम गुसन नैश्व
यीः॥ प्रतिगभ्र्जा नई ध्यानी लडमनीः॥ ३॥ ॥ ॥
१ रागः॥ लिपनामः॥ प्रः॥ हगमेतिदवी। हजननी। सिंहवा १६
हिनीः सरविलासिनीः॥ लोचन मायिक। लचूससी ज्योति
॥ माहलल वनपकूनानीः॥ १॥ अडा न सीग। हनावन ।
कीनीः ॐ स्वदिसीकनी कालीका॥ २॥ ॥ ॥
१ रागः॥ लिपनामः॥ प्रः॥ हगुह्यकालीः हलवानि। गुवनपा १७

१ जगदम्बा

१ हिमगिरि

१ हगुह्यकाली

नीःसंकनकोनानीः॥आदिनजानीकडालमानीः॥दूनिगद
नूजवषानीः॥१॥हममगिहानि.यकगुजानिः॥दयाकना
पकूनानिः॥२॥गुसननसानी.ध्याननजानीः॥सननपत्राए
वानीः॥३॥गुंवाकँवानी.कनूदूषहानीः॥प.थिनानायनः
नपवानीः॥४॥ ॥ ॥रागः॥रिपनासः॥प्रः॥हद
क्विनकालिः हआगिनिःप्रगवाहिनी.संकस्नगाननीः॥वन
किविचमःनसस्वाविनाजंः॥गाहसंसानकोनानीः॥१॥नी
लवदानकीःनूपगुमानिः॥गाहआदिसक्विदवीः॥२॥द
विएडमनीकःसननहमानिः॥गाहनकूपालकनःनानी
ः॥३॥ ६७ ॥ ६८ ॥राग.चिंपरासः॥ प्र ॥माई

हरिचंदिः २०

केनामभजोर·मानुष·॥फु॥मृन्दुमालिनि·श्रभय
रुपिनि·श्रुसाभूजातोहेमाचि·॥माथमकुत·लालधा
जाफहगनि·त्रिनयनछविस्वाचि·॥१॥स्वर्गस्वर्पद·त्रि
सुर·देवरुसंघवकधन्तिर·॥वासमुमानलिस·चालि
यमाचि·कोनिदईतसहागिनि·॥२॥तोहेधनदे·तोहे
वरदे·तोहेमानदहोगनि·॥सिधिदहोदासभगानकोः
वोसधिजोगीनिमाचि·॥३॥ ६०३ ॥ ६६३
रागनिमपरा ॥४॥यहागुज्येकाली:जमकेपासछुता
है॥छो॥सिरसःहिरामानिकलत्र्येकोतित्यजजोती ॥
सिंघपर२सवारिकराईःये ॥१॥त्यतिषकोतिदेव
सवनमारोमरनआई॥॥स्वइषासर२दयत्यसवपारिये॥२
कहतत्यछअभमानतसोदरसको॥॥बोगमतिकिनारामेवि
त्रैग॥

गोडकेमा:

॥७॥गुज्येकालि॥७॥

१२

१मालश्रीराग:

२रागः॥ काह्रनाः॥ चोः॥ सालन गह्लागी: निमश्व मनद १
षानाकाजायसकलनी हानगः॥ दवीमानी. निसूवासवन
हि२विहनक्कसत्स्वकानहोईघनमाननधनगः॥१॥द
यांलक्ष्मिमिपगि:जयपनकासननपगीसवलावन.ल
नणजाननन.धनगः॥२॥ ॥ ॥२नागः॥ काह्रनाः॥
चोः॥ प्रथममानीउँकान.दवमानीमाहादवग्ज्ञानमा २
निग्वविन्द्वदमानीव्रह्माः॥विद्यामानी सनस्वगि:न
दिमानीगीमः:साउमानी: निनदयानिस्कमानीनलगः॥
१॥ गिनमानी.संगिन.संगिनकिस्वनमानी: सानकी:
अरर्के प्रमानि:णागनै ला॥ कहयव्रजवाहुनसूनीय

१प्रथममानी:

१लगनन

ख्वपाल नायकदिन मानी श्री सूर्य्यनागमानिचन्द्रः ॥२॥ः
१नागः॥ काहूनाः॥ प्रः॥ लगनन हिः हिनाम स्नाम साः॥ ३
ॐ हसं सान मायाकि सागनः॥ वै० वै० काहगुमायनाम
स्वः॥१॥ तुलसिहरिकीमनः मन ज्ञानैः॥ संकनको नछु
यानन नाम साः॥२॥ थकून द्वान हनि हन पिपनः॥ थाद
हनूमान सात्यनाम साः॥३॥ ध्यानन्आनन्दः प्रस्त नाम सा
ः॥ गमकुल ठमप्रति पालः नाम स्वः॥४॥ ॥ ॥ ॥
१नागः॥ काहूनाः॥ प्रः॥ सबमूषवाथनहितिनाम कोः द ४
षियनूपकीः नामस्नाम कोः॥ पियानन्नैको ज्ञानय
दगनयनन निन पितः हिति नाम कोः॥१॥ ज्ञामसिको

१सबमूषः

अक्षनकागपन.गानेगनगनः हिनिनामक्षोः ।। आहि २
अगअगकेजागमजनहिगयि.गयिगयिस्वरनाम
क्षोः ।।२।। अधनकपालसूलगनसापून.मन्दासनहसि
षलिनामक्षोः ।।पनिहनिलाकनगजगरजनकोःभ्रमप
वाहवहिनिनामक्षोः ।।३।। वयुव्वजनकरवनःश्रीनघू
वनसंगसिगाःघूनहिनिःनामक्षोः ।।गुलसिमनकुनसी
पूननागनःविविधअसिसदहिनिनामक्षोः ।।४।। ।।
श्नागः ।।काहनाः ।।प्रः ।।आकोनामाधनिःगाकोकाहक ५
विः ।।मनसानाथमनानथपुनडायुःसूषनधनका
नागवनीः ।।काःहएयऽश्रासनकामायो.कहनहिनः

आकोनामाः

आपनीआपनीः॥षत्रजगखाङागघगनहिकवऊॐ
स्वङूङगकिसिसवनीः॥१॥सिववितिविगनातदमूनीआ
डायूहमवाहापूनक्ककङनलगिनीः॥जिनकाप्रिगनिनेङ
नहानिस्वः केनदासकादसवनिः॥२॥ ॥ ॥
१नागः॥काक्रनाः॥प्रः॥किनथप्रहजिकीगअडायूमनेगअ
डामनवन॥ [illegible] गलागकि.संकगवन्दनःऊडमयनक्षख
विन्दङके [illegible] नाः॥१॥काटिजगनकनिःदहनष्मनाःसा
धूसंगमना मनपरिक्षडः॥२॥अनेगजगनकनःदहन
पाडायु॥ [illegible] ॥दयानथहनिहनष्मनः॥३॥कृष्णनाताय
नवक्रनगमायाः॥नामलगःसवसूषपायाः॥४॥पानवृक्ष

१ कामिनि:

१ सिवलङ्:

१ वाङगम्:

ङवलयाहयु दयाला॥कहनानक॥णवकुगहाङंजालः॥५॥
१नागः॥काफ़नाः॥प्र॥कामिनीआङनसःलनिहः॥नयन
घुमाङागः पाङासू ध्यानगः केसर वालिकवागहः॥१॥ग्य ७
गनिसिनविवनागनिनागणः॥ङनवासिनिनीलङंगहः॥२॥
१नागः॥काफ़नाः॥प्रः॥सिवलङरलमानसिवलङालः
॥सिनपनगींगयजणाध्यानसिनस्वहः॥कानकून्दलःग ८
लमन्दुकिमालाः॥१॥धेणणणाधेःयिमिकीद्रिमि
किःवाङः॥यिमिकिद्रिमिकीदम्बरवाङपुपार्वतिपगीः॥२॥
१नागः॥काफ़नाः॥ब्रः॥वाङणम्दगःनेगणकुणसःध ९
नदगदिगिणकनर्थगदिगिवाङणः॥कुंणकनाविना

नानाना: ए दउ थ्वडायः॥ नागगालपनः मानहिपाडा
यः॥१॥ अपन्यमननमगू नियकहायः गा नमूला कः एद
नपाडायूः॥ मियाजिकहगहयूः सवगन आडायः अके
वनक्कु ग्रपगिः आनतिसाडायूः॥२॥ ॥ ॥
१राग:॥ काफ़ताः॥ हूः॥ विनगिक्किपाली पालीहः कनूना
गिडा: माही माया: दविथ्वकूनानी: ह एवानिः॥ श्रीचन्दव
न्दन धूप अर्घ पिवा मगाविस हः॥ डहालजिहाल नानास्वा
नया माल: ह एवानि:॥१॥ क्विगूलिव ह्लुजागि सूनज कानी
गजर्ड गिहः॥ जा डाडा ग्रिमूल. नाना दे ल्पया काल ह एवानी
॥२॥ गहरवन थ्वापिगजमनूसवदपिकहः॥ ६ डाडाम

१०

वसन्ग्धकअस्तनकृवृचिःह ल्वानीः॥३॥श्रीजयपनका
सः धाघाक्कि वननवास हः॥ पूनलपिश्रासाजिमनयाऽश्र
विलासः हल्वानीः॥४॥ ॥ ॥रागः॥ काह्नाः॥ प्रः॥
जयजयजयशिविनाजकूमाविः॥ न्रन्दु मन्द्र सवमाननघ ११
नः कनषर्पसश्रादिमन्हस्वनः॥१॥ चकचकङकनहनह
सिजाः॥ नहनहपदनगिमह्स्वकिः॥२॥ ल्नयनामदव
दासकअपनक्षानेदविवननकिआसासाः॥३॥ ॥
रागकाह्नारा॥ चौ ॥ देविभवानि त्रिभुवनमा
नि सिवघनरानि॥ धु॥ सिंघननृगामिनि दनु
जदासिनि वन्दुमुन्दघातिनि ब्रह्मवेदजानिन॥

१॥ सिंधमूनिनारिनि· भक्तजनपालिनि· गलेमुन्द
मालिनि· कविजसदाहिनि·॥ २॥

राग॥ कान्हरा॥ त्री॥ सुमेरिगुहार वामवनाये· धाये· प्रिनिवधाये· सुमरि॥ ध्रुं॥ सक
लदेवके प्रभु· सवयेविराज्ये·॥ धाये· लोकजनाये· सुमरि॥ १॥ निखिलभुपके प्रभु· तु
मारिपराज्ये॥ गाये· श्रीपतिलाये· सुमरि॥ २॥ २ ॥ २ ॥

राग॥ अनारा·॥ चौ ॥ माहादेव· महेस्वर· जताजुक्त शिर धारे गंगये· माहा॥ ध्रुं॥
कात्रिसुल· डम्वरु· गले रुन्द्र माला· पार्वति· औरं· धंग्ये· माहा॥ १॥ १ ॥

१ रागमालश्री

१ रागः ॥ काहि ॥ त्रुः ॥ नामाजिसा वाग्वमत्र ज्ञियजानं ॥ १
सनजागिनः मगतिस्वहायः ॥ ल्वगसपुर्घनः लक्ष्मन
लाथिः सँगलियः सिता हनुमानः जायिः ॥ १ ॥ मालमकु
गसितः कुलकुल दालयः ॥ षँजनयन दालयः म गमद
लायिः ॥ २ ॥ तुलसिदास प्रस्तुह निगृहा गमयिः ॥ वननक
मलविगसतनन गहायिः ॥ ३ ॥ ॥ ॥

२ रागगुहि

२ रागः ॥ काहि ॥ प्रः ॥ नामं गुहिर नाम गुहिपानेंग हमजा २
नंः नाम गुहि गानेंगः ॥ गुन याग्न हर्किसवगुमजाना
॥ कुमगिसूमगि गुमदानेंगः ॥ १ ॥ ग्म विंद नामाहनि
सवगुमजानंः ॥ नामविना प्रगि पानेंगः ॥ २ ॥ ॥

१ रागः॥ काहिः॥ वंः॥ एजलं हा नामसं घानिः प्यात्र म ३
न एजलं हाः॥ क्का ग नै घ न न डं व ग वा डंः क्का ग न दन
हानिः॥ वल दन ग्म हवँ यि मान वाँलाडा यस्ति न पन का
लवनानिः॥ १॥ स्रूठि मायाः सू.ठि कायाः स्रठि क्रूए म्वकू
लनानिः॥ ॐ हसं सान वनीज कों आयिंः कनस हदाई
यिः॥ २॥ कहय कविन सू न तायि साधू यह सू ग पनम
ईदास्तिः॥ नामम्मा यजवलं घामा ग वंन्दु सूर्य सानिः॥ ३॥
१ नामः॥ काहिः॥ प्रः॥ ग्मयियग ह पनी जगवंन्दनः सँकन ४
कूडा नरा बानि नन्दनंः॥ सिद्धि सदन गजवदन विनायक
॥ कृपासिंधू सालम्बूए दायकः॥ १॥ मादकपियाएगमं

१ रागसैंगः

१ माधियः

गलदानाः॥ विद्यावादियवृद्धिविध्नमाः॥२॥ जावकनुलसी
दासकनजाँनेः॥ वसहिनामसियमानस मोहनः नयियः॥३॥
१ रागः॥ काहिः॥ वः॥ गगजमूनाकंपिन वंसिधुनीवाजि ५
नहायिः॥ जमूनाकिनाँग ऽयेङमवधाअंलः मूनलिवजाङ
यगानः॥१॥ वृन्दावनमः नासन वाहयः भुहभ्रु ऽयेपिःय
ककाह्राः॥२॥ मथुरान गनमः कंसपक्षानेः संगलियग्म
लवाह्नः॥३॥ ॐ गमथुनाऽगस्वकूलःन गनिः विवव हय
जमूनाः॥४॥ वँन्द्रसंषिहिगवालकृष्णकृ विःचननकम
लविगलायिः॥५॥ ॥ ॥ १ रागः॥ काहिः॥ व्रंः॥ नाधा
जिवदाकृजिवाकंः॥ कहवमनाधनीः सनपियानावहय ६

१ रागं ङमनाः

१ गाधाजि

हक्ष्वाकु बुद्धि कमायाः जाकं सिं गाः हनुमल्पायः नाम
लक्ष्मनन दायि लायिः क्रजिवन्कंः ॥ १ ॥ लंका थ्यंयि सिकां
ठवनी हयूः मघनाथन खडंसनाः ॥ साथ समुद्रनः खाडाव
निहि कूम्भकर्नजं स्य लायिः क्रजिवन्कंः ॥ २ ॥ हनूमं गवां
लयः स्तून दिया नावनः लंका कनरुवलायिः ॥ साय गवंध
पनः पूलवनी हियः लंका मध्व ममवायाः क्रजिवन्कंः ॥ ३ ॥ ना
वनमानयूरि विकृन थपय वन घन आनन्द वधायिः ॥
जाय जनक पूनधनूकवजायिः स्तुनदाससप्र लग्नयाः क्रजि
वन्कंः ॥ ४ ॥ ॥ ॥ नागः ॥ काहिंः ॥ प्रः ॥ जवलागी घ
गमान प्राद्दनागागवलागीः ॥ जवमान साहवः वांलिपक्ष

जवलागी

७

जलः च्छुट्रिगयिच्चनवानः॥१॥मागापिगासूगवँधूलायी
काहिनञ्जाडायमनँकामः॥२॥माहाविचूनैयावूदँतिन
मूसयडअनननपानः॥३॥मिलाकँप्रलूनुमानँदनसकाःजा
गनलाःग्म लायिपानः॥४॥ ॥ ॥१नागः॥काहिः॥प्रः
॥जाकुनसिवगूह्मलिनूयायवाः॥नूपवश्रीगितिवनजाकँ
ग्म काहिमकादालँपायवः॥१॥दसषिवँगमाया नौकुनीजः ८
ग्मसाकनन्हपवालः॥यायवजाकुमसिवगुनलिनीः॥२॥ ॥
१नागः॥काहिः॥प्रः॥कईनकनँऊँजालजगमाजिवनःच्छनाः॥ २
मागापिगाऊनमदियाहयूकनमदियाकननानँजगमांः॥
१॥काहिमंनयदसविसवनसमः॥काहिनञ्जाडायडाहिस

१ जाकुनसिवः । १ कोईनकः

॥श्रीनमापती

॥पियाविन्हः

थऊँगमाः॥२॥ नाथ्कस्क स्वामि प्रहु अँनन जामिः एउगमिल १०
गडाहिजगमाः॥३॥ ॥ ॥श्नागः॥ काहिः॥ प्रः॥ श्रीनमापती
गमागगिः अडानः॥ देवदमन श्रिरहुवन पनि … वनः निगिवि
क्विगमद मान गगिअडानः॥ हूँनदानववं वनाहि किछ्राःश्री
हिविध्मगाः वाम गगिअडानः॥१॥ निंजएवननीजजननि
मावन प्रीगहृदयवनदानः॥ जिन पहुषवन दानकनिदिकु
ग्राहि हूमसावामगगिअडानः॥२॥ ॥ ॥ ६७
श्नागः॥ काहिः॥ प्रः॥ पियाविन्हः पियाका जानिह मामानिपि ११
मानिः॥ दनदकी नानिहयक छुनाहिः काह काबेघ बलानिह
ः॥१॥ जावनलाग सोहिन जानायः काह काडाषगलगायिह

॥२॥ चन्द्रमषि हिंग वालक षू कु वि: दिलकी कप.ग छू स्मायि ह
मा:॥३॥ ॥ ॥रागः॥ काहि:॥ वाः॥ मधुनास हन्सः विद्धा
कः राल पा गृलि क छा डाः॥ सून्द न सू ग धं: स्याम नाम: वालष १२
ग्मलमू छा डाः मधान मानिकः गया डा पालि पायल मल द
य का हा डा पल्प स्वान ओनाः स्वाल मूसू प छ्लि ल स्व यान षना
न मां हन मिसा न गि साः डा स न धि डा म वाः॥१॥ अनंग कल्प
पा मूनी आं सा द ग डा षं छाः व सू दं व द डाः क्रिया म नः अ मि ह
र्ष इयाः॥ पद म भू रू ष कं स कि सि आ दि स्या क ष्णि गा डाः ग
गामि रा डानः लाय थ्व सः विकुम्ब ह्लाक ष्कसि या डाः॥२॥ः॥
रागः॥ काहि:॥ वाः॥ हपा सा गा पि छन स्वालः ह्लाय अपा १३

१ मधुनासः

१ हपासा

लुंडासयाशुगिपालिःपालिनिपाह्राकछ्वयाडाः॥ श्री
ख्वपालसून्दनपूत्रषःअृशूगिशूगिनःजगगसःडा
नमशूयः॥ ख्वकूलसगूडंभलगूमानःख्वपिगनःलिगका
डाःनसवसःपूयाडंनसनविङ्काकःहपासाः॥१॥ ॥
श्वागः॥ काहीः॥ थोः॥ यननानाजावंदः॥ श्रीवालमूकूदंः १४
प्रलूप्पाथ्रघण्नषलपर्नदः॥ जनमलियवसूःदवंकीघ
नःछुगिगयासवहंदः॥ हिगकंथ्रजसःमगिघनश्रायः
नामधथ्रानन्दनन्दः॥१॥ कप नहिनपूननाछपाल्वेःजा
कपानकनंदः॥ मागिकागमूषदषमहःनजवथ्रिनीलाक
दषंदः॥रा॥ खवलडंषलजवबाख्वपामानःपापाकाडंषनंदः॥

दतसनदिङमाम्नः कृङअनकामेयाः गुनमहिमकृगकनंद
ः॥३॥ खलमषलमः गिनमयिहिः जमूनामकृकृपनंदः॥पे
चिपगालकालिनगनात्पहनिपम्यानिःदकनंदः॥४॥सु
षकंसागनः दूषकोहनेयाः पूननपनमानन्दः॥ग्वपिना
थप्ररकृकृपिहानः श्रीवन्दावनवंदः॥५॥ ॥

१ङाध्याङाय

१नागः काहीः॥प्रः॥ ङाध्याङायसायिपाङायसांवियावंका १५
ः॥ब्रह्मादेदपनथ ह्वानमनः ॐन्द्राआनगिपूकान्सोः॥
१॥नानदहजनकनगः निस्वासनःसिव रकनगपूका
न्सोंः॥२॥मनवंचिगः हलदनीरवानीः गानसनजस्व
म्भयिःसोंः॥३॥ ॥ ॥१नागः॥ काहिः॥प्रः॥आनी १६

१ आनन्त्र

न्दन्रूपल्वानीजयः॥ गुमिगावाः गुमिग्रीपूनास्पामाः॥
गुमिनिगमागल्वानीः॥१॥ त्रिपूकूलनासिनीः सूधिप्र
कासिनिः॥ दूनमणिदाहिनकूपानीः॥२॥ दूनमणिदाह
नःअल्यवनदानिः॥ सूमनथनिर्ग्रहवानीः॥३॥ विघा
पणिपनःकृपाकिंडः॥ नागनकागकीनानीः॥४॥ ॥
१नागः॥ का[illegible]ः॥ प्रः॥ येस्पवाकुनआगीः यहविधिव्याहा
नआयः॥ यहाः दिमिकिदिमिकिदम्वरूवाजयः पाटलिवा
चविक्कालाः॥ पास्तनपासनः ल्गवीनाजयः वाजनः वाजय
नागमनाः॥१॥ यहाः जवमाहादवपिंगवखडालः जगकृति
वगगमः॥ जगाहिगीमः एसमअ गमः नयनकृवाकुदपायी

१ श्रीसवाडः

१ वृधडमतः

१ पानवाणि

।।२।। यहिः किन्हा किन्हा कय किन्हाः मदागिनी ऋर्घचन्द्रसि
रस्व एः ।। जगमग कयः मेला कनानाःग्मडाय एगवनिदा
सः ।।३।। ।। ।। रथागः ।। काहिः ।। प्रः ।। वृधडमनगीया
एगीया एलाः ।। वन्द्रगिल कसा एमथाहि जोलाः ।। वाडला १८
गीग मनूः द्रिमिकीर यानाःनूयलागीः वृधडमःडेमकिरयाः
।।१।। श्रस्कसिसगलं मालाः नागललीलाः ।। एस्मलंपीगभी
वःसंडाहि लिलाः ।।२।। एनयवी घ्वापगीः नू पहिलीलाः ।। ज
याडाजगगपगीः गयाडा ज्ञ लिलाः वृधडमः ।।३।। ।।
रथागः ।। काहिः ।। प्रः ।। पानवनिपग मनिविनमीः थश्रेः ।। ल १२
ल श्रनल एवगुडासियसांदन गीनीरतवनसममारलः ।।

मंगलका:

ॐ न कानन हृम वदन हि कीॐ नाषि पहा भा गाम: ॥१॥ त्र
पल्लन गसिव अलिसिव मावन: निज सनठा प्राणि पाल: ॥
ॐ न दाव ववध गुम अवकि ॐ त्रा हि विध्न नावान: ॥२॥:
रना ग: ॥ काहि: ॥ धुं: ॥ मंगल कातिनी: देवी एवानी: जननी ए
डमनी: सिंह गनूपन वातिनी: देय विन्द विनासिनी: ॥ मून्द्र
माल कं: लाल: कनधन: स्वर्ग षप्पन ध्वातिनी: एय हातिनी:
एवगातिनी: ज गद वि कं: ॥ असून सूनन न: लोक माहिनी
चन्द्र मून्द्र विनासिनी: ॥१॥ सजल: जल धन: वदन: ठनूपन:
विकट: दसन प्रकासिनी: षननासिनी: गिनिवासिनी: जय
वन्दी कं: ॥ ननहा पं कज: दास वननूठ: लकं भनूगंग पालिनी: ॥२॥

स्वागः॥ काहि॥ प्र॥ आनन्दकामिनीः सिवाएडमनीः त्रिपूनाःए २१
डमनीः मस्तमहिषविदामिनीः वैनिमन्दलवामिनीः॥ निलस्या
मकलालः वननगः मघरूपसूगजिनीः गुमजागीः मनर्नाजिनी
ःजयचन्दीकः॥ सकलत्रिपिकूल नासकामिनीः नकविजयना
सिनिः॥१॥ कोटिसूर्य्यःप्रकासः टनूपनः सूमानीः सूमःमामि
निः॥ सिवलोषिनीः एयहाननीः जयअंवीकः॥ अपनेकनःस
वःलोकपालीनीः एवसागन गामिनीः॥२॥ वदनकुविधनःन
विकिःनद्दइगिः कटगहसनविमाजिनीः पमिवामिनिः हनी
हामिनीः जयकालिकः॥ चननपंकजः ध्यानसमनगः एक

जगपालवधनीः

मनोनवपूननीः॥आनन्दकाविनीः॥३॥ ॥ ॥

श्नागः॥काहिः॥वोः॥ग्वपालधनीअपलिगझयगुक्कायः २२

कानजनजिपनीःउत्पनडायमानीःगूलिदडाक्विनजि

लायः॥हगासनपनःधलिमिलडान्पःअनपानमविस्पन

यक्कायः॥साजलडान्पथ्यसःदयिडाअवकासःमालकाष

अनल्कायः॥१॥घाटसपछगस्पःगडानपल्पससःलवा

लपदमस्येकायः॥लूलमूलयाछडाःदसन्अवलाडाःह

पनमषगवदायः॥२॥नसयाषनसनःझयिडासहजनः

वलनक्कुपिनिगीक्षयः॥विनगियाछजिनःझयधूनाक्वि

अधिनःमूमालक्कुयाहपयायः॥३॥कष्लूयासवकनःक्लछ

थवबनः लाऊन्थअवसनथयः॥ नपनह्नाकउनः डाम्ह

याहि कमनः विमूषमग हायहायः॥ ४॥ ॥ ६ ॥

श्रागः॥ कोहीः॥ प्रः॥ डागऊँ गल ग्वलावासाः नमिग्वलाँ जा

गियाः॥ क्रू गिमूगीमंदियाः दसदनवाजाः पावपथनः छ

थमनना गाः॥ १॥ ऊदिग्वलांमादियाः ई दिग्वला याः॥

सागलाकाविछः अग मअपानाः॥ २॥ कहयकविनसून

मनलायिः॥ हमकानूडागाना मदूहायिः॥ ३॥ ६॥ ६॥ ६

रामकाछिः॥ ७ ॥ म्याजुरामामोरेघरमाडुनम्या

य॥ धु॥ छोनिनमोनिदथियासोह्नैः छोनिनमोनिद्

लायसितारानिवयरागिरानिजुवाकेस्यः॥ १॥ गा २३

यगजाधरगंगानुहाय॰॥कासिविसेसोरखागेव्युनि
माधवउँधिवलमोतिजगंनाथ॰॥२॥रामलछुमन
भरथसत्रुघन॰॥दसरथन्दलाय।सिनारानिवय
रागीरानिजुवांकेस॰॥३॥ ६०३ ॥ ६०३ ॥
रागकाफि॰॥वंथा॥श्रीलछिमिनारायनभजलेहो॰॥यारे
मनजगमोजिवनथोरारे॰॥ध्रु॥तनमनधनजिवनप्रान॰तु
मयहनहिहकोहितेरोरेमन॰॥श्रीतरामकोहियावतनहि॰
जंगलछायेवंतेरोरेमन॰॥१॥मातपितावनितासुतदारोखव
रनाहकोहितेरोरेमन॰॥रामप्रसदजियसोचनलीय॰यहवे
थीउतरनपाउँरे॰॥श्रीलछिमिनारायन॰॥२॥ ६०३

१ जयकालिः

रागः ॥ मालकलिः ॥ तः ॥ जयकालिका गुडावनवासं ऊसुःर १
कर्कसूषदायनिः ॥ नकविजयनिसूतः सूला महिषसूरसं
हारिनीः ॥ १ ॥ कनकमनिमयः मकूगसारिगः विकगद
गप्रकासीनीः ॥ सूरगिरिंनक्षुगः अमललावनः षड़ुः लगक
क्षमिनीः ॥ २ ॥ कोटिनविससिः वदनस्वरिगः कालिकासव
वाहिनीः ॥ रवनवंदिनीः अरसूरषंन्दीनीः सवककर्कसूषदा
हिनीः ॥ ३ ॥ प्रहरी सूरमूनीः विमलपदद्धुगः अगमलव
जलगात्रिनीः ॥ नामसूमरननः पापमायनः दंगअलयव
रदाहिनीः ॥ ४ ॥ रनगिमधूकरः विविधसउमः पाहिमीगा
हसींपदः ॥ सूमगिजयपनः कासुमाडागः विनगीगुडावनर्नभूषः ॥ ५ ॥

जनमजन

रागः॥ नामकली॥ प्र॥ जनम जनम गुडा आसाम हस्वन २
॥ वषर आसन गेमे निनाथ सदासिवः॥ एसमलपिग
अंगसी वजगा गीगः॥ पानवगी अडान धंगः॥१॥ ग्रिसू
नदमनू हाल्पनसिलज गागेंगः यकवं घंवन स्माल्पः॥२॥
गलसलिग रहडंगः न डानस संगः॥ नाषा माहिसिवसंग
॥३॥ माहिअनाथकिः गुमानिदन सकोः॥ दूषगागा मूष
दहाम हस्वनः॥४॥ ॥ ॥रागः॥ नामकलि॥ सूः॥ ३
जयदव दवी आगनीन्द्राः आगिरूपजाला मूषिः॥ अस्तनस
कलस हाल संकनः दवगन सवकिया सूषिः॥१॥ सूनससि
दूनस्वर्न कूकुल सिंहजानि त्रि सून नीः॥ मूकु माल सूकण्ठ

जयदेवः

सालिगः आदिकाननसिवधनीः॥२॥जयगिअँवाअँविक
निजः एकुआलिमनदाहिनीः॥कालिकाकनषर्गषपनध
नूजस्वालिगपायानीः॥३॥गग्रगाहन पसिंहमैंपयाग्ध
नरूपहवाहानिः॥गाहँदेत्पकईन्पःविलीमध्वनजनःपदम
पदपनमस्वनिः॥४॥ ॥ ॥१नागः॥नामकलिः॥सूः॥ ५
डासणविडाकाकुजिपनीपाचिलः॥लषसनसनक्षगाङ्य
पिचीलँलः॥काकुशनडासगकासः कँधमाचासदिलः॥१॥
रूपगनगयागुलिःषनजिसलिलः॥पाविलीसलिलसा
स्पमूसकुनङ्गिलः॥२॥काकुशनजिपनीसःलघ्रायाग
दिलः॥धिनजनथानगत्पअसिकनसिलः॥३॥ग्वँलग

गयकाकुःपाविलिसलिलः॥ दालक्षिविह्नगीजिमिगलाग
किडमिलः॥४॥ हनियाधासनह्रालःथूलिगकवीलः॥ ववन
सननवीडाग्रिरुवन्पावीनः॥५॥ ॥ ॥१नागः॥नाम ५
कलि॥प्रः॥सूनियकपापकहनवीगंगमःमायिः॥गंगमगिगा
लगगिलाडीहनिः॥यहकलीङ्गगःगमिगननीगंगमःमायि
ः॥१॥ ववसकियागगिःपापनासीनीः॥ पनसक्षियागगी
गननीगंगमःमायिः॥२॥ हनिचननानःविन्दूसनिकलीआ
यिहैः॥ माहादवसिनधननीगंगमःमायिः॥३॥ सूनदासकँ
प्रस्तुमानिदनसकाः॥लागिनपकँकूलःगननीःगंगमःमा ५।
यिः॥४॥ ॥ ॥१नागः॥नामकलिः॥वंः॥ईधवजागया

ष्काय सदसः॥ नसन वृन्दावन सञ्छिगल इयाव्लस ग
नडान थ्व षर्ड पद सः॥ जिकं ष्मस कस्तुति नः वूय गथ्याविल
गिनः ङ्क गूलिन गियमषूछे सः॥ गिसामनिक मोगिन गीयाः
डासगजविनः गथ्यकायः ओगिनीयाछे सः॥१॥ दगोलक्विह
इलि सः कं सगलः कामनसः आडा कुयाय डास षसः॥ दगस
नमविया नस्तियध्वन. डास षनः म गोगलमथ्वनायाद सः॥ र
॥कनेमगः थ्व षक्विनः सहलप. कुमगिनः हुगकलजिथ्व
डासगसः॥ थ्वसथ्वस. पिनगिनः कुयकाडा. गलगिनः म
दगोला कनूनायालँहा॥२॥ ग्वपाल दासन ह्यायगमनमगं
लहायः थ्वथ्वमषूडासहृयकं सः॥ विजाय इलः सँजागगा

सुन्दरस्याम

याउ याउ ई जा रा जा ग कृष्ण नाम गिउ मं स्तः ॥ ४ ॥ ॥ ॥
रागः ॥ नामकलिः ॥ तः ॥ सुन्दर स्यामः मनोहर का हा गुम आ
यिः ॥ गृह गावन अगम पंथ लाजन हि आयिः ॥ कईन्य गनः
मायिः वाप कईन्यः लपथ यिः ॥ १ ॥ गुम सुन्दर दर्षीः हृदय
जगम यिः ॥ लाग्म लाग्म लायी मनीः हृदि छाति काजा यिः ॥ २
॥ लाग्मन हिजाउन सुन्दर निः जसा दा कि नायीः ॥ कालिना
ग सिन हुन गावन ने का आयिः ॥ ३ ॥ जाग्म जाग्म कालिना
ग काल पूरुष आयीः ॥ मनल पगल हुलः स हम्र विचा
यिः ॥ ४ ॥ कौन्य अपराध मतिः कामिनी जग्म यिः ॥ म ह
म्र हृनि गुपन वानः सम्भृ सिः वान मायिः ॥ ५ ॥ सम्भृ मिः स २

म्हसिमायिःवापःसम्हसिसंन्दन त्वायिः॥ यकसलिलगऱ्
थनिग्रःकालिनागषायिः॥ ६॥ सम्हसिःसम्हसीःगऱ्थमि
ग्रःसम्हसीसंन्दन त्वायिः॥ कालिनागनाथ ललःकंसलप
अयिः॥ ७॥ हिगदिगयकमनःलात्रचीजागयायिः॥ कु
स्लमन आनन्दत्ये ख्वपालगीगगयीः॥ ८॥ ९३॥ ॥
रागरामकलि॥ प्र ॥ ध्याप्रकोपहिवानो॥नारायन॥ ८
कु॥ चतुर्भूजवजवैदचानुर तुमहिःमं घव कगदापद
धारिहो॥नारायन॥ १ ॥ जिननोहेजिषद्रिनोनाकेनोभ
जनकिहो॥वहेकेनूनामलियनरनाहो॥नारायन॥ २

॥ ६०३ ॥ रामकल्यु लिरागः॥ ३ ॥ जयमानेगी

जयमानेगि:

ह्मपञ्चुनीतिश्चसुरनिघांन्दनिमावैनि·॥ कवगईनागरिसवगु
नश्चागरि· कवहमनिद्युमनि·॥ कवहुसेघारिनिकार्षश्वधारिसे
करसंग्षेनावंनि·॥१॥ कवगेदंनिससवहंनिःगेमुद्राघननुरंनि·॥
करषन्यरसोमासुभषंनि· भयहटघटघननाचानेनि·॥२॥ रनहन
घनमुषयावंनि· रक्तविजयमधुनावंनि·॥ कालिसवहुयानिकरंटी
कालिकिरिकिरिकिदंनि·॥३॥ संभनिसुंभविदारिनिचंदिसि
हवधितोहेगाजैनि·॥ करषन्परस्वमासुभषैनि· रुधिरपिवैनिना
चैनि·॥४॥ हासिमुषभेसकेसासिरकासिकंथामुंद्रापहिरैनि·
॥ गजिंडछाला· लामकुत्तामनिस्वकालिदेविरुद्रंनि·॥५॥ श्रम
यांसमयातारात्रिपुरामाहांमायाभावैनि·॥ दावितोहेश्चसुरपराय
निविद्यायत्तिकविमावैनि·॥६॥

२

१ दवीनमा:

१ राग:॥ ललि ग:॥ सू:॥ दविन मान मा जगदवीकं स्कु विका १
गिनवी स सि: आनन्द:॥ सिवसक्ति मू ह्रड पायिय:॥ विचि
विष्णु हन पर्वा नन्द:॥१॥ गुम डागि जा ह्रा गा ह्रा दं घिय:॥ गी
नि गग क्ष रु गल गा नन्द:॥२॥ दवि हमा: गुडा गुह्य कालिक
:॥ भ्रम ग कं लि घम सं ह सा नन्द:॥३॥ दवी हं मा जगगडु
भवनी जगज्जय मल गुडा सनन्द:॥४॥ ॥ ॥

२ आदिएवा:

१ राग:॥ ललि ग:॥ प्र:॥ आदि ए वानी हं मा गा चक्रि ए वा २
नि हं मा गा: कु पावन दानी:॥ सि ह वधि ना नी द मनू वाङ
:॥ नाचग व गाल डा गिनी:॥१॥ कुं जल ह्रानी नी: मागि कं
माली नी:॥ ग्रि सून षल्वी ग क्ष नि निः॥२॥ हं मगिनि वाल

कूमातिनीनाजनीः॥मानीय क्षेमादिनासिनीः॥३॥मन

मनस्तूमनन दूषणाननीः॥पायियकल्यानरूपीनीः॥४

१नागः॥ललीगः॥वीः॥मनकामनाःमा ह्रीं मायाःमानक ३

ल्यानीः॥मनककामनाःमन कैं लावनःमन कैं पूनन दवी

ः॥१॥दूषरॅंजिनीःदूनमगीनासिनिः॥दूर्गभजगगकैं

नानीः॥२॥पगिगईघानीनिपदमप्रमस्वानिः॥पून्यमू

मूगिकैनानीः॥३॥ ॥ ॥१नागः॥ललिगः॥स्तूः॥द ४

वीदायकसीकनिः॥दूष्ठदलमलःदूनकवीगुमः॥सिहव

धिगृमस्कूग्रविनाजंः॥कनत्रिस्तूनएयीकनीः॥१॥व्रज्ञावे

दपाधिदवीद्वानः॥५मनजपगमहुम्वनीः॥२॥नारदनिग

१ नागकामः

१ धीमपधुः

पध्व:दवीद्वानः॥कष्नवजाडायवाम्तुनिः॥३॥अष्ठरजा
दविनानसिंघासनः॥पूजामआदिमहस्वनिः॥४॥स्व
रावधिदवीअंगविनाजंः॥ध्यानधवनगसिवसकनीः॥
५॥एकजनकाकनाकपादवीः॥आदिरूपमहस्वनिः॥१
१नागः॥ललिनः॥स्तः॥सावहेहनजानकीमायिःमाहगन
हनूमानकीः॥वज्रअंम्बनःगूस्रसालिनः॥मूनमीअधि
कप्रमानकीः॥१॥अनूनहलवीषजानषायः॥कसवली
गनलानकीः॥२॥नसनुहासिकननअस्तुनिः॥दहाव
धिबनदानकीः॥३॥ ॥ ॥१नागः॥ललीनः॥प्रः॥द
षाविधःजालिप्रहःनलावनीः॥लानवजवजवःक्कानि

यामेदनधआडागनाहिप्ररूमनावनीः॥१॥ ॥
२नागः॥ललिगः॥वैः॥हकाकुनाविगवानवैकाः॥आप
हिगमडायःआपूवजाडायः॥वनसालकिडानवैकाः॥१॥
कहजागयाकक्कुःकुलविक्कुपाः॥लजागयामनमानवै
काः॥२॥ह्गलदासप्ररूःसनवसलूटः॥नागननन्दकि
सानवैकाः॥३॥६॥ ॥ ॥२नागः॥ललिगः॥ वै॥भजन
कवकरिहोजननमसिराम॥धु॥जवजननमेनवभजनक
वुला वाहिरसूषविसरानः॥१॥वालापनमेषलिगुम
सा॥नरुनावैठिगुमानः॥२॥वृधमयजवच्यालसउप
जे॥सिरधुनिधुनिघकुनानः॥३॥तुलसिदासप्रभूनू
मारिदरसको॥जमकेहाथविकान॥४॥ ६९ ॥

१हेतीउनगाः

भजनककथं:

७

॥राग हिंडोल॥ ॥हे नारायण कृष्ण मुरारे: हूं तो मैं कारि स
रन आवै: सेवक जानिये: राधो माधव: जन मर गुण गाये॥
धु॥ गोविंद: पुरण ब्रह्म। निहजन: कैसे र कमल हारज्ये
॥भुवन चतुर्दस: सकर चै राजे धार र व्यापे। राज्ये॥
॥हरि जदुनंदण: गोपी वल्लभ राण: कैसे र कमला विहारज्ये॥
मुरारे: पर ब्रह्म: करुणा सागर: दरसन दीजे तुम्हारे॥२
॥दामोदर हर: कीठे वै नरहरी: मद सुंदर कैसे राज्ये
॥गौनर तन मन राय हु पद गाये: पैद्रमा पदे पद पावे
॥३॥ गौरी का हेजु रा: का वे सर नाग न: गुणा पद विम
राजै॥ भग तान दी मुरे: चती साबै: का धार ये ये कुठ द्वारे ॥४॥

धासुरसाशित्र

रागकाफि ॥ ५ ॥ धाउ गोविन्द गाजिन्हु उँ वारे कुं ॥ ग्रहेचन ग्राह
गजस्युपन्यको ॥ वलछिनभयो हरीनाम उँचाऱ्यो ॥ १ ॥ फहर
फहर फहरात पितपत ॥ चरन गवन किया गरुड विसारे
॥ २ ॥ सुवननासिकाजव वुरनलाग्यो ॥ तिरयन कवलनायन
ललकारे ॥ ३ ॥ कान्यो फन्द चक्र धारस्यो ॥ ग्रघमोचन प्र
भूस्युधमउँ धाऱ्यो ॥ ४ ॥ सुरदासप्रभुतुमारि दरसको ॥ इ
तुदवनवैकुंथ गु धाऱ्यो ॥ ५ ॥ ६०३ ॥

१ मलमास

रागः॥ वक्षादिः॥ वं॥ मलूमनॆमम हतिनाम हसषीः॥ न्का १
निगूनी सूमगिनः श्री एगवआदिनः॥ मनगस्य ६ कुन
पून्तानः॥ घनजन जो एन्हासदानः थानीडाषनः॥ धडाम
सूझयिडानीदानः॥ २॥ फ्रि फ्रि छ्रियाडानदिन अदिक
मायानरिह्नाः॥ दानयून्ययाकुन्यननानेः॥ ३॥ मगलपा
पससनः ष्पगूडिडा गथ हन्यः॥ कूक्षयूडाजमयास
लासः॥ ४॥ नानमनयाडा थ्वानः ऊयमगवडाग्पानः॥
छक म्ह्याववनः ६ ताडाः॥ ५॥ ॥ ॥

२ ज्ञाधिवृ

रागः॥ वक्षादिः॥ वं॥ ज्ञायि है आझ लाडा जनाडाननेः॥ २
स्ववर्ह गलसः कन सूषपाडानः॥ पम्रूपगिदषन २

लाडाजनाडाम्ः॥१॥ सीकल्ह दानन्न द्दनीत अपावनः
॥ लन्नन्न पमानसः रन्नसलगम डाम्ः॥२॥ ॥ ॥
॥ राग॥ वसन्तादिः॥ प्रः॥ प्र हूद्दनमयाक विवालहहह ३
विद्दलद्दषजिगथ्वडंजालः॥ इयाजिन थडाधकाथ
गुघनसालनः॥ यायमहुथडाषूसीनगलयाघालः
॥१॥ क्रि क्रि क्रियाद्दषजाडाथूलिगविवालः॥ यायम
हुधानपून्पालीकसकौयालः॥२॥ हूांकमृयामवम
द्दः थूलिगविवालः॥ सवकम्म थडासिसयाकुनईधन॥३॥
१राग॥ वलाबिः॥ प्रः॥ मायित्रिनन्द दडमनयकजागी ४
आयसिंधिनीनादवजायः॥ मानहागः मानदिगीम्ख

सिनजनाथ्मनः॥ तिक्वादन आयगन मसिः लसिस
ल्ल्यायाः॥१॥ कैंचन थाल मानिक मागिः कोमल
वस्तु डाधयाः॥२॥ नमो कवाहियः यगपगम्वनन
माकेकैंचन मायाः॥ दसनसनः देहा तूमानि वालचकै
डागध्मनगजिआयाः॥३॥ अलषिरकनग्वधलिया
हिः अलषमा हालषपायाः॥ आसिषदहाःतुमानिवा
लषकाः विनं जिनहा गनिक्वायाः॥४॥ चंन्द्रसषिहि
गवालकघूरजाः चननकमलविगलायाः॥५॥ ॥
स्वागः॥ वल्लानिः॥ प्रः॥ छुकन स्नमः यकपनिजनःस्व
कैस्वावैसगमायिः हमायिः दूध्मायिः कोन्यवूमायीः॥ न ५

हिमाछि

घनसम्वत नापिथिअम्वनः नमिलि पयिवउंधानिः
॥ सकल संपति मयू खाजिआउाल: पाउाल ए सम:
म्हाली: ह मायि:॥१॥ वास्त षिजिडाल: पाउान पिंडा ग:ह
नाजिउप: वृ षषायि:॥ सवक स्वामि: दाए यिमीलल: ह
मानी कउन्यउ पाप:॥२॥ कौदनआनि: पाच ह्व खाउाग
:वाघ ङ्काला वीच्छ्या यि:॥ हमअ लागिनी: पापूनी कं घ
न: वसा हा च्छु मल षायि:॥३॥ थथपूरंकन: गमनवगंक
ल: पाषल: एवल ह्लायि:॥ यकदिन ल षन: सहन पा
उाल: मास्त रउप पास्त:॥४॥ मायिन स्वचल: वापन षाउ
ल: षाजल: दयिव अयन:॥ विधिगलं खल: मगन पाउ

लः मा षियमनहमा मा ः॥ ५॥ ननयविद्यापनीः ह्मनाह
पार्वतिः स्वामिकः नावालीमंन्दः॥ नाहनस्वामिः जगत
यिस्वनः ह्गगनीमूर्तिदानाः हमायिः॥ ६॥ ॥ ॥
१नागः॥ वल्नानिः॥ प्रः॥ निदयकडान विचाल ओगिनीः
॥ वालषआपनः ल्यपनाधिनः नानिगकनहर्ड धानः॥
लोकनीनंकप्मः कनिपंगमयविपनीत्यवानिवानः॥
१॥ पनिग नानिदयिनदानिनीः यकहि गुमजगसान
॥ कुपाकनियमनः दंहदनसनः कनहत्वनीधिपानः
॥ २॥ पनमनागनः गूनकसागनः निनिधनमअवगान
॥ नपनानायनः नंन्दनहृन्दनः वालगवचननसानः॥

१ हरिति

श्रीरागः॥ वल्लाति॥ प्र॥ ह ह तिगयमक्षिडपतानः॥ व ७
कूलसवसपूसविद्याकसदानः॥ सूंन्दनजगणवषा
नः॥ १॥ सिनसमगुकस्वलः क्षसखायापानः॥ गलस
वनमालास्वानः॥ २॥ लूवनसमदूडागिपूलूषपूनान
॥ अपूलूवनूपसमानः॥ ३॥ ल्हाक क्षयामनपूनया
यिडासूनानः॥ मदगकूषूविनानः॥ ४॥ ॥ ॥

१ आलिवली

श्रीरागः॥ वल्लाति॥ प्र॥ आलिवलौतिअपनःगूहकैः॥ मा ८
तापिताःपदसवनकतियःदिगिकूलःसनसिजदिनमनी
कैः॥ हविनवंन्दीगदानवनाजकैः॥ १॥ मनिमयमन्दीगः
लूगिविनाजकैः॥ हलनननपनौक्षिगगूबसाजकैः॥ २॥ः

१ नागः॥ वल्लानिः॥ वंः॥ कुषू श्याचनि ग्र गाचि ठहसषि ८
॥ जौ हनजा स्पडालः कामया वलाना कलःनू गलसमि
क्का डामजु ठह सषिः॥ १॥ नूप हाठार्चे पास्वान क्ष्या
अगिहि नवानः॥ शयूगं प मासि यानिदानः हसबीः
॥ २॥ मलू ननलल चनविपगि गध्वमषनः॥ धीनज
यापिठासूनानः हसषिः॥ ३॥ क्षिक्षिक्षिया विनहनः दू
षसूषमलू मनः॥ थग्रद्दू षकुगकिननान हसषिः॥
४॥ ल्हाक क्षक नूनान स्पः स्वकुन्यवाल षसिस्पः॥ ज
नमजनमक्षिकैथ्यानहसबिः॥ ५॥ ॥ ॥
१ नागः॥ वल्लानिः॥ प्रः॥ थथ्यमषूगडा क्ष्यात्रिगईव १०

वः॥ डा सप्रीरर वनमनीः थ्वथी ठक्कु कूकननीः॥ जि कं
वचन ठ ख्वा गः कूवूजा डा वि गः॥१॥ जि पनी अरगी
निःर जल पा वा न छिनः॥ अरु गूनिद्व षञ्ल थ्वथी ठ
ला ध्विः गः॥२॥ गथ्यन थ्व जि डा हन्पः थ्वू गूलि द्व षस्
कनौः॥ ठकुनँ मन सनस्यः डा स याक्कि हिनः॥३॥ थ्व
गद्व षस्य हल पँनः स्त्रियनु मन सयनः॥ विरत्नि डा कं
थ्व क्लीनँः कनँ थ्व वनि गः॥४॥ निन मनी ईनी ख्वालः डा
सयाख्वाल जि घालः॥ डा सयानूगलं क्कि ठकुः षनँ पन
निगः॥५॥ छाक ठकुपा थ्व विन निः डा सवननम निः॥
विपनि सधीनजमयाय विपनिगः॥६॥ ॥ ॥

११ कुयागिडाः

१ रागः॥ वल्लाति॥ प्रः॥ कुयागिडाः वालषग्वपालः हह ११
निः॥ रघ्वाल पल्प स्वान ह्मालःमि षाठ्र [illegible] न याझलः॥ऊ
रु गृगिसँ सालया सालः॥१॥ स्वसन स्वयम गम कःल
सिकल वानलाकः॥ कं छपडाँ पथ ध्व सँ सानः॥२॥
कँस किसि हुग कलः ए गगल हिस्पा गलः॥ ध्वाय कल
दसअव गानः॥३॥ वनन सनन विडाः दा छविकदको
हिडाः॥ हाक म्हया याकुन्प ईध्वानः॥४॥ ॥ ॥

१२ हमाधाथि

१ रागः॥ वल्लाति॥ वं॥ हमाधायिनिकँ निककरमा १२
हिपानः॥ सवग्वपिन्यलिनी कँ निःमनुकिईध्याडाँ
लक्षिकँः॥१॥ गँगम जमनाव हलोनः॥ वालअक्ष

मातांको नः॥ रमदान देहरनमहानः॥ कर्न धनीकरु
माहिपानः॥३॥ विष्णुपति कवि लानः॥ गाह प्ररमो
त्रकिसानः॥४॥ ॥ ॥१॥ गः॥ वल्लातिः॥ स्त्रिघयाध
सजोना· ख्वानयाख्याल्न·॥७॥ श्रुजुगतिघनाथ नि· सेसाल्नयाजो
ल्नरे·॥ ज्ञवोस्यवन्यधाल्ल देछामदुसाल्न·॥१॥ कोघनवोयका
वकिसीसा स्नहल्नरे·॥ सयानिव ज्ञवफेकाहस्यधाल्न·॥२॥
सुमेल्नया नायल्नसगुषि वायावासरे·॥ चल्लावया ह्रुसावनघि
वासास्नघोल्न·॥३॥ नरिन्दुल्लाङ्गिदेविपाख्यिपिन्दुकविरे·॥
किस्निनवुसाभार मिमीचानकाल्न·॥ ४॥ शा· ९२

स्त्रिघयाधु

राग तोडि ॥ ७ ॥ जैं जैं विघ्नहर मंगल कर सकरण सरण गणेशं ॥ ध्रु ॥ तो
हि हरि हर तोहि ब्रह्मा सकल सुरासुर तोहि ॥ भव जल निधि सुतरण सर
ण गणेशं ॥ १ ॥ स्थावर जङ्गम तोहि जलस्थल रहत सुधारण तोहि ॥
असरण लोक सरण सरण गणेश ॥ २ ॥ वरनत गीर्द्व राज महारस
दुरित विदारिणि बानी ॥ जग मग जोति भारण सरण गणेश ॥ ३ ॥ छ

रता गः॥ मा नि॥ त्रु॥ दँव नाथ्य स्वन स्व लः तीक स्कु दु षह १
नं लला नाथ अ नाथ गणि दहा॥ गि गणं गवि ना ङः
र स्म व घी स्वन दा नेः गथ्यं गथ्यं गक गथ्यंः दग र
थुं गथ्यंः नि र्ष कन स गक थ्वो या हाः॥१॥ चंन्द्र कला
सित थ्य निः मं गल अ घ गन ना निः गथ्यं गः॥२॥ अली
नयन स पन या नीः रूप नि ग्य डां ग ला निः गथ्यं गः॥३॥
१ता गः॥ मा नि॥ चौ॥ सं सा न र डान नैः गूढ जनाय हा २
विधी गनाः निज रूप ल नि रू वि कायः॥ सन सवलार
य लि यव नाय॥ श्री नयन अ ध कान लायः॥१॥ लन
ग सिब गनः प्रेम जनायः॥ न पवनः मथ्य कान लांयः॥२॥

२ धवनी भ्यवन

१ धीमावरा

।।डुनदिनी:

श्रागः।।औ नि:।।प्रु:।।नाऽनादि निह्या:कोन्यादिगीम्व ३
न:ह्माह्मा नानी दिगवन म्व:।।त्रिरवन पूजिंग पनि
संषनाधि षानि:ह्माह्म संषनवि षानी:।।१।। ह्रनिह्न
आदिब्र ह्मा:नजा नयना:माव महिमा:कगुकिम:मू
निजनह्निं:गानती:गयिगगमार्गू ह्रनिह्नन पंचा
नन अ्म्ह ग:ससि त्रिं ली हिं गपायि:।।२।। सिल ससिअ
ष्कलगलम्ब हे मूंन्द्र माला:धानरू पअ्गि लयं कनि:
।।कनवन कनव न:सिसऊँ अनात्रि रवन:एनससी:कली
ईपदस:।।३।। ।। ।।श्रागः।।गौनि:।।स्रू:।।जगदम्बों द ४
विसनस्वनि:ज्वाल पालऊँ अनी:।।रुद्राणि जेविं विधस्वनी

।।ताभ्यी

कविवाकवानिह्नः यगिनिसूनः गिनिजाध्यान वृषिव
नदानीः ॥१॥ यकनादव्र छ्याः पानह्नः स्लनगुडा सर्व
कंपहनंः ॥ यसनिगमः पमः धनीधपममः ममःगगःग
गगगगः निःनिनी सनिसानिः ॥२॥ ॥ ॥
१ नन्दनन्द १ रागः ॥ मानिः ॥ प्रेः ॥ नन्दनन्दन पानेअवहिकाहादष ५
निः ॥ वसिकावडेयाअडेनावडकावसेयाआईनःग
धकाषलेयाअडेनः ॥ जमनामः पेल्थ कालिनागःका
नल्थेयाअडेनदषानिः ॥१॥ ॥ ॥
१ देवीसनस्वस्ति १ रागः ॥ मानिः ॥ व्रं ॥ देविसनस्वस्तिग्रि रवननानिः ॥ ग्रि ६
पूनाजननिःगानाः वन्दीनीः चन्द्रविनासिनीः गुंजयूरु

यमानीः॥१॥दुर्गादेवी दुर्म निहातिनीः असुन संघानी
निः॥गुजगगवबानीः॥२॥ एकुवगया निसंकनमानीः
॥जयपकृवानीः गुन्हपवनदानीः॥३॥ ॥ ॥ ७
१॥राग॥नानिः॥त्रं॥जयजयसंकटिः दनुजविनासिनी
संकनमननरंजीनीः गुमएवाजीः॥दवदवसंकनीः निला
स्वरणःविहानाःबिनसगी देवी कल्यानीः॥१॥मानकाम
पूनिदहागुडमाननः॥कवियआहनिसिरूपागिलानिः॥२॥
१॥राग॥मानीः॥ चौ ॥भेरेतुसरस्वति॰ घट घट घट भरे ८
पूरागरायतिनामभरायो देवी वाग बादिनी॰॥फु॥जल
थलमध्यपति॰ नोहेज्वालया॰ भवानीः यांकेवा हिमुत्र

कोनुमयायोनी·॥१॥कोटीकोटीनिमगायिभवानी·
त्रारोंजुगमानिदयाकरोरानी·॥नानेसिनके परसा द्विजे
·भवानी·कन्थयतिकहनूववषानी·॥२॥ ꣸ ॥ ꣸
रागतोरि·॥ वै ॥यरिसषिया·निजधामचलिय·॥
यरिसबि
कु॥मधुरिपुपदमानसलायि·॥धामांकरिसार·सम २:
नकरिय·॥१॥भूयतिमनीग्यानसमाज्य·॥वानिहरि
भावमिलासधरिय·॥२॥ ꣸ ॥रागतोरि·॥ प्र॥
तिमिरे
तिमिरतारिनी·तिमिरनासीनिंदूर्गेनामदूर्गे·तिमिरे १०
नारिनी·॥ध्रु॥भाईरेदूर्गेनामवोलोमुषे·जननमजाव
यसुयदुष·मूषनदेषिलेजननमजायकेरा·नजायज

मकरा। हिरावय भवसिंदु पाररे।।१।।भायिरजाने
न। आछे। जोगनाहातेनअछे भोग। जोग भोग। नहिजू
गरे। दूर्गे नाम मेरावलयकसरे। दूये फल। भनससिय
निउंयदेसरे।।२।। ।।रागतोरि।। प्र ।।
देषिसमुरे आनन्दकरी। मेरेप्रानपियारि।।धु।।रय
नमेयनमेरंगवन्योहें।।रामकरासंकछायोरि।।१।। ११
राजराजभन। भननृपगावय।।हरिचरनचितलायो
रि।।२।। ।।रागतोरि।। प्र ।।द्विजेसारंग। नय
नि। देषिसमो। रतिकामकिजोरि।।धु।।रोमरोमफुले। अंगवन्यो
हें।।भावमाहारसविनेरि।।१।।रसवसपरिरंगवयोरय।।नृपव
रंगेनभन्योरि।।कजेकमललोचनि।।२।।

१ स्याम विनान

श्रीरागः॥ मालवः॥ ध्रि॥ स्याम विनानः कृष्ण विनानः हरि ह १
रि गथ्व गयपू रुलि पनानः॥ साजया डा क्षिगा डाः याह
डा ष्ठू गथ ष्ठ नयनडा वा छा डाः॥ आडा दनसन लाय
गथ्व याछा नः॥१॥ ब्वाल चन्द्र माथ्व रि छपल हलः
मि षान सा ङ्कू डा छ्रिलाःनः॥ विगवियम कु जिनःडा
सलूम छानः॥२॥ मा ठि मानी कथ्व छाडाः गयानू प
हलन पालि सल्ला छानः॥ वनस रु यिडा मलूमनी
डा स्लूनानः॥३॥ ल्हाक ष्ठ याप्र रः गव पाल सूंन्दनः
सीसान सान व स्वानः॥ कु मिस लाडानः नापलाडा
ननानः॥४॥ ॥ ॥

१ रागः ॥ मालवः ॥ श्री ॥ नानायनः गथ्य लाय पूत्र षप
नामः ॥ गूलियाछापन्त्रिभ्रमः स्तियम हु ङस थमः
स्वयसपगिस ङालजमः ॥ यायमहुयाघनमः वैन
धथ्वजिजनम झ्याणालणा एयसनमः ॥ १ ॥ गुछा
मवयामनमः नूगलसलो एणमः जिगिमदूलोकस
अधमः ॥ दूषसूबयायसमः मह्र अगिमगिग्रमः
गथ्यलायपूत्रबपनामः ॥ २ ॥ प्रियाग आदिसंग
मगिनपः याछ एनमः मलूङानिङ क्नामनामः ॥
अनंगनङअगमः ह्मान ङागनः सूगमः मगालपा
पङाकेछषमः ॥ ३ ॥ ह्राकक्नयालूमः ममअपनाधया

उ ष्क म द्व का रु न या क्षा जि क न मः॥ सु मा न या सा न भ्र
म वि रु न्य पा लि प द मः क्षा टि क्षा टी जि नं ङ्ग न न मः॥४॥
१ ना गः॥ मा ल वः॥ स्नू॥ ष्ठ रु न श्री लें ङ्ग न वः वि न गी ष
रु यः॥ म व म द्व जि न ग गीः ष्क्षि क्क ह्म स हा यः॥१॥
म पा घा स्क्रु जि न स डभ रु ग न न न ई पा यः॥ या घा या
ज प न नः म ज्ञि उं दा का यः॥२॥ या य म रु व नि थ म
रू ल या वं हा लः॥ म या स्प म ज्ञ सा चा नं लौ क स क्षा
या लः॥३॥ मी वा गा प नी स थ डः उ स न न वा नः॥ ल
ग क्षं म ह्ण ग ह्म सः म न स भ्र प मा नः॥४॥ च्व ज्ञ ग स
नि धन ह्म म्वा डा ल न स्ति कः॥ द्व ष या ष रु य म कः म

शृङापगिकः॥५॥ ॐ गनंनवङाङ्कसः मदूघनसा
नः॥दूहाङन्यः ङ्कसस्वयजमयाङ्गङालः॥६॥द
ॐ ङाधकाङजिनः गयाअासाअन्यकः॥सङाल
पावागङ्कनः मयाकविवँकः॥७॥ ल्हाकङ्म अनाव
सिस्वयाकुन्यईध्यनः॥ दूषहागसमूदनः ङ्को कुनं
ज्ञिपानः॥८॥ ॥ ॥१नागः॥मालवः॥ग्रीः॥विकौ
दनःस्वयगलकन्हनामिषानः॥ल्याईस्वजि ॐ कष्वा ४
लःहग्लिमिषाचिकः॥ङागिमदूवललाकमवःसी
लसपूस्वगलःमरुकलूयालिकः गियाङादङानया
ङासगः॥१॥नृपतिश्रीनाजिंन्द्रविक्रमसाहवःथका

कुन्यजिश्रना च्वङ्गम्हः॥ लिकाकुन्यजिपापियाकू
वृधि दूतमणीः यायगलजिङ्कम्हनिह्मालः॥२॥ ॥
रागः॥ मालवः॥ ॥ मनकाशुनादेविः ताद निगुल
यावधानि॥ ध्रुं॥ तेजजुन हुइज याः याणवानः पार व
ति॥ स्वामिजुनः श्रीपशुपति॥ १॥ पतितःजनयागति
विवदद ह्लल भाति॥ फुतकिवः पापनो भमति॥ २॥
हंसानह मदुजीतिः वारवारः दुष भाति॥ वन्येचोनेःम
दुजिन भाति॥ ३॥ अनाथजन यागतिः विवेकनत्वो
न भाति॥ त्यगृहीनोकः लमदु ह्लिति॥ ४॥ नेपानया
केव पतिः श्रीपृथिनारायण॥ तुबविवः प्राजायान भाति

॥ ५ ॥ ॥ रागआसाव ॥ ॥ माहाकालन भई रव: स्वहु नेन
हना मि बाहरि स्वहु नेकह नामी बान ॥ ध्रु ॥ घर प मकु: हें वाजी
हा: जपन पढ़िगु ग्यान ॥ मदु जिन हेप्र जुरद धाजाह तीन ॥
न ॥ थानार जनतग: मजि बदी का पजीन ॥ बुधान्मा: पापन जि
केन ॥ २ ॥ कुडाव नेछैह म्वध: मन हजी भव विमान ॥ भ्रगुकुध:
कुनाकिनतान ॥ ३ ॥ न्हाप जो हन्न धाके: जिने: कुगुदुध पावी
म्याहा ॥ न्हि विनान मदुजी हरन ॥ ४ ॥ केन पोजी: न तिमान
जमथा गु: पाहरा ॥ के तिमड: मेव छुनान ॥ ५ ॥ न्हा
कल्ल पा ली वे ध्या: नेहु ने प्रभु ह्नि न ॥ कर जोरि: विनतीह
मान ॥ ६ ॥ ॥ ॥

१ भागवती

१ना गः॥ श्रीः॥ ह्लीः॥ मामानगनीनमाद्वीनमागूञ्छका १
लिः॥ ष्वालउनीकपून याः गजचन्द्र सूर्य्य याः ह्लसस
कून्दललीठवियाः॥ सिलसमगुकलूयाः हलमनी
मानिकयाः घल २ छूलकडानयाः॥१॥ क्लीसह
हनगयाः हालजलिंगनभियाः ननसितनागनक्ष
षायाः॥ विघ्नाकनसनगयाः भील धासकडानयाः
गनसहिगीनाशयाः॥२॥ षर्गषर्य्यनसूकः ञाठाडा
दम्वनूथ्वठाः ङ्गगकलगनवयवियाः॥ अ्एय
वनद्वीयाः नसन प्या षनफुयाः भीहलपूमन
सीकनयाः॥३॥ ह्लायमफुडासष्कयाः महिमाऌ

पालयाः अनंत गूहाडां ङ्क ङ्का याः ॥ अन्प गदा ६ ङ्कु
मायाकुन्पः श्रीमाहीमायाः ह्राक ङ्क अनाथसियाः ॥४॥
१नागः ॥ श्रीः ॥ वंः ॥ स्नुन्दन विहृगिवूसाः गोत्रि षडास्य
गसाः सदानडासयागयथूसाः ॥ नन्दी हिन्दीनि ङ्कपा
साः त्रिस्नूनदम्वनू डासाः सील स म गुक्कनु यापूसाः ॥१॥
अगिनस यसन साः जगानस पालहिसाः हालयाजगि
गजसहिसाः ॥ धूयाङ्कु गूलियालासाः वालकवन्दु मा
ङ्कुसाः थसस थसतिठविपानिसाः ॥२॥ डासगजिगू
लिदिसाः जगगयाडाङ्कपूसाः गन्न हनमवमदूथसा
ः ॥ एगगजनयाश्रासाः ङ्कगकूअन्प गदसाः त्रिपून

असनझलस्यासाः॥३॥लाङाल गगिनयासाःसेसा
नयानामकासाः मालमाल गलसकाषासाः॥ह्नाक
ययामननगसाःङा विनानमदूजासाःपूनयाङाङि
मनयाअसाः॥४॥ ॥ ॥१॥ रागः॥श्रीः॥प्रः॥अ
नावनिहवालकिःसिववनलाःकोन्यविधिसमू
दनगेनाःसिवलाः॥वसाहावचलसिवःलस
मविलगेमः॥लानविसानःलजनामध्यगेमः॥१॥
नयनकाजलत्वलसिनसालमानिः॥हिनउंका
साजवियाहेहेकिगेनिः॥२॥पाङपनासिनि
अपजासलहाः॥गङानिमनायकःकाहेवनदह

१ अभवाबनि

१ भगिनेष्ट

॥३॥ ल्वन यवि घाघमिः स्तून हो ल्वानीः॥ निनी ल्व
नाकैं यहः वनदानः॥४॥ ॥ ॥२नागः॥ श्रीः॥
वः॥ मनि त्रून निवासिनीः श्री वज्र जोगिनीः सिंधिनी
त्रूपिनी २ धनि दवीः वांघी नित्रूपिनीः॥ प्रिंद्वयन सूं
धनीन नमून्द्रमाला॥ षग्नीत्रूपीनीः श्रीषा स्तूनकालना
सिनिः॥१॥ पींवं कपाग लाल क अष्ठ नाग ल्वषिनीः॥
हाल आ ल्वनः सूर्य्य काटि नकू वर्द्धः॥२॥ मेलाक्कयाज
ननीः ॐ स्वनिः का हिन हिजानीः॥ सींक स्तु गान निरकु
पाकनाश्री ल्वानीः॥३॥ गाहदवी स्तूमनन रगाहडे
यगाननिः॥ ऐन वीमा श्रीकाः गनं स कूमानः कालिकाः॥

१ आशिरिव

४॥ श्रीपत गाप मल्ल २ सं साल कि साल॥ मीपि कूलनाम्सि
ह्नि २ कनाह्रदयसानः॥५॥ ॥ ॥१ नागः॥ श्रीः॥ प्र ५
जागिजिवन ह्माभाः कंडा जान वनज मायियमानगि
ल मानाः॥ जाहिलागी नव कल आहा निरिजागिः॥ पून
वस्त्र कण ह्नल स ह्न अन्नू नागीः॥१॥ वंन्दुमिलक सां ल उँ
नह्नि पमिः॥ यहान त ह ल्ल कंडा ज ग जोंभिः॥२॥ मा
गि वायि आनसिव दमनू वजायिः॥ अन्न षन लाउन
मायि ह्न ध गुन ग जायीः॥३॥ हालमाल गण खिण पन
लकुधं दाः॥ कँडन वं ग्वल मायि ह्नवा गस्काला वंदाः॥४
॥ लन कविनाज गम डा ज्ञ गज्ञ गस डाः॥ चंन्दन दवी पमि

१ साऊपासा

वैजनाथपदवाः॥५॥ ॥ ॥१ताग:॥श्रीः॥प्रः॥साऊ
पासाकाछाऊषहछाः॥ अपालपूनूषसषिअसिकम ६
गछाः॥लूमछाऊह्रीवाह्रीसमदछाः॥१॥मलालपामा
गलथमअगिघछाः॥माहयापासनथनीगलसजिक
छाः॥२॥ह्रीनसदलऊह्रीछाजिमूदसथ्यछाः॥कपगन
थनीसाऊजिमायानकछाः॥३॥ह्लाकम्हयामनहवि
नहसयछाः॥नाध्वझयामनगिऊःथूलिदूषहछाः॥४॥

१ साऊनन्द

१ताग:॥श्रीः॥प्र॥साऊनन्दयाकूमानःज्वह्नलालपान ७
हविलालपानसूबलायूऊअपालः॥ग्वक्षयाआदिस
मवमंदूसूनःसंसानसझस्यझलसागूलियागूछाः॥१॥

बालक त्वालपा गल द्वकिनः॥ वसूदव ग गा गिल गवि
नगिनः॥२॥ ल्पास्पयान सस नसिकल झलः॥ आगिया
झाठा स झलडा ञ्क मूलः॥३॥ ऽ न्ह्रादिद वयादू ब कू न
कूनः॥ त्रिरत्वन डा स झलडा ञ्क चूनामूलः॥४॥ तग
गजनष ठ सी तानया सा तःकंस यामन स झलडा आ ञ्क
कालः॥५॥ ऌ्राक ञ्क अनाथ या विनगि ठ कुनः॥ क्कि
पालीपल स जिरमल याकुनः॥६॥ ॥६३॥
१नागः॥ श्रीः॥ ॥ पांडुनन्दनरसनहतासविज्याक॥ ॥लि
सुनि.लाछतिल्लयाथानवानमर्षयानरनलाकरे॥ ला उस्यबा
ल.हेग्गलिमिषाठिक.किचकामगपतनस्याक॥१॥ गदायाज.

धनकुमनिदुजोधन ति ञ वृषत वा कहाकरे ॥ वयरिघ ञ वृ कुनी
यासभ तनवा ञ र श्रृस्व थामालाकः॥ २ ॥ दुस्तुडसा मनफूतकु
क्रोधवास्य श्रृत पिका स्य स्याकरे ॥ क्षितोनपासलन क्रेषतंल
मङ्गरृ दुपतियामनपुरेंपाकः॥ ३ ॥ सूरविरश्रृति रगासहृ
मति स्वारपस्तु लयोनायकरे ॥ छिगुणवषानहायमफया
नल्लाकलयामनपुरेयाकराजिद्रः॥ ४ ॥ ❀ ॥ १०३ ॥ १०३ ॥

१ नागनाम

१नागः॥विलासः॥दाः॥नाम्हानामकाडाजिडाअपिनसा १
याडालः॥पनईपकालजसयाऊन्यसियाडालः॥जमया
दूजअलडान्यःमालिडानगमाकलः॥धूलिललपाडाध
मपापडागपाकलः॥१॥मायामाहगमलाएःमननलि
काडालः॥सत्यधर्मागपङ्गूगिनयाडाग्नः॥२॥क्लाक
क्मनक्लास्यगयाःविचालयाछाडाग्नः॥दयिवनयाका
झलःलोरनक्कुवाडाग्नः॥३॥ ॥ ॥१नागः॥विल २

१ सियाके

सः॥दाः॥स्तयाकेएलोसायायःधूगूलिङगसग्नः॥
धनमससमनमषूःकलियालोकसग्नः॥धडाधकाचाछ
क्मजाःमवयावससग्नः॥धडाविगिङ्षमदूःविप

ति दूषसन्नैः॥१॥दयिवनाविल दूषः थथी छसूषसन्नैः
॥थथथलाङान मवियः नडयाकूल सन्नैः॥२॥फ्राकम्र
याआसाझलः च्छिपालिनिपा सन्नैः॥ॐ स्वनिविनान
मदूःसननयाथ्यसन्नैः॥३॥ ॥१नागः॥विलासः
॥फ्र॥वीनमिमहम्रयाछाहहानेः॥मलमदूआसायु
यादथूवासः सिमाडाडमिजियाछः॥थ्ववनयासीसच्छो
स्पडाडामिसमधयाव्रूपच्छिहाछः॥१॥पूननसहुकः
कवादकासरकम्यलयाआसामयाछः॥सगलमरु
कुपापसाजि रकः गलसमायानकछः॥२॥यिस्परवो
छक्कडासाजिद्वछः आडाकावममलाछः॥ग्धनसम

जैनी

उं ठ क्षिपालिमऊँ ठः॥ ध्वजनमसजिग्म ठः॥ ३॥
श्रीनागराससः गस्य ज्ञा। पुगःसनन्द अनाथ नक्षा ठ
॥ ननसक्ष उं सदनसन उं सः उं लसू राग्धनरव ठः
हहनिः॥ ४॥ ॥ ॥ श्वागः॥ विरासः॥ प्रः॥ कपालिमा ८
पान विठ हनामः॥ ज्ञा उं सजिध ठ क्षिपालिमऊँ
ठः सूषयानसद्दवि ठः॥ लो एसजिधू ठ विनमास
धौ ठः जमयापासनकं ठः॥ १॥ हिगनजिक ठ ह्रीस
समद ठः अउं नूगलमक्षि ठः॥ अनातिमननलि
मलमरव ठः मषूलः पूसदूवि ठः॥ २॥ पुनानअहिन
गक्रुमक्रु ग्क्षनजप गयदकौ उंम ठः॥ क्षि क्षि क्षिया

१ कपालिमा

दिनङ्गस्युडानँ क्कुनामकायमलाद्या हनामः अ
नगविधिनःननयापनीनःमल्लमहिन्द्रनल्हा ।
क्कुयाय्यदासिनखमाजिपापियाःकृष्णयातासनल्हा
द्याःहनामः॥४॥ ॥ ॥१नागः॥विरासः॥स्तुः॥मन
नमगद्याजनीसुन्दनपुनृषमनिः॥जिपनीअवलाङा
गिःमासियाच्छिपलिपनीः॥दनसनविडालगिस्वगु
लिलोकयाधनीः॥१॥क्किक्किच्छियालाडाच्छिकँकन
नामद्रूलाजिकँः॥गृसहाडास्वानःद्रुगिङ्गलप्रलप
मथनीः॥२॥गथ्यनथ्वदिनहनःगनडान्य न ना
नः॥गथ्यथ्वपनानहनःऊँथनीङ्गगृगिमदनीः॥३॥

१ भजनगम

८

तित्रियाविपनी अगिवियमगजदूपगिः॥ स्लोकन्नया
ख्वविनगीलखलषिपायिपनीः॥ ४॥ ॥ ॥
१नागः॥ विलासः॥ ह्मः॥ ॐ स्वनिग्रज स्वनिमागाः करूना
मिषानस्वडाअनाचसीयाडाः॥ चन्दुकीननर्डगीःच्छि
रूपयागजागीः॥ मालमालहिठअगीचन्दीलगवगी
ः॥ १॥ यायमहुच्छिलगगीःदाठ्यसजिवीनगिः॥ वी
यमगदूषअगिःच्छिचननसगगीः॥ २॥ महिकजिच
नःअगिसहलपावाठामगीः॥ मारिठकूदिनख्वगी
लषसिडालगगिः॥ ३॥ जगग्रसमदूच्छिगिःसदासि
वडापिननिः॥ स्लोकन्नयानीनगगीःकुपायाडाआमूरुगी॥ ४॥

रागविभास॥ ॥श्रीभिमसेनसहाय॥ हे प्रभु॥
धु॥ वरन हियाउँन करन कुँदलन॥ चरनग्रु निभीऊ वो
नः॥ भरन सोभाला कसरन याना जिन कारन क्षितु
भालपाव॥ १॥ धरस याय मफु करस थथेउँन॥ स
रम जुल जीन स्वाव॥ जरम वेरथ जिः भरमन यगथे॥ ७
परम पापस जितुक॥ २॥ रगत पानयास्पे जगट केन
छिन कुगत धुसा सनस्वासे॥ भगत हृाकस्लया॥ थुगत
वियन्पल सुगुनी याहुने दयान॥ हे प्रभु॥ ३॥ ६ ६
रागविभास॥ वँ ॥ जय जय वागमति॥ फुनकिपाययाम ८
ति थियान लायिवगति॥ भगवति माना॥ धु॥ फुनकिसीब

श्रीभिमस

जयज

वउंति·नेजजुलम्वजुगति। ख्यगतिस्नयातजुलवमूगतिद्
ता·॥१॥सिवहिलेउंचयति·रसिकगीभिंर·गती·॥देवमु
नियापिरति·दूषषूसियाता·॥२॥दरसनकोति·रजगए
यापुंन्यद्दू·उंती॥मोटिथीकलषफुति·रगाहिलदाता·॥
३॥तिर्थसविज्याकजोति·देवदेवपसुपति·॥हाकस्न
याख्वविनति·विवफलपेता·॥४॥ ७३ ॥ ६
राग विभास·॥ वं ॥वषुनिविचानह्मेत्न·जस्वदामाजुनधाल
दनपूताकहृनजु·॥धु॥सुरजयातेजन·चवस्वानमुषुजुत्न·॥उं
फोस्वानचतकन·पत्नेस्वानह्मेत्न·चष·॥१॥जमुनायानिरस
राधिकामुनावत्न·॥कुनिषुताकहृनजुकनमावयाव·॥२॥

वनवंसिलालक्यो मोरे गागरि क्योपगरि ॥ध्रु॥ गागरिप
गरिमेभरनजातुरहे: छिनि लियो मोरमतुकि ॥१॥ मे
जमभाजलभरनाजातुरहीः मोतिके माला क्यासतकि ॥२॥
नायप्रकारोराना कस्किआगिन्पावनहि मथुरानगोरा॥३॥
चन्द्रसषिहितबालकमनद्दविः दरसनाषातिरमेंअताकि थाव।
॥४॥ ॥ ॥रागकेसारि॥४
मिलिसषिआहेरसलायकयालपरवेसकेयलपरवे ॥ध्रु॥
सरस्जनाबनिमगरनकाचिया॥केसमनोयपारोकोसम
नोहरदेषियामिलिसषिआ॥१॥तणास्यकमालियासभजनह
सिया॥नृपवरयपारोनृपवरकहतोरसियामिलीसषि

१ ईमनकल्याण

१ नाग:॥ काला:॥ त्रं:॥ हन घनन्दीनी विनागि सूनिय:॥ कडं ॥१
न्यागगि अवहमः न हय एवानी:॥ सव वी पनि ग काउंकी
कन एवानी:॥१॥ कन मद य गाः आ जन जनिय हम:॥
क्कौ ग वन क गा द वी: गा हन सनन:॥२॥ क ग कय ह व
दृ ष: मन कं ईं दा सी:॥ न हि पुंडा क्का ग्रि आन: हि दय हा
सं:॥३॥ मनू ष्य जनमलल: पं ल य गादिनं:॥ कक्कु डा न ए
वं: ज ग क यल अधिन:॥४॥ ज ग अक्कु दुनि ग: ज न म अ
नू भ नं:॥ न दि य ग न ए वा स्य: माहिपानि ना म:॥५॥

१ बिहागडा

१ रा गः॥ का लाः॥ सू:॥ वन्दी जय जयः वनन सनन एवा ॥२
नी:॥ आ प द स र ए ज स फ सं इ कू: म हि रवा सूनसि नष

हिनुगः॥ षोदसहस्रा आधदनलकुमध्य सालिग
वाहिनुः॥१॥ नूधिन पानकुषमलीवनी अनूनसवमू
षनागहः॥ सिंहवाहिनीः समनविजयनिकनपवकु
विधनंग्धः॥२॥ कनकमनिमयः अंगरूषनमस्तु जो
गिनीसंगहः॥ तमनुतिमितिमिः सवदस्तनी करुः
असूनमनल्यनागहः॥३॥ विष्णुवासववसूवीध्य
गाः अनूनदिगपतीदेवहः॥ जातिकनङ्गगःजगन
जननीः वनदपंकजसजभः॥४॥ एनानिकुगमपिन
पगिजगजानिः सननकहलगाहानहः॥ सननल
कुमिपापमावनीकनगमानउध्यनः वन्दीः॥५॥

१ विद्याधरीः

१॥ गः॥ कालाः॥ ब्रं॥ विद्याधरि मा ह जय मा हीं मायाव ३
र्जं जागिनि सं ग्धः॥ विष्णु मणि मित्र आनन्द आनन्दः॥
अगल ग मे वे थय ह मा गाः॥ १॥ हंस स निर्मलः सून्द
न दि गाः॥ सुन्द न स्वलि ग न न मंन्दु मालाः॥ २॥ कोटिदि
वाकरः अनून स व मूषः॥ न कू स्व वर्ह्न त्रिनी नयनध
रेः॥ ३॥ त्रिनि रं व न प तिः ज ग ग ं स्व निः॥ विस्वव्या
पि ग ज ग ग मो हिनीः॥ ४॥ व ज्र ष ण्ड प न ष ड्ड हा च्छः॥
वंन्द्र कला स्व रः म नि म य रूषिनीः॥ ५॥ जय जय जन
नि गु डा प द स डाः॥ त्रास्कन मल्ल न प गुडा प द जा
डाः॥ विद्याधरि मा ह जय मा ही मायाः॥ ६॥ ॥

१ नागः॥ कोलाः॥ प्रः॥ सृन्दतिथू गूलिस लिलमिनन ४
काडंकूगकंसलिलः॥ आदिसडांलक्षिकःमिबाया
लाडानविगःमननआलिंगयागलः॥ नूगलनमसि
याडांमननविचालयास्यःपिनगियालाडांनसानः
॥१॥ क्लिक्लिक्षियामषनिडां दक्षिडांनध्यगुःनूगलस
डांगुरध्यानन्तः॥ दलंनध्यानिडांपिनगियाछानःनगि
नसगयमकूमनः॥२॥ ह्लां ह्लां ह्लां गाषमलूमनंधून
लाःसत्यचर्मसंगनलंः॥ पमनह्लांछाबःथमनस
सिडांमवयानूगलसघालः॥३॥ अथिनथ्वसंसानथी
नलायाक्लिथ्यःक्लिक्लिक्षियाघपयङ्गस्यडानन्तः॥ माया

माहामालगिडाथूलि दगथ्वसीसान ग्वविंन्दयानाम
काकासानः॥ सून्दरिः॥ ४॥ ॥ ॥
श्वागः॥ कौलाः॥ सूः॥ हनियाचननलाय स्वडा गनमन ५
प्रलयाचननलाय स्वडाः॥ धनजनमालूगाडाझयाका
जिनछ्वि हनेलायःमहुडासयाचनना॥ मायामीहग
मला हश्रीथिनथ्वसीसान वन धनडा ठथ्वजनमः॥ भ
नन लालप्प महु थूगूलि हूद यनःहूगाकिडा थू गूम
याजालः॥ २॥ श्लोक स्कछ्विवा लय श्रासाझल कछ्र
यानामनाम काडा नर्वे गानः॥ नानीमाहा चालिम्ब्रीयी
पुनसून्दरिदविकुपागिडा गनिवष गाडाः॥ ३॥ १०३

रागकोला॥ ध्रु ॥ काहूलुलिजिविननिसदान॥ ध्रु
॥ वालपनेतेरसजौभनवेलस। निरिख्वरतिरसयाऊं॥
भुललयाव्रथन। मधूगुमानन। धरमनिषानमधन॥ १ ६
॥ ज्याठवईससलोगनकवलसस। थथेनमायामनन॥
स्वन्यगलोभमोहदयाव्रलोकमोह। मफयाविवेकछूपन
॥ २ ॥ हिनसनस्पचोना। चाहूसदेसचोना। कालपथेनतुव्र
न॥ भालयेमफुलनसोयाव्रधनजए। प्रभुक्षियालीलुम।
ना॥ ३ ॥ ह्लाकलकुमति। मेवमदूगटि। स्वन्यगडोनछ
माया॥ ब॥ मसिस्पव्रनाथासयापयाजालसजिकलम
नेनयवाना॥ ४ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६

भुवनपा

१रागकोला॥ दो ॥जदूपत्ति: ऊ॰हुन्यस्युनाथयाविन्नत्ति:
वियमन्यनाकालविपत्ति॥छुश॥मेवमदुछिविनानगत्ति
॥कहनादस्यजीके॰मनती॥२॥गस्यवन्नजिसरिलस्यु
त्ति॥दयादयकेस्वहुनेभनती॥३॥मायामोहकामलो
भमती॥थुलिसदूविडाजिच्युसत्ति॥४॥सियावहु
कस्नानिरगत्ति॥विहुन्याछिपालियलेपत्ति॥५॥ ६
रागवेभाग॥ ॥हाय२एम२गवैमनुमनेपान॥हा
एरिदुजीनकृताकमआवृ॥ हा ॥रीनिदीएज्येहा:मदु
गोगाजीतवाहा॥विदेहपावाहजुमस्यानिभाव॥न॥
न्हायाजिएगोस्मयाकेदुबमावेययाहा॥भुग्यपाहकेन्

ष्हुतान ।२ ।ल्हैवुगुयापापनः मेन मनेम्हागु ह्लयधु
न ।पजनह चोनह्ल भागु ये जि ईन ।३ ।पिरतिपा
नार चोनाः दुरजएपाकें कन ।छाय २ छुनुगनजुलआ
व ।४ ।सुजेंवसि कुननाकिः ओरनजिनमन ।ननेजुन
विनवयकुतवाह ।५ । । ।

स्थिगा मंता

१नागः॥आसावतिः॥ब्रं॥म्ह्यनाम्ह्यनाकहगजनमगया
जनमगयाकिछ्नुगपनकियाः॥वाङ्कवनसवालापन
विगःपाविसथनषकिछ्नुगपनकियाः॥साथीवनस
दवहतिनहिपूजःहातनपछ्नुगाडायूवृदुलयाः॥१॥
जवसितहाथ्वजाकीपनलोगीःनयनननिनअस्ता
वलयाः॥जिह्वावचनसूधिनाहिआयःगवहिधन
मकीवागवल्याः॥२॥कहयकविनसूनालायिसा
धूःधनसंपगीकिछ्नुसंगनलयाः॥आयाजवदिन
जमकेआगथाःमायामीढिलथंजिवल्याः॥३॥:॥
१नागः॥आसावतिः॥प्रः॥वीनाकनवनमालिहमन

१:

एकिगाद्कम

॥पूत्रवजनमयकः कोन्यगपकियाः कूघनल्याम
निवासाः॥वक्षापापहमः वृध्वग्मसाहिःगवनूमनाम २
पूकानाः॥१॥ग्मयिद्वहिगुमःघूगडपजायःसवदव
नकोंत्राहानाः॥पूत्रपोसिमयःहनाहिजागायाजपग
पनामगँहानाः॥२॥हमग्मयिगुमन्कलग्वसायिःज
नमजनमनषडम्हनाः॥हमकोंपानर्डगानल्ग्मसायिग
वगुमषसमहमानाः॥३॥जानकीजालाहानामकवी
नाःमननकोंल्यअगडम्हनाः॥कपनाविनंनामहिक्षि
पाःहूमननगनांमगिहानाः॥४॥ ॥ ॥
१नागः॥श्रासावनीः॥प्रः॥कँगाजियगनूमानाःमूडमम ३

१ कैगाडिथ

[illegible] ाङा मे सा [illegible] ा घ [illegible] ि [illegible] ॥ ङनविनू षूनवि
नू [illegible] कय ननविनू जलसाय [illegible] वानू हँ साः॥ सासाङन
कोःमा निल्पाङाः जाकोनकूहुमे साः॥१॥ नदिपा नयक
बलकिवँनूङमःङाम्पप ग्रनहिहेः॥ साविलिचूनिचूनी
षाङागम्हग्मः म्हगकसितनहिहेः॥२॥ ह्वापलीयः
यकःयकहिधनूकङमःङम मपजानहिहेः॥ खेय
गवानःमानगम्ह गङमः म्हगकघाङानहिहेः॥३॥क
हयकविनसूनोत्यायिसाध्मःयहपदरजनकोहि
॥ जायापदकिकनगनिवलाःसा गुनूहेहमवलाः॥४॥
श्वागः॥ आसावनिः॥ वंः॥ जाजनङध्मःमा ह्वनदिसान

ॐ [illegible]

गानःविसाय्नंपल षघनिःमा हनंविसाय्नं छिन लनिः॥
काहागासीक ष्ठःकथिनकनमेकौःनाषामू ष आनन्द
घनिः॥१॥अपन्यज्ञन पहःलादईवाय्नःननासि हनू
पगाहारूलिगघनिः॥हिननाक्रूसनषःईदनवीदा
नौःजयजयजयत्रिकुलाकलनिः॥२॥कौनवपादवः
ज्ञाधनथिनामासु घन घनलौथपनिः॥ज्ञाहालनथल
नहिकौःअर्दानौषिलीगयघ ० गनिः॥३॥ज्ञामाहिल
जयःलज्ञामाहिगाकौःयहप्राणिगमाहिपानपनिः॥क
हलौहिदासःकादनगाकौनिसवासनसाज्ञपगहानिः॥४॥
[illegible]ः॥आसावनिः॥

होजैजालमा

रागआसावरि ॥ वं ॥ होजैजालमाया॥ कलयिराजि
यहो॥ दिनचलाया॥ ॥ धु ॥ मातीजलतेजपमनलाया॥ ग ५
गनसलीलवनायाहो ॥ मिलिषजनमसेथरिरसपाय
स्वनेखगिनिजलाया॥ ॥ १ ॥ कृथीजुगमे॥ जनमगुमाया
ःकाथिनकरनसंसाराहो॥ ॥ विषयमगनविचनतनिसू
षपाया॥ पिकेमनपछुताया॥ ॥ २ ॥ तेताजुगम्मे॥ नाहिठि
[illegible]या॥ भक्तरामरसगायाहो॥ ॥ सकलजगमे॥ तुमाहि
रंषाया॥ तूमहिमनमेध्याया॥ ॥ ३ ॥ ६०३ ॥ ६०४

हेमोहि

रागआसावरि ॥ वं ॥ हेमोहि॥ हरिविनुखवरनको ६
हि ॥ धु ॥ तवतोकाहेहरिगुनगाव॥ गर्भवासजवहोई

॥अब तो जाना जगत न हमारा· थकंत फिरत सब कोहि·॥१
॥देषत दुनिया· अज्ञान भयो मन· हरि कि नाम भूलाई·॥नि
सुदिन धंधा माया वढात्य· आपिर सीगत न कोहि·॥२॥
सव सीग मद्रू चिपहर कि· धन जन जो भन खाई·॥रा
मनाम विनु सूमरह प्रानि· अन्त नरकौ न सगति होयि·॥३॥
जिन अव वला के· चिरव धायि तन मन सूमरे हो प्रानि·॥
कहत न परस को विंदू विना दुष जन अधिकार पहोयि
॥४॥ ६३ ॥राग आसावरि·॥ ः वैः ॥अब धरम
जुग यावे हार· हे राम·॥ध्रु॥ सत्याव· वदायि षन· पव यान
द वृजन· बेहल लये सव वृधे मृम्वाल·॥ जन धन षन अन· लो

भईन ॥ नलमन·पापपून्यमयाकविचाल·॥ १ ॥ घरम
यगुयतन·ख्वरज्ञनकपतन·पव्थव्जकउपकाल·॥
सियथककेव्रन·मभालपू·सेसालन·थमथमग्या
निघसिस्माल·॥ २ ॥ धुरतयासम्भाव्न्य·फुसलपेस
व्सन·जुयफतव्सस्ननिहाल·॥ रसतिथेस्रुवच
न·वितजूकोदुरजन·छलषलथिथिव्यवाहाल·॥
३॥ ख्यजगनितरहन·सनेमत्यच्यकरम·ख्यन्नरसजु
यिव्छुहाल·॥ करमयासुफलन·लायसूषदुषचन
भजलयेमालषेग्वपाल·॥ ४ ॥ ६७ ॥ ६७
रागख्यासांव्रि·॥ वी ॥ रामजिधरनिकव्न·किक

हाउस· विनुसमसिकागतकलमवलाई· ॥ धु ॥ जेत्ता
जुगमया· रावनराजा· लंकाकोनवनायि· ॥ सकलसपु
त्रसवालाषनात्ति· तिनरावनकोदियोनवाति· ॥ १ ॥ मे
रोषेती मेरोवाली· मेरोवनफुलवारि· ॥ मेरारकहह स
भायि मेराफुल्पिहरिकैनामभूलाई· ॥ २ ॥ ६३ ॥ ६
रागस्यासावरि· ॥ सु· ॥ यहारीश्रव· वाहगयकरुयार
॥ धु ॥ समुरुतककुस्वरनहिंहैं· ॥ तुमविनुसीकट
हारे· ॥ १ ॥ सुरगनसव· होतहरायऽ· ॥ ग्रसुरनस्प
न्दिपभारे· ॥ २ ॥ ६० ॥ ६४

१ मानवती

१ राग:॥ परज:॥ बी:॥ मानननी कान्ति यनि स्यामा सून्दर सो हे:

जाकै क्रु वियद षा गिनी ला कमा हे:॥ दधी कै लू स्नी हान: १

सं गलिय म्बाल वालि मू न लि कै: गर्व धूनि आगि स्व हे:॥१

॥ नंन्द कै कू मांर लाल जसो दा कै आंति प्या रे नाधिका रे

वै हाल: आयिस्य रूम का पायि: अंन्द मन सान स विनवा

नि: कव ङ्उ वाल ष: कव ङ्उ विदान: कैलि क न गर्गे ऊंज

१ मधुकैराज

दा हय:॥२॥ ॥ ॥१ राग:॥ परज:॥ प्र:॥ मधु कै गवं म २

दनय हो: मधु मुन गीजन की साल ह कमल नयन कु

पा न कु ब्न हरें:॥ पद मनाल निरंजन जगदिस ऊ

गई धन नं:॥ मङ्क कङ्क वा नाह न नासिंघ नूप धनः॥१

वाडानपम्हूनाम रस्हूहनधर्ग्रे स्हूधर्नँः॥ वोधविवीध
विजक्कुकँपगीद्वयिगकल्हूषहर्नँः॥२॥ एनगम्हूदली
कविस्हूदसअ्वगालयाहिविधिर्नँः॥ ज्ञास्हूनीयिगद
सदानवनहगसिधिनीधीर्नँः॥३॥ ॥ ॥
१ धलोँ१ १रागः॥ पर्ङः॥ प्रः॥ वलार्ग्रे ग्वपालमायिः॥ नीलन्हूपव ३
दननीकँकाकुलँलयनअ्धिकनिकाः साजनाजसा
जगमाहयःकलमाकस्कुएलालमायिः॥१॥ नैगहू
मियनसनिलदँषगलँषकपनहैःकान्हूपकागिलि
मनयदूस्पनपीगिएनगिसानः॥२॥ ॥ ॥
१ गोमसमदा १रागः॥ पर्जः॥ प्रः॥ नामसदास्हूषदायिमहनकाँः॥ ज ४

काःसूमननः जामिनीङ्घिचः गनिकाक्षा गण पायिमयः ।। १
।। पींचानिकीनाजसलाङायनामनामस्तूनिआयिः ।। काका
दूषहूहकनूमामयः अपन्पपायिजवक्षायिमयः ।। २ ।।
ङानजसकीपानिजगभङायः णाकीलयङ्सहायिः ।।
कहानानकमाहियलयाँसाः आनिगयासननआयिः ।। ३ ।।
१ागः ।। पर्जः ।। वं ।। गर्हक्रियाजिनहाण्यासिणानामजि
साः ।। गर्हक्रियालीकापणिनाङानः गुकगुककनदान्या ५
सिणानामजिस्वः ।। १ ।। गर्हक्रियाउनवषङाव षदान
नयनविक्कुणकनदान्यासिणानामजिसाः ।। २ ।। गर्हकि
यानगनागनसागननिलषलकनदान्यासिणानाम

१ गर्हक्रिया ।।

१ स्यामसंगीः

जिसाः॥३॥ गर्रकिया हिननाकू सनाजाःनषघनर्ड द
नविदा थ्यासि गानामाजिसाः॥४॥ क हनानकमा हिग
र्व कलै याः सवनआया सीगा ध्व थ्यासि गानामजिसाः॥५॥
१नागः॥ पर्जः॥ वं॥ स्याम गं नि अज़ुवन ग्षलि अषियाः॥
अजवन ग्षलि अषिस्कुन वीवनः॥ वर्ड धू गन धूखि कन ६
ल्यायिः॥ नगना गनमा पियाः॥१॥ वंन्द्रस षिहिंगः वाल
कुल्ल क्कु वीः॥ चननकमलक्कु गियाः॥२॥ स्याम गं निः॥

मायमोहनचालिमाकिईमो

रागवसंत॥ ॥जगतकिजननि जवानिः हेजननि॥ ध्रु॥ भनि
पुरवासिनिः जननि भयजुषिः जगजवाणि॥ सिंघिनिव्या
घिनिः श्रगिनि रूपिनि॥ जोगिनि जोगेस्वरि रानि॥ वेण — १
यन रूपिनिः त्रिभुवण व्यापिनि भत्रिनि भुवनः वरद॥ नै॥ तो
हे सिंघवाहिनिः तोहे उजिनाहिनिः जगत सेतो हे थकुरानि
॥२॥ जगत याथकुरानिः त्रिभुवनतारिणीः मणरथपुरे
या हनविद्व॥ त्रिभुण रक्षायास्यादिलः वलजरानिनः ल्हाभ
ल्ह्याभनपुरेयाव॥ जगतकि॥ ३॥ छ ॥ भैं — १

जगतकिजननि॥

१ श्रा गः ॥ वसंगः ॥ वंः ॥ ह्मा गून क्षि गलका कू २ मा स्यग
पिपनी सन चालापु म यां ङा का कू नसनवन्दा वनस १
ह्मा गून क्षि गलः ॥ ह्नु यल वथ्वली चुङम अगत्न ह्मा
लः ॥ विकन पूथुलिस पत्नँ स्वान हालः ॥ १ ॥ श्रीविनम्
नगङान प्वासलन हालः ॥ विचि क्षमति याङापा
सा क्षनलूलः ॥ २ ॥ श्रीखन्दकँ सत्रिचू ङमलूँ वागानलू
लः ॥ ६ सदवमूनि पनि सध्मन ध्वङ्गलः ॥ ३ ॥ पालि
यापा यल सलदयकाङा ङ्गलः ॥ धूल कम दगिमाल
भ ह्नाङा भँ हालः ॥ ४ ॥ वाङनयासवदन सा त्वन
गल ॥ ह्ला कम्म क नूना नस साय तगि गलः ॥ ५ ॥

१ राग: ॥ वसंत: ॥ ॥ ऽजपमिम्ह ठाङावनङाठाङाका २
ह्रूङनापह्लागरनञ्जिगल: ॥ कोकिलहालकामया
ङालेसम्रसस्तमयवसंतकाल: ॥ १ ॥ स्वानहांयाङाया
नखठाङामसयालावङ्हलयाश्राङा: ॥ विविङाठ
ङावूङमगयाङाश्रविनश्रतनवेलहालाङा: ॥ २ ॥ स्र
गीनह्वाकस्वानयाल्वाकगलसलाकलगिगाहाक: ॥
सिनङाल्वाकलाहागिस्वाककृम्हसश्रगनदधूसल
क: ॥ ३ ॥ वसपुयाङाठठथठानमुनियागध्यानमाह
लपान: ॥ ङासयाध्यानह्लायकुपानस्तूनठमदग
ङासविनान: ॥ ४ ॥ ॥ ॥

१ना गः॥ वसंगः॥ प्र॥ हं हकाकु शस्का फुसजिजमू नाया
पात विनागिछन मालः॥ मनयो हगासन डायाध्पनक
नजनपनमग थिंथिडानि रालःमगसन अ्रूवलाडा
लवागस गभसालाडा लूलमूलमगिंनडवात्रः॥१॥स
हनयाघागस अ्रूनैंगडायिडानसलाजनमनसम ४
छालाः॥ साजलडानथास मैव मदुअ्रूडासलअ्रन
यायनि ब्कस मध्म नः॥२॥ पनयागिनियाधन छूय
मनकें डालनदिनादिनधूगलिवे हालः॥ छूपगकगा
लगिडा हव यायमगं जिडाडायमानीधनवा वा
न॥३॥ गस्कनमल्लयावचनछ छाडागाल गिगूमानवि

कानं:॥ नसयावससउसरुउसासस्वसमयमवसया
उनसनत्जपालीः॥ ४ ॥ ॥

१रागः॥ वसंगः॥ प्रः॥ नसनवृन्दावनसल्लागूनझिगल
सासत्जपियनिसनछलापूमचालकाकूः॥ हहमा
घवाविययमगनूगलयाघालःपिनतिगयमालः॥ हह ५
६ःसिलसमगुकलूयाःवनमालानकोषायाःमधूता
सविद्धाकगुनायाः॥ कँसतियानगजाउंश्रीखकुन
स्वाकघ्नयाःमदगलाप्रतूजिकँमायाः॥ १॥ वनवन
सालझयाकथनकउमवायालालप्पमननमह
याः॥ वस्तूतियासलगायाहयाःथछनाउझयाःछो

१ स्वागतज्ञानो

यप्रेहृ ह्लिन ह्नमगया॥२॥नकजाङजीरनसःसल५
न कोकिलया थव्वीथ्यल सजिङवायाः॥ अ्नाथनह्नू
स्यंह्नल निगु श्लवसीगया विनागि५ङुनअ्वलायाः ॥३॥
१नागः॥ वसीगः॥ वोः॥ स्यामसुन्दन वसीगवलसःनाथ
ङक्षिनलश्याः॥ वृन्दावनस वाजनथ्यगङःकवग
ल गाल २ मदिग ध्यलकः दवखिन गमनाङीगनःगम्व
गःगम्वनाःवानाथीङनीः॥ ह्नूलॅलनुअम व मॅलीहायाङ
ः॥ ववचलवमालः२पुयाङःङपगकननंनसिंह्ननः
सीखनःरनिःधा गमःवाह्नूनिः॥२॥ग्वपिगनपनी ह्
लमॅ ह्ना लाङः॥ थिथिजानागयान ने २ क्लिलाङ्ग ह्नाला

१जयहनाविक

ॐः हालकाडाः का कृज्ञनसनविज्ञाक ज्ञाकङ्क अना
वयाश्रासा कीपालियाः ॥३॥ ॥

१ रागः ॥ वसंतः ॥ प्रः ॥ जय हनसिव गंग्र त्रिरत्व न्याना
निः ॥ संकन मोनीनि हानिनी लाविनि एगवनीसव
हूषदा ॐः ॥ सकल हृधमा ॐ धनम किधनाः पनित
नकागनिदा ॐः ॥१॥ एवरुय हानिनि हनिहरु गंग्र
पुन्य पदानवगम ॐः ॥ दासकिविनानिजमृनानाभाक्ष
प दानथमा ॐः ॥२॥ देवी मृन्यस्वत्रिनवजसविमल्प
लागिनविपदध्म ॐः ॥ एननमहिपनीजुगनसिना
संनिःतयागनगीगमध्म ॐः ॥३॥

राग वसंत ॥ प्र ॥ प्रथम वसंत श्री राम काज है श्रौर धत्गाढ पति राम
राज यह दिन ॥ र्क ॥ माघ मास भलो सिता पक्षे जी के तुल लित स्रवीर
घुजि ॥

॥ ॥राग विभास॥ ॥लु॥ ई न्वरि हारा नवा नि: क
दना मि बाहाण र देवि त्रिभु न प्याहानि ॥ ध्रु ॥ विज्याक
सिगुया चोसि: पारि वार साहि ताहाण ॥ प्रजा पा सो दि कर देवि
रहल विज्याक ॥ १ ॥ पारि पतै: म्या नवाहा: अति चे चह
जो तो हेरया ॥ चीग ना मानि कर देवि श्री ति ल्ह्यो वाह्ना क ॥
र ॥ गनसमुद्र या मा ह्ना: नगुग नउ ति। चे क ॥ छि गु हपजो
ति र देवि म्हयरहा मगा क ॥ २ ॥ अ पार माहि मा छि गु: म्हा
प्या हाय म फ जिहा ॥ ह्ना का ल अगपा नि र देवि। छि चीद
नयागाति ॥ ४ ॥ नैपाल या श्री चि पाति: सुरेन्द्र। विक्रम दे
व ॥ याक माड छिन र देवि थक कै च पानि ॥ ५ ॥ ॥=॥

रागः॥ पह्लतियाना॥ चौ॥ राममेरे प्रभुजि राम मेरे धन॥ इह प्रभुजि स्वरहो मेरे मन॥ ॥धु॥ इह प्रभुजि सोख्य गमख्यपार॥ कोटि क वनिया साहुकार॥ ॥१॥ साहु के प्रभुजि खावे जाय॥ एक दिनवै थे मूध गमार॥ ॥२॥ पतिन करियवनी जन जाय॥ राम पजानावै थे पाय॥ ॥३॥ यह प्रभुजि व्यपि दह्य नजाय॥ राजाद्वारे चोरि नजाय॥ ॥४॥ सुरदास प्रभु यह गुन गावे॥ राम नाम लियकैं थलगाय॥ ॥५॥ ॥

रागः धमाक ताल ॥ ॥ सिसेनसे सिकीःप्यान सिसाभ्वा
सा·माग प्रानःजगतया·धनिःश्री पसुपतिरे ॥सि ॥ सिर्तिन
दगृध्म सितिःद्वीयमते दे ॥ सिवर नामकाव सिनाव्रनिश्व
वे ॥सि ॥१॥ सिलेश्वर माहादेवःसित लयानाविद्यांकरे ॥
कालकुत पसनाजगतरक्षावातरे ॥सि ॥२॥ सिधिन
रसिंह धामिसिनावद्भमभ ॥ हरिहरसिव ध्यानाम·
कयावद्भरे ॥सि ॥३॥ श्री ५ धिराजत्रिभूवनविविक्रम
साहदेव ॥ गरुध लालयाविनतिन्यालिजगलेधामि
कि ॥सि ॥४॥

राग धमाक ताल ॥ ॥ काकाकिकी काका म फुगु काय फ
को थतदईगु निल कनथ भोला नाथ गथेयाना लु
मानिगु ॥ का ॥ काय धाधां याय धाधां काय यायव
नरे ॥ काल व ईगु वे ले आसे धाय मज्यु रे ॥ का ॥ १ ॥
कानापीस ति यां चोन दूबिकि सफ वा वोन ॥
शिबि मान देवलो क नाम कया चों हरे ॥ का ॥ २ ॥
काम धेनु साधया हल धाग धाको विय फु ॥ भि
ईत न निरा काल या ध्या नया ता चो गुलि ॥ का ॥ ३ ॥
श्री ३ माहाराज चन्द्र समसेर जंग ॥ गरु धला
लया विनति यक मनजुयाकि ॥ का ॥ ४ ॥

रागनट ॥ ध्रु ॥ सिवघन्य रघुगुरवाज्य· मान्य रह·
सिवोले·॥ सिलसुरेस्व रिकुमुम माला वाहानसंकर १
भोला·॥ १ ॥ स्वहिमहिस्वर· माहर सागर· चन्द्रमानिक
रफोना·॥ रंगनहेमा ना वकैस्पे नाव्वय· काप हिभसम·
किफोलि·॥ २ ॥ भुनव्य नाल· तालवजावय· त्रिं भ्रिदिगिन
गावय·॥ दिमि किरडेम्व रुवाजय· नाच्वय संघर भोला·
॥ ३ ॥ भनय विद्यापति· सरण हो पार्वति· स्वामिके नाम भु
ला शि ॥ नोहर स्वामि जगत ईसोर· भूगुनी मुगुति दाता
॥ ४ ॥ ✿ ॥ ✿ ॥ रागनट ॥ धुप २
उंधवहे· काहुया घगुलि ननिहाय·॥ मोहन सुन्दर स्वनि

मेकुलसजु स्रपनि· व्रप्यिनस्लगनगनलाय्· ॥ १ ॥ स्युनि
नसिन्याहे यासे· विस्वास· स्युनेग यास्य· ॥ मसिया· मालि
व्रव्रव्रवाय्· ॥ २ ॥ रसिकलवसपृस्र· जियनिवनसव्रा
स्र· ॥ मेवतिरिवसयाय्छाय्· ॥ ३ ॥ तोलतावग्वोपिज
न· रसनविज्याकच्युन· ॥ स्याय्हाय· व्रसलगनलाय्· ॥
४ ॥ वसयास्र· स्यवन· तोलतेमतेछोपन· ॥ हरिज्युन
जियनि· वाय्· ॥ ५ ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
रागनट ॥ ए ॥ खगपतिस्यरोकदलियाजाईय·
॥ ध्रु ॥ विपदविकलहियस्वजनाय्· स्युमलागनसर·
नाईय्· पुरुषपुरानसोई· होतोसहाय· रनवाहादूर·

३

भगवमेपेः

निपगाईयू· ॥ १ ॥ ॥ ॥
रागनट ॥ ध्रु ॥ कनककनयगु·नूपुरवाज्य·घुघनप
रुरुचिलाईयु·गोपिनन्दमहर किजाईयः ॥ जययरका
समर्लेहिपतिगाव्ये·त्वलनमहरिमूसुकाईय· ॥ १ ॥

[illegible]ग॥गौरि॥चौ॥आजु प्रवेस कुमारि सोहरि॥कु॥ रंग महल पर रजग

जमे [illegible] हरि तुरि॥दनुजाधिप मन भाइनि॥१॥गा चोये नृप कुल मनि

सि[illegible] राजो॥कादि कुल पति देवयरि आजु प्रवेस सोकुमारि॥२॥ छु॥

राग॥गौरि॥चौ॥पु जिमाई मोहन नंद किसोर तिकाहा चल्योजा

मरि॥कु॥हो वस[illegible]रि स्यामरो जो गोरि नो वस दो॥कुं दल हलना

लल नालल्ल कि दि जे[illegible] ग प्रान हमारि॥१॥छु॥छु॥छु॥

राग॥गौरि॥ ॥

राग ॥ धनाश्री ॥ चौ ॥ करालवदनी·कामुनाखुरन·क· करत·नग्रकोटकीरानी·॥ ध्रु ॥
ज्वाला·मुखिजगमगाई ॥ तिजाहिरजाऊं तुं देविदयानी ॥ १ ॥ असुरसंहारिनी·र
क्तविज·मारनी·चन्दमुन्द स्रैखासुर·तुंहा·भवानी वानी·प्रकासमागे·दिज्येमोहे सुख
संपति·ऐसेंतु देवीदयानी·करालवदनी·॥ २ ॥ ꣸ ध्रुं ॐ

राग ॥ धनाश्री ॥ ॥ भागेकिकहियेनजाये·जम्बदातेरो ॥ जेप्रभुकहेलालाशिव
सनकालिका· स्वप्रभुप्रगत्योआयो·जसोदातेरो ॥ १ ॥ रतनजरितकोवन्योपालना
रेसमदोरिलगाये·कन्हैयाजिमो ॥ फुलोपनकिं फुवलिहारि·परमानन्दजम्बगाये
जम्बदातेरो ॥ २ ॥

जसोदा

रागधनाश्री॰ ॥ प्र ॥ जसोदा॰ अ[illegible]मा हा प्रभु ज
नम भयो सुनि॰ हरि दरसन को आयौ॰ ॥ध्रु॥ जिन के द
रसन स्वसब॰ जगमो॰ चारिपदारथ पायो॰ जसोदा॰ ॥
॥ भागपदे सो त्रिभूवनपति॰ पालक॰ नन्द महर घर आयो
जसोदा॰ ॥२॥ सुमरत नाम सग्यनिधि जाको॰ भक्त हित प
गमायो जसोदा॰ ॥३॥ चौद भुवन उदर वस जाको सु
नमयो गोद समायो रूषदा॰ ॥४॥ देषा पद मधूरूष
कोलीला॰ गोकुल गोप कहायो जसोदा॰ ॥५॥ सुन्दर
वदन कमल आनन्दि नः देषत नयन जो लायो जसो
दा॰ ॥६॥ राजेल छिम त्रिय[illegible] पि पिंद मलक विमुप

नि॰ हरि गुन गायो॰ जसोदा॰ ॥ श्रातु॰ ॥ ३ ॥ ॐ
राग धनाश्री॰ ॥ ५ ॥ श्रादिम वामि माहा मनि॰ मा
हा रुप मनि देवी दयानि॰ ॥ सूर मनि सर दार मनि॰ प २
रता पम नि तो हम नि श्र उरनार मनि॰ ॥ १ ॥ ॐ
राग धनाश्री॰ ॥ ५ ॥ जय जय कृष्ण हरे मुदारे ॥ ध्रु ॥ म
ने कुम वाराहा नरसिंह॰ वेदवहि न प्रह्लाध उवारे॰ ॥
वावन प्रसु राम राम रामे॰ वलि छल हि न कुल रावन
मारे॰ ॥ १ ॥ वलभद्र भूधकृपाकर [illegible] कि रु
प परमे सहाय॰ ॥ चारुप दारथ [illegible] मा व
न कृष्ण नाम दस मवतारे॰ ॥ २ ॥ ॐ ॥ ॐ

रागधनाश्री·॥ सु ॥सुदामामन्दिलदेषिदख्योरे·॥ ४
ध्रु॥ त्तिरियापथावुल·छेथलि हुगा·॥ तिन्हूरवाधीग
योरे·॥१॥ यहिथानमड्हो निराम·ह्माँगोफापरिया॥
अन्तरकोटवनायोरे·॥२॥ अवूरेसुदामाफरुस्यानि
वेथे·॥ चौदिसचवूलडोलायोरे·॥३॥ तन्हूरदेषिवकु
तमनहरषित·॥ जोमागेसोहियावुय·॥४॥ सुरदास
केप्रभूतुमारिदरसको·॥ गरिवनिहालकियोरे·॥५॥
रागधनाश्री·॥ दे ॥ अलषपुरुषनिरवान·नि
रंजनजोगीयाभऐ·॥ ध्रु॥ माह्रासमृद्रविचमध
यकश्रीजल·कमलफुलेवहुभाति·॥ वहिकमला

विषमभमरारहतुहैं·प्रानपुरुषमथधारि·॥१॥ह
स्तिसिंहवलिवाहनवषिश्र·गावशुपैवमनारि·॥
षरकेवालषनावनवावृत·मायालोतपूकारि·नि·॥
श॥तुउंनिकेनषविव·हस्तिसमावृलु·तिनिलोके
परवारि·॥गंगाजमूनाविच·श्रुनारहैसषि·देषत
मनउंदिजाय·॥२॥दासकविरपदनिरमनगावृ
य·सीतोहहरेहविचारि·॥श्रुनकालप्रभू·निकलिग ५
येहैं कहयकविरपरवारि·॥४॥ ६ ॥ ७
रागधनाश्री·॥ ५ ॥भयहरनिजगतारनि· ६
देवि·॥छ॥स्वानंदयाकरानि·अगमाजसोभर·

ली॰ दायदुखमारनि॰ ॥१॥ जगमज्वालपादुखहरनका
लिका आपहि आपहि सुमरन॰ ॥ ननस भगतकिवि
नतिसुनि लिज्य॰ अनन्तकालेनिस्तारगी॰ ॥२॥
रागधनाश्री॰ ॥ ध्रु ॥ भंजीनिमानधरे॰ भवभय
भं॰ जिनिमानदरे॰ ॥ ध्रु ॥ मायिनेरिपदजुगभावे॰ ७
आजेथिरामनलाई॰ ॥ सिद्धवधितमसाजवनिहे
॰ दे मोंकरभानुरूपि॰ देविदिजेमरनभन्यो॰ सक
लभूवनकिभूप॰ ॥१॥ ॥ रागधनाश्रीः
॥ वै ॥ धमा॥ नावतमग॰ नभयिरि॰ नयनगमेया
रिझैया॰ अपन्यरिझैया॰ ॥ ध्रु ॥ साधियानसीग॰ स

रसकारिय़ः ह्लाथकुसूम·नोरिलायी॥ न्यनरवैव
ल·म्ह गादिगदोलत· धंजनखलनकिः कदलिय़जे·
खनजो रि·॥ १ ॥ मानोञ्चुसम·वानउदधिजे सि·
धाधेमदसेरसजानि·॥ दाषिमनिरमनितरुवाल
·कम्तुकपेछिकिः नृपरन·वाह्लादूरजानि·॥ २ ॥·
रागधनाश्री·॥ देधा ॥ ञ्चुव्यतारनिरमहे·॥ ध्रु॥
सेकरिलद्रानि·व्रालानि·जगतारानि २ ॥ उन विनूकुं
जजुग·चरनम·नोहरखत्रिभूवनसुषदारिनि·॥
१॥ सिंहवाहनयद·दनुजविनासिनि·दमकनर
रानि॥ ग्यानदासप्रभूःसैभयियारि·सुंनदरस

रागधनाश्री॥ ३ ॥नारायनजु॰ गुयासिसरसनविज्याक॰॥ फ
ह्रिरछियासोनाउँन॰ च्युनिसँषरष्याल॰॥ जवन॰ चकर॰ जोस्य॰ घ
वन॰ संषरपूस्य॰॥ १ ॥सिलसनागयामनि॰ ह्नससनागयायाफ
नि॰॥ गलसकोषास्य॰ नयानुलसिया॰ मालयप्रभूजु॰॥ २॥ ह्नाक १०
ल्नयाविननिघ॰ दयादयमालप्रभूजु॰॥ दउव॰ दरसनविवेजि
त॰ नारायनजु॰॥ ३॥ नियालयाछत्रपनि॰ श्रीजयभास्करम
ल्ल॰॥ वर्उषँद राज्येलायफँकाव॰ नारायनजु॰॥ ४॥ ६०३ ॥
रागधनाश्री॰॥ ३ ॥कदमिलोवारमान्हायसजनियारे॰॥
फ॥ दिनदिनमेकोछतियाकलपट हे॰॥ दुरनजाहोविनु ११
वनप्रभजि॰॥ १ ॥वाहुवरसकि॰ जोभनउँन विनरहिस्य

॥ केस्यर हमोरे प्रान रहन को॰ प्यार कद॰॥२॥

रागधनाश्री॥ घ्र ॥ ह्रोजननीको ध्यान सपिरि॰॥ कु॥ करत्रि
सुरधरसी बङ्हिचक॰॥ बोलन ख्रुम नत्र निसाषिरि॰॥१॥ देविके १२
द्वारे॰ हागिङ्हरयीपल॰॥ लाल खोजा यहरानि॰ सपिरि॰॥२॥

रागधनाश्री॰॥ घ्र ॥ गोपालस्या पालि पल्ले गोस्लन थिम नन॰
ले लपदल्लानवल्ले वल्ले॰॥ ख्रुगम वेदन स्त्रोल्ले पुरान विचा॰
लयाल्ले॰॥ वधिनानमद्रुसोल्ले सोल्लेः व्रस्ननापाल्ले मन्याल्ले मा॰
ल्ले॰॥ मोगुल्लीलोकसदल्ले॰ स्वयनमुन्याल्ले मल्ले॰ थवकेभा १३
ल्लपावोल्ले चाल्ले॰॥ वुस्ना दद वमुनि ग्यानया जोगसमल्ले॰ व
नुजननमन छोल्ले छोल्ले॰॥२॥ जगनस्याजुस्न थलसदानचा

निवयलेवह्नसवदवलेवलेन॰॥ल्हाकस्नयापनकेलेव
ऊावनयमनेलैं॰छेमाय्याव॰जिमिदोल्नेदोल्ले॰॥वस्ननाय
ल्ले॰॥३॥ ॥रागधनाश्री॰॥ वं ॥कोन्यनामधरे
य्योगोविन्दानेरे॰॥धु॥द्रुपतसुताकोचिरवधाय॥चिरहिदानकि
यो॰गोविंन्दा॰॥१॥सुदामाको॰नवधनदियो॥तनदूरसुषमन्यो॰
॥२॥नेवनदेवन॰तुमच्युधिकारि॥मुजनेकहुनसन्यो॰॥३॥
सुरदासप्रभूतुमारिदरसको॥व्रंध को॰व्रंधकियो॰॥गोविं
न्दा॰॥४॥ ॥रागधनाश्री॰॥व ॥धगरनिव
त्नो॥तुमकोनंदवोलायो॰जसोमतिजाया॰पूरनभय॥॥
धु॥धगरनिहेरम॰हरव्यतिराजित॥जोवाजोरजमकोर

॥श्मारेह्नोःहायग्य

रागभय्याहारि॥ ७ ॥करमोहिनाथसनाथसुन्दरीस्यामा॥ ध्रु ॥तारा
त्रिपुरास्यामाभीमा·आदिरुपजोगमाया॥सगुननृगुनतोहि२ त्रिगुणास्व
रुपिनि·भुवनचतुर्दसव्यापि॥ १ ॥जोगध्यानपुजानहिजानि·मुन्द्राज्ञा
नविहिने॥माचिकहोहम२ जननिन्दीतभयतोहरचरणकेटुहाये॥
२॥कोटिजनमसकृतअपराढ़मेरो·दुरकरु·पातकभारे॥करुनाक्र
पाकहे२ नयननिहारो·सरनागततेरोचरने॥ ३ ॥सहस्रफनिपतिवि
धिहरिहरतुवा·महिमा·कथन·कथीने॥कहितमकतहमेर२ तुवागुण
महिमा·लीलाअगमअपारे॥ ४ ॥मातापितासुतवन्धुनदारा·नि
रजिननिरगतिमेरि॥गोचलसुनिलीजेर२ मातकौकेश्वरी·श्रीपतिह्र
दनपुकारे॥ ५ ॥

राग·भन्याहारि·॥ त्रि ॥ करकरुनामोहि दविजननिदेवि
॥ छु॥ पापियदमसोवितनमनि हिन्यमानसमं दललीने·॥ नुव
पदमननन हिरमुषरसरसमति वेवल विषय विलीने·॥ १॥
वेदवाहनविधिजजनं भिरोधीपासरयर पासमानी·॥ गुरु १:
स्रवनपर रमननन हिभाव्रय मायामगनच्युग्यानी·॥ २॥ वा
ल्लापनमेषेल्लनभले·नज्ञानेजयमाल्ला·॥ वृधय विषमगम
रजोभन्नजान्य वृधभयदुषजाने·॥ ३॥ निन्द कियो निसिष्यु
व्रसरविते·नाहाकजनमगुमाया·॥ चरनसरनगतिरदासक
हमोको·दहु चरनकिछाया·॥ ४॥ छु ॥ रागभन्याहारि
·॥ त्रि ॥ कोजान्यनेरिलिल्लासंकरभोल्ला·॥ छु॥ स्त्रसानं

करेप्रभ गगाजलमेलिस्यविभ नकिफोलि॰।। थमर थमर
खमि॰थुरि भवर यारू ससकिनयनुमेभ रि॰।।१।। व्याकुल
भयया नि उलनि पल निगापि॰ हरजिके गलामेलपानि॰।
करनफुफु कारउ थिज्वालना भालाज्वालनाभालामत्रय
नि॰।।२।। सयनसबिचन्दा छुनि पिउबधाराव घंवरमपरि
वुह॰।। सिंथगरजेबारिवयलदेथिफपनिहरदउरि॰वय
लमेवहि॰।।३।। थ्यु निबयिचनदउरिप्रुछुपरिदउरिकु
किगयजनाज्ञनि॰।। छुनिगयगंगाचहुंदिसधारानंगा
भंगावहुरंगा॰।।४।। बरबरहसनिदेथिसपार्वेनिम्वा
सिमिलिदुबछुनि॰।। नानसहिनदेहोमामाच्युफनेहान २

सेवकतोह्मगति॥ ५ ॥ ९८ ॥ राग ॥ भथ्याह्नारि ॥ वंधा ॥ ल्हे
यगुंसेवककेनेगुस्वव धर्मग्याननमनसत संस्वव ॥ ध्रु ॥ जोगभजुनग्र
रानआदिनमन लोकनडंनेगुश्वव ॥ थुगुली विनानमडुथ्वसंसार
म ग्याननिनडंनेगुस्वव ॥ १ ॥ धर्मलालता वपापसभुलल्लपुजमयाभ
यकायास्वव ॥ भाव [illegible] भगतिमदमिशे वेकुं राठल्लायगुस्व व ॥ २ ॥
वालयतरूराज्या [illegible] गुइव [illegible] लनचाडगस्वव ॥ भक्तनश्रीभगवान
मनसतिवु सरनन्नायगुस्वव ॥ ३ ॥ ॥ राग ॥ भथ्याह्नारि ॥ वंधा ॥
ल्हायमसरा कंनेमसयाु [illegible] मया रूपरसिक कंनेमसया ॥ ध्रु ॥
कदस्वकीस [illegible] वासवस माहल पल्ल जिमनस ॥ तुलसिया मालग
लसकोयाल सुसुकुतह्रियाकेन ॥ १ ॥ मदुकत्वसया पानकत्तं

गी।गुंजरसुन्दरमिल॥कुं कुमयारसचंथकपालमउपमानय
मजील॥२॥रवालचन्दुमावदुमाउजोत्लकुराउलमंगलथान॥
ईजडिपानजभीकचिमनल।मियापलेहत्लवान॥३॥नीलमनि
वसःमारमरिरसःगलमजिलरवान्यामाल्ले॥मोयडेमासवडेःह
तामःसन्देहजुलजंजाल॥४॥राजकाजघरःमा रभालकुलनलु
मनीमदिलमन॥मिडिनरसिंच्यारवामिस्यामिंगवपिनाथया
भवसदरसन॥५॥

राग॥भय्याहरि॥प्र॥मरानमहेसेथोषहानाहेपासा॥धुं॥माग
नरखना काकुनेलाडः।दीहेनजुवरपाना॥मुदैसःपवकेवीडः
यालिसजोडःविरगातिश्रतोद्दिषहाडः॥१॥सुंदरवडःजिमरा

वङ्गतोलते ब्रह्ममतेना ॥मुदेंसथेरसखङ्ङ॰ङ॰ङ्कोकलासि के
ङ॰ ॥२ ॥विश्वासफोङ॰फयापेलङ॰दोङ॰ङ्कोजिरगफेङ॰ ॥
मलोङ॰नङ॰सुखनचोङ॰रसयावस्वसगपङ॰ ॥३ ॥ह्लाकलदो
ङ॰मायासदुङ॰थोमननमसीजिगपाङ॰ ॥मनमचिङ॰थथ्यनुफे
ङ॰विवेकनस्वल्पनगपाङ॰ ॥४ ॥ ॥ ॥
राग ॥भय्याहारि॥ ॥गोपालयाचरनसरन॰ब्रह्मविनानकृष्ण
विनानथोसंसारखङ॰ ॥धुर ॥श्रीहितञ्चथिरजनगुणधनञन ॥
रससुरब्रदकोसपनथ्यानेगा ॥ १ ॥ब्रह्मादिनदेहतोलनल ब्र
ङ॰पने ॥थोदेहमिपितोलेगाफुकङ्दुगमान ॥२ ॥गोपालदास
गहालेयाहृन्यजतन ॥भागतिभाव्रनकाङुलाव्रविवेकगा ॥३ ॥

रागः॥भयाहारिः॥ ध्रु ॥कादुकयामोहितारेजननिदेवीः॥ ध्रु ॥नागिन्दुवाहि
निनरमुन्दुमालीनीछत्रविद्रुरकरुधारे॥कोटीनन्दनरवि २ छविमूखपंकज
ध्याननयेनाविमारे॥ १ ॥राधीयेईस्वारि॰वालख्युपन॰चरनानिकरनीजसंग्ये
॥गिरिवरनान्दिनी २ देहोअभयवर॰मरनागतमेरेद्वारे॥ २ ॥येहसमारे॰ज
नमहमारे॰मिथ्यामोहाधकारे॥तुवापदस्पिवन २ गतिनहीमुन्दतभवजलनि
धिकैसेतारे॥ ३ ॥नमंत्रवेदपुराननजाने॰वेरथजनमहारे॥मातपितासुत २
वन्धुनदारा॰यकटोयअवलम्बे॥ ४ ॥ब्रह्महरिहरसुरनरध्यावै॰तुवापदवि
मलसरोज॥निखिलसुरेस्वरि २ देहोसमिहितपुरियेमनोरथमेरि॥ ५ ॥

रा॥प्रथमंजलि॥ सु ॥राममलुमङालमङारामनाम॥धु ॥रा
मादीयिघका श्वासातस्य·चाचिछि रालीछि यास्य·वङेधोजि
सीरिरगाङ·वो॥ श्वासानकोजितविलिहितमदुवलजरामलुम
नेमफयोमनरा॥ १ ॥रसातास्याहितयाङ·मदुतिवलजन
एनयाजिनुगल्होयाव॥ धैरजमदुजितसपनायाहितया
वोफुतकिपुगलिङुबीसिस्य॥ २ ॥रामनामकायस्वग्नारा
एनलुमलपि·ग्रारोस्पिङ·कुलजोङाव॥ह्लाकलयामेवम
दोछिपालिरापायाथासाविश्वजितकरनातयावो॥ ३ ॥ ३

राग॥ प्रथमंजरी॥ प्रताल॥ आसाम्रविषमतेले माधव॥ सिरोहे
वचन सखीवचुरला मयाला॥ धुं॥ प्रथमसख्यादरश्रमतसभा
ला॥ चक्रमावृतलेजस छायसुमसला माधव॥१॥ चतीचि
तिलासदलीशिलसशवेनो॥ कालिवितहिरापलेल्याचालपके
नमाधव॥२॥ हितिहिलोमनोलेलो·संतोषमशिलो॥ माया
मोह पासफेन·काम्यानिलिद्धिरामाधव॥३॥ चितिचिलोम
रालेलो·दुबहेताचिलो॥ व्यहारविचारीहिलोमोकोलाकृति
नमाधव॥४॥ भगतिलदरसरासुबविवृनितय॥ सिधिरा
रशिहस्वामिगपजिनाथ्यारितमाधव॥५॥ ५॥ ५
रागप्र॥ प्रथमंजलि॥ स॥ रामभगतिरालायवृलेकृष्ण॥ धुं॥

घराजनजउभरापिरामचोङावङ॰ हैं दिनादिरागुलीहिन
छिन॥थवकुलधर्मराव्वहलपेसवलन॰ थनश्रराव नय
रामिन॥ १ ॥जमयापारानकेनेमायामोहसमदुनेङ॰ने
हरिगुरामगीतिरा॥कृष्णयापालिलुमनेरामयानामोहियामो
हनेयोजरमसुमीतिरा॥ २ ॥यमयाकोपमलाये द कोध
मेयनवायवन्यथवथववकरीनेरा॥साधुजनलवलिऐघर
मारगालिऐ॰ हेहे कविरसगुरान॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
राग॥प्रुयमंजोलि॥ ध्रु ॥रामलुमङालमङारामनाम॥ धुं ॥
दोयघकाश्रासा तस्य॰ चाचोदिरालोधि यास्य॰ वङ॰ योजिसरि
राङाव॥श्रासाजकोजतीवलीहितमदुवलजरा॰मलुमरा॰

रागराजविज्य॥ ध्रु ॥जय२भैरवस्वगुलिलोकयाध्यानघु
सहुनन्हिलावविज्याक॥ फु॥निस्वनयाहाल गलससोल
यामाल जोस्वबलखड्गपनाल॥वयरिघनावकाक२ त्रि
शुलजोनावलाक सतुरिसंहारयाक हिनखुसिलाक॥
१॥स्वगोलमिथानसोस्य जाज्वोललेमानजुस्वभगनिनया
कजिउंधार॥नमनदन्नवाह्नेसरनऊवसवदनक्रोधाम
थानसोस्य लिनावचसजोस्य॥२॥जमखुरिवन्ययानपाय
दकोफुनकाव मेवमदुन्हितिवललाक॥नियालमुमियाध
निर२श्रीजयपरकास नारायनस्वनार नाल॥३॥ ५२
रागराजविज्य॥ ध्रु ॥जयजयवरदेहगुसावतिस्वतिवर

भगवतिनिं वंदि॥ धु॥ दानवदलनदलनदङ्क रदिसपरायल·
स्लेबासुरहरुषंदि॥१॥ पयोधर भारषरि उदिञ्वायल उंद
डिभयगरयषा॥ दिनयुक्रसंपय· महिम्बनकंपय· सुम्भ
सुरमन· संघा॥२॥ कतपकेहाकेङ्कालिपरायन· कतव
समुपम्येरसुरा॥ सिंहवाधिरन· रपिं होणस्यावनि· काङ्
केमुरुदेर कुरा· हेमा॥३॥ ङ्कुरकपरुधिरकचुहाव
ल· गदगदगीननकावे॥ कतरसंवद उंथरनम्वायल
मातलिजोगीनिनावेष॥४॥ मुण्डमालभूषनकरुका
रिनि॥ विकनभयकरदैना॥ रक्कविजयसेना· कतमार
न· मारलदैत्य· ञ्चनेता॥५॥ दानववंसनि·कंदिनिक

लिनि देहो अभयवरदान॥ जनमरतुआचरन अराधे
विद्यापतिकविभाने॥ हेमा॥ ६॥ ॥

रागविभास॥ रामजिवोनषडाव लाहा तिजोडाव: मस्प
क्रिहाप केन॥ वष्न क्रायन जिमनम क्रेन: वल समरमदेन
हेरामपरु षरतन लाना॥ १॥ राम विसे विसे वासत सेठ हासा
म: मासा ने मा ने मयाडा॥ अनेग आनंद अमित प्यामतः व
वनक्रमन डेडा॥ हेरा॥ २॥ रामजिवोनष डाव लाहा तिजोडा

राग॥ राजविजय॥ ॥ जयजय ईन्द्रायनि जगत वषानि विहुने ढिचरन २
सवास॥ ध्रु॥ मा ना रवा लषनि हे गतियाहि लसमत कलपा:अनेगाहे

ल मोतिथुसे तया॥ गलसकोथासे तल २ नरद्दे लमुं द्रुमाला कोति मुको
ही मुर्जे याते जहे माता॥ १ ॥ माता षर्गद्द त्रवर्ज षर्पर जोसे ब्रलया वाहान
सै ला वत किति॥ मनुरिसंहार या से २ म ऋउ चारंक्ष्म जकु या माता जुसे
विज्या कहे माता॥ २ ॥ माता श्री राजराजेन्द्र विक्रम साहादेय विद्रु ने वरवै
ष्ठ्यि मराजे॥ हा कन्न मुनाथ या २ या कु नेछ चार जन मजन मद्धि के
ध्यान हे माता॥ ३ ॥ ॐ॥ राग॥ राजविजय॥ ॥ जयजवागम ५
ति लोकया गति अति नम तिज पवाग मति॥ ॐ॥

जयजयवमति २

असत्त भजेरेवि परपदा हाथि
कथा मेला सबै चरि हे माजगति कि माता शिव घ
र मोहि निज असुर रषं दिनि चंरि ॥१॥ माई ग्यान ध्या
न सब हरहरि सेकरी गी भवन पति तो हे चरि
॥२॥ भव भगनि न हि जानि जानि चरन कि
सरन हे चेरि हे माई जगति माता ॥३॥
राग॥ ॥राजविज्य॥ ॥हे जननी माता तोहे जगदिश्वरि आसा॥ की
तुवा पद पंकज ध्यान जपतप॥ मोहि अनाथ उद्धार करो जननी॥१॥ तु
वा पद विनु नहि गति नहि हारे॥ मनसा पुरन देहो भवानी॥ २॥ नि
ल दया भैरवी सब दुःख हारे॥ देवी पद भाव भगति नहि थोरे जना॥३॥

जर्तं २ देषन डुःखनहिहारे ॥ इहदेषी स्पवक राघो सरणा जननी ॥ ४ ॥
श्रीजयजोगनरिन्द्र नृपगुणा गावै ॥ नीत्य २ दासन देहो भवानी जन ॥
॥ ५ ॥ ॥ राग ॥ ॥ राजविज्य ॥ ॥ जयेनारायनी २ सिलस
चन्द्रमा स्रति थीक ॥ ध्रु ॥ स्रतिन भयानक भैरव नायक भूतवेताल
नलीक ॥ थुडमनिक मनुक २ स्रनेग रतन जक न्हसस कुण्डल स्रति
थिक ॥ १ ॥ मसी नि ह्ल मसिक मुजन ल्हिक पापी ह्लव सपन
मसिक ॥ मिकुलन हेहेजीक २ न्हीलीव सवद थीक जवं षवं धल
वानीक ॥ २ ॥ डुरजनह्ल महिक धुछेगली नचीक लिलाहात
सपना मतिक ॥ कवीन्द्र यभान ल्हाक २ लिली पापलेन्याक ई
तामपिधमनवाहिक ॥ ३ ॥

राग ॥ जयजंमन्ति ॥ वं ॥ स्पामा कोसदेसआईपतिलेषिआईहै
में ॥ धुर ॥ जवसीषपति आयिविरहदगादछीत ॥ दुतिलाको
हातदेकरछेघोसेवचाई ॥ १ ॥ नगरउजारीकिहोउजा
रोवलमयदारो ॥ कुवारलेपिपतिकरीर हमःविसराईहै ॥ २
॥ गोरषनाथकि चरणा मिवर मरालाई ॥ रामप्रसादजल
त्वा वहीविधिगाईहैं ॥ ३ ॥ २ ॥ ३ ॥ ३ ॥
राग ॥ जोजमंति ॥ ॥ सिवअवतारहरअवतालकार
राग ॥ धुर ॥ भम माहाँउबिया उबहरनं ॥ किंनकफत
केलजेस्पगपतराग ॥ १ ॥ रनलहैलयपासआतिएकम
राग ॥ जलालधनेफापालजोऽव तम राग ॥ २ ॥ लवालहैय

वीर

स्वाङ्गाह्नि अतिप्रीतिपकालप्याथन ॥

लुमङ्गाव़लितखुसासना॥२॥ जोधराआदिस्यातयव़बलन

ली ना॥३ ॥वयारिपानिसहिरनभुमिसपरा॥४ ॥बङ्गा

व़रसनजुलजोगिनियागरा॥नयाव़ह्लितलअरामुतवेता

लन॥ ५ ॥गुलितोगुरावयानयायेह्लाकलन॥तोलतेयुके

मतलीनपाछिचरता॥६ ॥ ६ ॥ ६ ॥ ६

॥रागजाजमीतिं॥ ॥आनंदसरसरण विज्याकः श्रीभगवा
न॥ध्रु॥कालिंद्यादह्यादभुसंत्वयेगु मिविज्यानाव॥सु
वर्णयाः रूपनः हे[illegible]या तेज वरनः जोतिरूपनः विज्याकावस
॥१॥गोपुछपरवाहाः न्ह्यथेगुः विज्यानाव॥अनेगदेवमु
नाकावः न्ह्यभादथें काविज्याकं वस॥२॥विहनपाचोसः पी
चंत्रयाहेल॥सवर्णयाकेसरः हेलयामानिसः जोतिरूपविज्या
क॥३॥पैचै[illegible]वुथें नामकासेः पुजायायेतजुल॥सुरन
रमुनिजणः सेन पुजायाकस्यो विज्याकावस॥४॥न्हाकाल
अजुर्रा। नेवंन्हायमनफयावस॥ चरणसरणविवः छेपादी
निपायावांसेविव॥५॥नेपाहयाछेबपातिः जुधंसमहो

श्री माहाराजा ।। चौमुहकाऽचारया [illegible] मध्ये: जौ।तिहपा।वैजा
कवस ।। ६ ।। ः ।।

राग ॥ गौरी ॥ चो ॥ चलीजायेसुन मुरलिधुनी कानुवजावनेवैराग ॥ ध्रु ॥ मोर
मकुत माथे तिलक सोभे स्यामे यास्ये गोधेनु चलीजायेसुन मुरली ॥ १ ॥
राग ॥ गौरी ॥ प्र ॥ यजि माई मोहन नन्दकिसोरि काहा चलो जा
नवि ॥ ध्रु ॥ होवसकिरि स्यामरो जोगोरि आयस दोव ॥ कुराडलह
लनच ललना ललकि दिजे प्रागाहवेरि ॥ १ ॥ ॥ राग गौरी ॥
॥ प्र ॥ छिगुराल्हायमफया ॥ ध्रु ॥ रद्याल ईनहे गुल्लीया
सिलस चन्द्र मातया मोल माल गलसकोरवाया ॥ कोटि२
सुरजया तेजजुलवसह्लया भयकार रूपथलवाया ॥
१ ॥ हे लमोटि मारिाकया मद्दक सथुसेतया न्हसस
कुराडलजुलवियाः ॥ मोढियाहाल ननीया चोसे चोनवे

मालया लुयाजभितनजसचिना॥ २ ॥हतनतन्हिलाव
या सवदनडेजावया विसजुलपछेवेरिया ॥देवमुनिसा
धकया भगतिनयाकह्लया ह्रयादन वह्लजननीया ॥
३ ॥नागनसाधजमा छे मायावदीनह्लया लोभनछिया
लीस महेया ॥माया मोह यापया अथाहासमुद्रया जुना
जुलाछु पालिनिपाया ॥ ४ ॥ ॥राग गोरी॥ ॥
हे सिवसंकर क्यागतिमेरा जनमजनमभरिहारीते
रा॥ ध्रु॥ पुरुवजनमतप नरदेहिपाया॥सिवगुण
उंच्चित कवहुन गाया॥ १ ॥वाल्हवरयतकवेलर
गमाया॥ पदमपुरुव परसेविनभया॥ २ ॥दार

दयाल्नतप सपनमे आया ॥ नारि नारि कहे जनम
गमाया ॥ ३ ॥ वृधभयतप उपजदुकारा ॥ हाहा त
कारकरे मन पछुताया ॥ ४ ॥ सीकराज जव हरिगु
ण गाया ॥ निसुदिन हरिहर भक्त वधाया ॥ ५ ॥
राग ॥ गौरि ॥ प्र ॥ काव मन राम्या नाम राम हेला द्वाये ॥ ध्रु ॥ जनमया
सारथ धोयमने राम्यां नाम सोवछन थवत उपाये ॥ चोनेमडु थोर
ससार अथिर थमन सिस्ये काव मन राम्या नाम धाव ॥ १ ॥ अ
चेतन मते मन चेतनाति याव छन ॥ कालव यीव छुदोकाय ॥ चोने
धनइतुइस्ये पनीव जमन चीस्ये छिलीहिन वानात थेहाये ॥ २ ॥
धनआरजनयाये गुलीन रुकडा यायेल्पा धनदवन छुचाव ॥ मल

मने मत्पमन· डुखसुख· माया छाये· अन·धनजनन छुचाव़ ॥ ३ ॥ल्हा
कह्लया विनति· पालि कोस विव़ वास· करुना· मिघान भति सो व़ ॥ श्री
रामचन्द्र या भजन नी· याव़ छनपर लोक वर मुसलाव़ ॥ ४ ॥ ४ ॥
राग ॥ ॥ गौरि ॥ प्र ॥ सोहत भुप श्री माधोजी· ताहा चल्यों जाह्नवि जो
मषीमुनी ताहा नी·जोमन मान रहे चरण·नी तत कर भगाज्ञननीकि गायो गि
रिवर·राजरिं ताहा चल्यों जावनी· ॥ १ ॥

रागमालश्री।।ञु ।।जयदेवदेवीश्रमतरुपिनि
श्राहिमोजगदंविके।भैरवगनपतिमात्रिकागः
णाष्ठवगकुलपरिवारिते।।छ्रु।।वागमतीकुलश्रु
तिमनोहरश्लेष्मांनकवनवासिनी।।कालितारीनिः १
तुमहित्रिपुराभुवणचतुर्दसव्यापिनी।।१।।स
रदपूरनचन्द्रकांति।मुषकमलनयनविसालिके
।।दसनदारिमवीजघनरुचिव्यतिसुललितवि
म्वाधरे।।२।।कोतिरविछविस्त्रवनकुंडल।मौलि
मकुतविभुषिते।।रतनषचित।कनकमनिमय
जालकिंकीनिसोभिते।।३।।निषिलसुरनरस

कलमुनिजनःपूजिनेचरनांम्बुजे।।भक्तजनम
नमधुपज्ञुगरवासदिजेमुडमालिके।।४।।
नृपतिराजेन्द्रविक्रमप्रभुःश्रीललितत्रिपुरसु
न्दरीदेवि।।सेवकजनरलभक्तकुमारिदेविस
रश्रीराज्यकालिके।।५।। ।।रागमाश्री।।
।।वी।।कालिकाजगदिस्वरि।जय।।गलसमोलमाल।हृत्समः
कुंदल।हेलमानिकयावेसरि।।जय।।...लिल।जोल।मि
पितियानलेन।असुरकुलनकुलईश्वरि।।भूतबनालगान।जोगीनि
दकोश्वन।श्वानदशलोपरमेश्वरि।।१।।मनुकलोवोश्वानि।भिनाव
श्वजुगति।जननिविकनभयेकरि।।हाकसनरयतिविहृस्येस्वभग

रागमालश्री ॥ रु ॥ भगवति न्हेहुन्ने · विनति · करुना ·
॥ मधुकई नव · स्नायिषासुरस्वाऊव · याऊव · जगतनीदान
॥ इन्द्रादि देवगन · मुनिजन · पनिसेन · सुमलपूयालियग
ध्यान · ॥ १ ॥ धुम्र्लोचन · चंदन · सहितन रक्तविजय · याहि
तोनाव · ॥ सुंभनिसूंभ षस्ने · रसन न्सिनाव थासे · लस्व · लपू ·
भगनषऊनव · ॥ २ ॥ भूललया चोनामन · पापसनु · चानहि
न · मभालया · छि भजन ध्यान · ॥ ·· मायायमालछिन · मिस्राव
वालषतिन · मेवमदूगति छिविनान · ॥ ३ ॥ कुमूदिनि देवी
न हाजलय लाहाजिन · स्वामिसहितन हाना · ॥ स्वगुलि
लोक याधनी · छियालियरसमनि · विहुन्ने · स्रभयवरदान ॥ ४ ॥

रागमालश्री॥ वं ।राजेनेह्निमम्लजाजुयि·जयतिजय
जेयसींकरालय·राजिनाजियदेवजाजय॥ध्रु॥जघ
नविवसन·नातिभिषन·कुंजिना·नेन·मृन्दुजा·॥भ्रमती
निरगानि: दईन्स·गनजुधि·भिमभैरव·नेदिनि·॥१॥
·ख्यसरवर सिर·हालरसदूर·ख्यंहनासूर·सादिनि·॥कि
रनि:कनिरह्नीनिचादिनि·संबटिर वि·कौपिनि·॥२॥दु
रिननमनम·सामयाकुनिनारिकापरि·रुपिनि·॥कालि
काभ्हन·रुपिनिजुधि·कालिकाभुनरुपिनि·॥३॥भूय·
जगजय·ख्याहासविनय·मम्मसंभवतेय दे·॥विलसनै·
·यदि·ख्यविलनै·हदि· किंमुषनंसूष·संपदेजय·॥४॥

रागमालश्री॰॥ ध्रु ॥ स्वलकरूपिनिमाहीमायाजोनि
रूपविज्ञेस्वरि॰॥ ध्रु ॥ कनकमनिमयमकुतस्वभाःदि
व्यफलकनरूपिनि॰॥ सिवविलासिनि॰सिंहवाहिनिभक्त
जनवरदाहिनि॰॥ १ ॥ मुन्दमालभूजंगभुषनजगत्रको
प्रतियालिनि॰॥ षर्गषर्पर॰वजधारिनी॰सुंभषंदिनित्र्यंवि
के॰॥ २ ॥ असुरमारिनि॰सिषमर्दिनिःदुर्गरंजिनिनालिके॰
॥ भनननन्यवरसिंहगावन॰सकलजयजयकारिनि॰॥
३॥ ॥ ॥ ॥
रागमालश्री॰॥ ॥ कालिकानगवालिकाछुलपो
लजगतउंधारंरे॰॥ ध्रु ॥ रुचुसूपाय॰समान्नसलिल॰वसन

धुदोगुलिसाजगाह्लरे।मोलयामतुकस·करनछेलसमे
नियाफलकनयाराारे।१।तुगलकुतिरथयानस्यानियूति
हुलपेनकतुनिनरे।रक्त विजय·मनुरिदेनेयाजोभनलय
हिफुनिनरे।२।गलस·नरक्षेल·गजलवस·कोस·ला
लननलमोनिभिनरे।।षर्गषपर·सेन·दवु·दवु·षलपु
पेकालाहानिनरे।।३।।म्युतिनभयेकरमुरति·वसल
या·नयावकुलिसफहलरे।।भुपतिन्द्रयामनसतनम
न·भावभगातिछिध्यानरे।।४।।   ।।   ।।

राग मालश्री ॥ चो ॥ कैकालिनि भयरो मयावन सुंद्र
मालविराजिनि ॥ ध्रु ॥ अरुन दलके कमल भिन रच्याप
मर्दविराजीनि ॥ सिलमनुकसो भिनदिवे फलकन मनो
रविससिराजिनि ॥ १ ॥ ह्यानत्रिसुरनिषर्गधारिनी मारत
न्यसूरप्रचारिनि ॥ दे विधावन घोरकुदामिनि दैने दलक
ननासिनि ॥ २ ॥ नुमहो कारिनि असुरसंघारि निभक्तको
प्रतिपालीनि ॥ श्रीरनवाहादूर साह नृपको सदा रहो तुम
दाहिनि ॥ ३ ॥ ॥ ॥
राग मालश्री ॥ चो ॥ जयसंभु भाविनी संग जोगिनि
रुन्द्रहारीनि माभजे ॥ ध्रु ॥ सिंघवाहिनि सिंघगामि

कैकालिनि·

जयसंभु

नि· सिघनाकरमारिनि· ॥ बाजनदिमिदिमि· दमरु· दिमि
दिमि· करतकतकत· हासिनि· ॥ १ ॥ भगतपालिनिजग
तनारिनि· असूरगंजिनिश्रैविके· ॥ भनत· श्रीरनबाहादु
रगण· प· गावतसरनवेडिके ॥ २ ॥

रागमालश्री ॥ ॥ माविकांगनदियकरधरजगत
जननिजेन्त्रवजावलरे· ॥ जोगीनिगनतपनहरषित·
नित्यसाजलरे· ॥ १ ॥ मुदितभुतवेताल· ताल दवमाहाभै
रवमद गसाजलरे· ॥ सवहिसंगमश्चेगअनुपमरंग
छाजलरे· ॥ २ ॥ तपनभुनिसूनि· असुरमोहिनि· दव

गनसंगीतसोहलरे॰ ॥ सकलछलबल॰ करहकौतुक
असुरमारलरे ॥ ३ ॥ रकविजयरुधिरबहेगलकोति
रअसूरजिबलरे॰ ॥ अमलहासविकासदहोदिग॰ हरष
बाधलरे॰ ॥ ४ ॥ अपनेपदजुगकमलसेवा॰ सकलछन
मोहि॰ सरनदेवाहे ॥ ग्यानध्यानसमाईसंगम॰ किछुनभ
यहोतरे॰ ॥ ५ ॥ भगतिसूरपति॰ आदिदेवगनप्रनति
विनतिकरलमुनिजनरे॰ ॥ किरतिकिंनरसरसमय
करगितगाबलरे॰ ॥ ६ ॥ ग्यानमोहि निभ्रमय किछु
नहि॰ विषमयहिसंसालजलनिधिरे॰ ॥ जोरिकरजु॰
ग॰पति॰ जगज्योटि॰ विननिग्रोचलरे॰ ॥ ७ ॥ : ॥

राग ॥ ग्वाला वरि ॥ ॥ थ्यापिमोपि छुले २ ढू पि छुयाय जिनि मित्तिन
थ्यवृामकाव़ ॥ ध्रु ॥ जमुना सिननर्नीन. स छिज भतिम छिन. मफ
याया यजा २ धारि कुविर छिप नि रूपन. कथीन चित २ गाहि
लिमहिसि छुया तचित ॥ १ ॥ सथन कायमजिल. वृसत ताव
ताविव़. धरम दतसा. गनन लायिव़. थंथम वोला वृतम दन २ जि
तनु थ्वपजस वियनुखन ॥ २ ॥ रूपन लोक थ्वतिन थ्वतिग्मानम
मिन. सहर घातस २ पनावृ लायिव़. लोलतेम छाला. जिव वा
दायिव़ २ लि छो यथ्य थ स घाल नायिव़ ॥ ३ ॥ ब्रन्दी गवलव़
नु सपुर्व याप्रन्यन प्रन. ले वातसी हेह २ संपति भ्वल सिधिनर
सिह. स्वामि चन्र २ श्रीगवर्दिनाथ या भेरवारि जल: ॥ ४ ॥

रागु आसावरी ॥ मनि चुरा सरीर न के मही : दान करि
ये ॥ छंद ॥ गुरु के आगे स्तुति जि ओर जा : निरगत जो गे
कारि ये ॥ माही ओसा सिव जन आदे : मन हर जो जे कारि ये : म
नि चुर ॥ १ ॥ ओ हि अवहा ब वरन पाउ : इंद्र ल न आ
दे ॥ एके स्रोहप धारि कै : जो जे म धन आई : मनि चुर ॥
२ ॥ म ह दान दे हो मनि चुर : चौ दिश जोगन पाई ॥ ओ हि
जोगा क्रिपि दा हा मा जोर इला कारि पतुरन : मनी चुर ॥
३ ॥ बातन पूछे जिजन पूछे : माचर वावि मही ॥ ओ हि मय
नर देखि ता करन्ये : सव जन जागीर जागी : मनि चुर ॥
४ ॥ तृतीय एके स : हि ला कि कन्ये : चीत हि ठिर दे बाई

॥ जौंह मास रैन को रंग डाबि मस हः ईश्वाकरि यतनातं
मनि भूरः॥ ५ ॥ पिंडन हकै हरंगान वि महैः चितहि
मति देखाई ॥ माता पिता ह्लीअह लघु च मपठै मंडावि
नप॥ मनि भूर ॥ ६ ॥ सुरनर मुनिजनः सबउआई
देखिः [illegible] पदे मति भुह बौनाई॥ दानकिकाटन को म
नल्हीन: चित ल्है मति देखाई मनि भूरः॥ ७ ॥ औसे
दाता देखित ईदः आप ईह पधरिय॥ हआवी ल्वरिश
ति मरह करिपः आपु गवै स्पोपेहान॥ मनि भूर॥ ८ ॥
कहा न भजपानिः सुनी भाई साढुः अहै सोपागी प्रह्लाते
॥ पहजल मवे दान करिपैः पद मागति पदपाई॥ ९ ॥:॥

राग·सोरठ॥ रु ॥मोहनसषिरिझिव्वसमानप्रभू·
व्वसमान·॥ध्रु॥वल्निषासमयस·हाल्नस्वव्हायगुचो·
समुनभुउनव॥रुगल्नस्नसषाहाल्नहरषन·नउाव्वमुस
ल्नउे·उनव·॥ १ ॥जुयिव्थोवल्नसमाजयाव्गुस·रसन· श्री·
सिहल्नपुयाव्·॥ख्वाव्दरसनल्नायव्वसगनजिमिसनुग
ल्नमुसान·॥ २ ॥कहूनामदुस्नव्जायमनेषव्वभाल्नयेथम
नसयाव्·॥ विरहतायनसरिरगनावनल्नेनिव्वमपुथोप
रान·॥ ३ ॥मथुरासहरसमुषयाथासवव्·कुउेनिजुयिव्
थोगाम·॥स्वनेगरसषनिजियनिमल्नुमनि·परयावस·
मजुल्नस्नाम·॥ ४ ॥ह्नाकस्नकुमुडिनियनिपुहूषमनि
नगनजयनसोयान·॥ल्नुमनाछ्वनगुनाव्वनख्वनमन·भम

गथेचोनकाहु

राग·सोरठ॥ ये ॥गथेचोन्यकाहुवविनानरे·पासा·ग
थेचोन·कहनजुविनानरे·॥ध्रु॥श्वतिनसुन्दरजनवस
याकेजुल्लमन·वजिग्यउ·मलुवसायान·॥वसयागनस
न·वसजुलजिवश्वन·गथेतयधनथोपरान·॥१॥ह
रिरदरसनगथेल्लायकुजनन·याबुपममफयागमान
॥ननउ·यिनिथेउन·स्वलरविरहन·वेमदललजिल्लया॥ २
कुवान·॥२॥मिखापलेहल्नथिउ·लेषछिकामउछोढ
सुन्दरमजुकनपुयान·॥गनल्लायवयुरूव·गथेकुनके
थोदुख·वोडरुखिव·वस्लसुनान·॥२॥हाकल्लखुधमसि
सिकरुनामिखानसोस्य·श्रुबनकुनकिवकयान·॥जरनस

रनाविव़॰ दाउ॰ विको हिव़॰ विषमनप्रभूत्र्यपमान॰ ॥ ४॥
रागसोरठ॰ ॥ वैषा ॥ रेपासा गथे चोन्ह्याव़स्लदय़कावरे॰ ॥
फु॥ श्रीबनरनव़ानयान॰ केसरियारंगजान॰ छिसनयाव़
सननवान॰ ॥ गोकुलसह्लिनरस॰ वडाव़॰ व़सवान॰ वसज्
से॰ चोडादासिमिसाधान॰ ॥१॥ पालिपलेभजलयामनन
सयाहाजय॰ सभालपाजुयाव़विनान॰ ॥ रछिनासंघल॰
छिन॰ मदूनसलिलयेन॰ सिनह्नन॰ पाव़मिषानधोयान
॥२॥ धनिस्लमदय़काव़॰ थोजिव़छायंदयाव़॰ थफुनेजि
व़स्लभजनान॰ ॥ निह्नुनथ निव़थनि॰ धायाव़ह्नयकछु
न॰ थथेमवुथव़स्लयाग्यान॰ ॥३॥ गोलाछिचरननिव़॰

स्वाषल स्लनुरस· मति लिना सिन· थेहोवेवो ऊन· ॥ हरि

ऊ नुम दुस्तस्रा· जनमस फलवया· सुषला चिवेवस कुप

न· ॥ ४ ॥ ०३ ॥ राग सोरठ· ॥ ध्रु ॥ स्वाय स्रोगो

पिनि सवकुसुफिरनवन वासुरि वाजे· ॥ ध्रु ॥ मधुरि वन

फिरनको हिन हि साथे· ॥ सखि सवलुगन्धन· सगि लिज

हाथे स्वाय· ॥ १ ॥ मोहवदन देषी पिन्हा तनसा हे· ॥ भुव

नवनसववासुरि वाजे· स्वाय· ॥ २ ॥ चहु दिग वन वनम

घवसो हे· ॥ वृदन वरसनलो गिरो सारे· ॥ ३ ॥ कमल

नयनमग संगमिलाव· ॥ श्रीरन वाहादुरहम कथि

सयपाव· ॥ ४ ॥ ०३ ॥ ४

रिमा॥ सोरथ॥ ॥ बलबलप्रियामोरे रसभावयरि॥ ध्रु॥ मेघ रघुरमे
नहिअब जाई सुखमिन करभायरि॥ मोहनजनके कलगमलायि
विरतधुभमनजानरि॥१॥ ॐ॥ राग॥ सोरथ॥ ॥ मलुरातेलेघे
रजाजिनगथेस्या॥ ध्रु॥ मिछुनघक ज्यासेः मिकुतनबला दुसे कयक
बमरन [illegible]नुडाव॥ बियम जियकपडाडो जिमिसा जानिसे हलपेजिन
दुयाडान॥१॥ मितलजमुनाता सेडायान श्रं षतजसे भ थाहा रसिक
वनजाडो॥ गुन बेपतथुसे गुपतयापास जोमेह नेजिनहदिना [illegible] रा
माव॥ थिडु बेलसमुनडुडा तमुयादुने मलकजो लाडसताकेडो॥
निंयाडचोडा वडुदरिजरियासारि जोडा बलै स्या मुलि पाडो॥२॥ ध्रुमतु
मिप्यालनजिक दियाडअतिमतिनहलपुलमिक षंडाडो॥ निरदया
[illegible]मुनजोडाडो जितलथनि सेहलपेछुंदन स्यामरामाव॥

१३६ १२९

रागझोरी ॥ [illegible] ॥ अरे माई हो [illegible] बेलन जाइये जाहा बेलतनंद
कुमार ओरे ॥ जैतर बीनर वाक किनारे डैक ॥ बाजत मृदंग
लमेके धुंकार ॥ १ ॥

2793 I

रागमल्लार॥ ध्रु ॥जलविहारनमे सेकरमगनभये
गिरिजालियसंगये॥ कु॥ मलयापवन सितलवहतहे
॥खमामान विरजितहे॥ कोकिलमयूरधुनिमधुरहे १
॥१॥जलसितल छिरकहो॥ भावमानविराजितहे॥
नयरनवाहादुरभनहे॥२॥ ६३ ॥रागमल्लार
॥ ध्रु ॥त्र्याजहरकोधामावलियहो॥ कु॥ च्यतुरपति
केकाजकरीयहे॥ सजरमनावल्लाहुरिमैधामवलिय २
॥१॥राजसभनके भुवनभानिहे॥ निषनबनाव दईते
पतिके धामवलिय॥२॥ ६३ ॥रागमल्लार॥ ध्रु॥
ग्वालनपाजसयाबहाऊनमव्याक॥ कु॥ गवपियजिसकजाक

कदम्बकोसनुथाकरसनसाजयावविज्याक॥जमुनायामल
वाकरखसेदेवैमुहसक्वाकजोडगवकाल्ती मथनयाक॥१॥र ३
रासमसदानन्याक·वलानकथकेवाक·वयारखडगवक्रानिछ
क॥कंसयासिरसन्याक·लुसेसजोडगवस्याक·वनिमडुमेघवल
क॥२॥सिबवहनालत्वाकसोसेदेवमुनिग्या·निभनछल्जु
सेउलाक॥हितकल्जसवाक भगतीवड·हेवाक·दोत्वछिल
हानत्वाकल्हाक॥३॥नामकावलमछाक·संसार थसव्याक
वसखालकोटिनमव्याक॥ल्हाकलयाथुलीताकफुनाकिपापर्य
न्याकछिपालीपोंनियानजितगाक॥४॥
रागमल्लार॥ ध्रु ॥वारि घन गरज्ये·गरज्येरसाकिवुदनवर ४

स्यमेहरवा ॥ ध्रु ॥ मोरे यापियारा कोयाल्नेकु कय ॥ ऊय्रवावो

ल्नेऊ ननननननन वरस्यमेहरवा ॥ १ ॥ कोल्निकुल्निवदराउँमा

रेगिगुमानिया ॥ यावुनवल्ननसनननननननवरस्यमेहरवा ॥ २

॥ ॥ राग मल्लार ॥ ३ ॥ सुन्दररुपिनिजननिमाईहेय

कुरानी ॥ ध्रु ॥ ईस्वारिभगवानिजयचंडिज्वाल्लानि ॥ सिंध्यास्न

याचोसप्याघनडुयावुरसनविज्या ॥ १ ॥ भक्तजनवजाकवयारि

वस्यनिछाक ॥ लिबासुरविसुल्ननस्यानावुविज्याकरसनावि

नाव ॥ २ ॥ ॥ राग मल्लार ॥ ३ ॥ वरसतक्योनाह्निया

निहेगुमानिघन्ये ॥ ध्रु ॥ सुकिगयसरवरउरिगइहंसा ॥

वनव्यालिंसवसुकि ॥ १ ॥ जननननपंछिवल्नेवालिह्वारि ॥

पंछिकावुनावुनधोयि ॥ २ ॥ ॥ ॥

६

तंग सि ह्मग्मां॥ मिपांलंजुपने मंम थनि· सि ह्मम्पानि र्व नेह्मं॥ धु॥
वेसंजिवांलष ज्ञिनि· छि र्वन्नो[illegible] षुनि· छ्लि षनां ज्ञिमनजांह्मा

तग॥ ॥ ॥ वयालिह्लफुतकार्वफकोथमहि
तोना र्व ञिमसेगारसन्नविज्याक ॥ धु ॥ र्वस्लर्वयलि
मला पुत्राफयलिमलाक ॥ गुगुलिधुपायकुन
द कोाभुरपास्वाक ॥ १ ॥ अंनेगवाजनथाकः नेरगा
चोरोव्रमहुक ॥ कततनवा हुयार्वरगासदुबाक
॥ २ ॥ हिंगुत्तिसि भ्रानब्वंतमनपुलि च्यासे श्रानापति
पिकायाव· धुसासन स्याका। ३ । भुकिसिकलंका

॥ वधिस्रगकाय॥

से सिंघमय्या क्रप्यासे॥ सलचनावासेसनः औंस्कमय्या

क॥७॥ वति मद्वान ताह्लिह्तोनाव अतिह्लाक॥

त्वायया सफहि गामिच्याक ॥ ५ ॥ मोह्ने जुन्व

स फाकफया थें बिनातियाक॥ ह्लिपायाँ ~~[illegible]~~

तिनिपाया कोसः विवजितवासः॥६॥ सुभ्म

राग॥ ॥व्याहग॥चौ॥ झुमें झुमें आवत नीलवरने हारे ॥ध्रुं॥ ता
पर विथुलि आज ष चन्द्र वदन सें लागत मेरि जात रूपकि २ उघरे
जात दारे ॥ १ ॥ अलक तवकल नदोले हे दृग तापरा निरखी २ अंबुज:
नारे ॥कहत मियां तानसेन: ऐसे सुन्दर जाके: उफे मन कहत दिजें
विनु अंजन नारे:॥ २ ॥ छ ॥

राग ॥ व्याहाग ॥ वं ॥ कृष्णकृष्णकरतघोरे॰ कृष्णकाहाधावरीमे जलथलजंगल
धूरतफिरेजोगिनिकुंगिमे॰ धावरिमे ॥ ध्रु ॥ नाचीचीनामोरिरूअकटिजे॰ डारिकेचा
रेजाय ॥ धूरतफिरतउ ननमिलेस्पा स्पामाधावरीमे ॥ १ ॥ उधोजीतुमघेरी
स्याये॰ पतीतलिसूंजाये ॥ सूरकेप्रभूदरसनदिज्ये दियस्वकंथलगावरीमे ॥ २ ॥
२ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥
राग ॥ व्याहाग ॥ सु ॥ काहावस्यतुमरातलालना ॥ ध्रु ॥ लतपतपंछिया
धरेसिरउपर ॥ खुबीयादेखोतेरेलाल ॥ १ ॥ हमजोवैथ्येउधोअफनेनग
रिया ॥ भिधियादेखोतेरेलाल ॥ २ ॥ रहिरवन्सिया॰ वजायेवृन्दावन ॥
चितमेरेहोतउदासलाल ॥ ३ ॥ ३ ॥

क्रमिर२थाप

कालिकालि

रागव्याहाग·॥चौ॥रुमिझुमिन्ध्यावन·नरभरतेन्ध्यायि·॥त्रिपुलि
ख्यालनवमान·स्यामाघनसिरधारे·मपकिरउघरिजातमेरोजानन।
रैंख्युरुनवरुनयेन·लालेलालेदोले·तापरख्यैवुज.लालेलालेदो
ले·तानसेनकेप्रभू·तुमवरुनायक·उपमाकहूंसेकरदिन·विनु
काजलकारे·॥२॥ ॥रागव्याहाक·॥चौ॥कालि
रातकालिभवानिकालितोखैरनिज्ये·कालिकालिमहाकालि
मधुपलोवनज्येनि·॥१॥लालोमियाधारेलाल·दन्तविरिला
लल्वालकोच·रनलालकवलकेस्वपनज्येरि·॥२॥केसरस्ये
पियारेरकंचनाकियाभूषन·पियारोपियारोदकफास्येकरजा
नज्येकि·तानस्येनकेप्रभू·हरियोनूरिहरियोनन्द·प्यारेमन

ख़दनकोहस्योमनजानज्येकि·॥३॥ ॥ ॥
रागव्यहाग·॥ ॥वलोरेउधो·जाहामेरिस्यामाविराज्ये
कु॥ग्वायहिजाये·कुवुजाकेवसभई॥हामकोगनिवाति
हारि·मेवाहिर·॥१॥ग्वावनजावनवोजुगविनिगई·॥के
सकदुरगोकुलरे·मेवाहिको·॥२॥ ॥रागव्यहा
ग·॥ ॥स्यामाविनुमारिंनजाननिंदरा·॥कु॥ग्वाजू
मोरेसपनामेवपियाघरग्वाई·॥भरिगयोनिंदराछु
निगयोगजरा·॥स्या॥१॥वन्द्रसविहिनवालाछुम
छवि·॥मिलिगयोस्यामायविगयोजगरा·॥स्या·॥२॥

॥राग व्येहाग॥ सुरुफा॥ ॥विवाजिनहिन उंयदेस॰ उंधव
॥फ्रु॥ त्निमस्वस्पवसमरस वसजस्व चोउन्यास॰॥ तात्ननत्न
विव्यकयारस॰॥१॥ वसयासिन्यह गुनगुत्निनो त्नुमनजीन
॥ममात्नपाजाइवविदस॰॥२॥ रसानिवचनत्नास्वनुगत्न
सिनत्नयासे॰॥ विस्वहत्नजोगयासदेस॰॥३॥ फेनिवसुनान
जित॰ धुगुत्निडुवयायास॰॥ दनकुत्नंबयिरजख्यास॰॥४॥ त्ना
कत्नयाधु त्निमनि॰ भगनिनत्नायगनि॰॥ यडु॰ जिनकात्नजया
देस॰॥ उंधव॥५॥ ॥रागकेदार॥ सु॥ ॥भवानिछि
वरनसर नसदान॰॥फ्रु॥ धुगुत्निसंसात्नस॰ कयनमयजुत्न॰
धरमविव्यकमयाक॰॥ मा[illegible]यावसजुस्याव्यतिनभूत्नत्नयुया

पयाभयनमग्याके॥१॥थुगलिवरगनजयलयावनलस
लिल॥ निस्नियषऊाव॥यलेत्नोलषकु थुगलिजिवउनिमंवे
नथिरनसंद्यन॥२॥सुमतिकुमुदनि. देविनभजलयू सग
तिभजनषऊाव॥श्युनाथजनपनि.सरनमेंवमदु.छिहस्न
विनानसंहाय॥३॥ ॥रागकेदारा॥ स ॥गज्येका
लिसं स्रोसदाप्रतिपाल: श्रुसरसरनससरनश्राय.कननज
सकेजाल॥धु॥संषचक्रगदाय विराजित.गलेमुन्दुकि
माल॥भैरवगनयानिसंगलिय नाचतजोगीनिश्राल॥१॥
श्रीरनवाहादुर.साह नेपकोसदाकरोप्रतिपाल॥२ नप
साहनव श्रुसुनिगावतकिजियनीहाल॥२॥ ॥

राग॥ आसाहरी॥ ॥जनकनंदिनि बन बन भ्रमै बभरनकी
हा जाइरि जनकनंदिनि॥ कोहे कहु कहत नयियो छोदि गयो
छोहि थाइरि॥ छो केग न जियते न बिसारा जो मोहि आन मिलाइ
लि॥१॥ सदा सेदा करनिर्मल आननै नैनक जळौं जडुति छीछा
रि॥ सहज नवासपास भछोरा निगुन भरथ रहै जिमा छोरि॥२॥ ८
ग छोबग॥ जिन्द जिन्म जिन लिन लिषि रहं सलगाइनि॥ जानकि
गोद भरन संगविते रहन म दोमिया लाछोलि॥३॥ रामविकवन
स्वकम्र न जसी गहि मनक बाछोरि॥ तिनि भवनपति भवभय
मोवस रामनाथ कवि गोइंरि॥४॥ ॥ ॥

राग ॥ केदारा ॥ सु ॥ ऐसे हरि भजन को परमान ॥
॥ निचु मेरि अगम गनिका · चढि जात विमान ॥ नि
च पावै यज्ञ वेदादि · नाजते निसान ॥ १ ॥ चलत
तारा चलत मंदिल · चलत रवि ससि मान ॥ दास
धुप को अंतर दिन्हो · राम कौ जिवान ॥ २ ॥ रावन
को दिंन्हो : के दसमस्तक छिद्यो · सहिसा रगवान
॥ विभिषन को लंका दिन्हो · भगत अकने मान ॥ ३ ॥
अगम निरंजा के साचि बोलो · सुनी सतोहुजीन ॥ दास
तुलसि सरन आवै राखिले भगवान ॥ ४ ॥

आशा अर्काइव्ज
2793 I

राग॥व्याहाग॥चौ॥गजवदनसुषसादरामदमूरतिरंबोदरदंदा
करायलसिरीसिंधुरजयाजयअजयनामलेत॥धुं॥गौरिसुतगल १०
गरोस·लीषनाजोतशुभनेगामेस॥बंदितजुग्रासकलसूष्टि·रिधि
सिधिदातविधाता·विद्यावरतुरितदेस॥१॥विघ्नविनायक
हेसुषदायकअभिराजेजाकेसुरत·किरीतवहजगमैस्ष्टि
॥एहिनामअादिप्रतषनमोरामोनमोरामो·मनवचकर्मको
नसंगसुरतनुवाचररामेस॥२॥ २ ॥ २ ॥छ
राग॥व्याहाग॥प्रताल॥मदुयासमयनाहेजदुनाथप्रभुजदुना ११
थ॥धुं॥रवीपीरायाजुगलसद्धापेढिनछलेयाना॥वप्रल
दरसरगोविंदजितमतैना॥१॥जमुनायातिरसमेवम्रदुउ

गुयाक ॥ अवलायामरुपुरयाव प्रभु मतेना ॥ २ ॥ ह्लाकह्म
याकेवल्नातनमरासि चरन ॥ पिरीतरा ह्न न भुमना
वह्लरे ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
राग ॥ व्याहाग ॥ प्रताल ॥ हरिजनक्षपागोस्म यातदयकु ॥ ध्रुं ॥ १२
अस्मरीरालुरयाके श्रीमत तम तलाकवेले ॥ मोहिनिरहांलप
नहेहेक ॥ १ ॥ सिताथेसंदरिजगबसमेवमदु ॥ वह्नया १२
तदुयतुफतकुह्ल ॥ २ ॥ रूपमदुह्माजिथिकुवजोम्बातिराव
ह्ययातरानेतुद यकु ॥ ३ ॥ राजादकोया चोसनाया चोरारा
न ॥ वह्मयातीसरक्तातकु ॥ ४ ॥ राहदेसन्तातसमुवधिमवि
ह्नरा ॥ वह्मयातछगंय यकु ॥ ५ ॥ ह्लाकह्मदेवक्षम्हरिच
नसरया ॥ वह्मयातदुयतुफतकु ॥ ६ ॥

2793 I
ASHA ARCHIVES

राग॥ व्याहुराग॥ प्र ॥श्रीजगंनाथस्वामीमनभजलेः॥ ध्रुं॥नि [illegible] स्वय ९३
निरंजनथाकुरः॥जैस्यजलमेकमलवासिरजे॥ १ ॥वल [illegible] मसुत
धरामायीः॥सनकसाधुकेकहिरखवारी॥ २ ॥पुरुसब्रह्म [illegible] पुरुसो
तम॥जाकेसुमिरगापदमपदपायीः॥ ३ ॥यकराजोस्री [illegible] थदास
के॥याहिपछाअछेकवहुनछूटे॥ ४ ॥ ॥ ॥

राग॥व्याहुराग॥ प्र ॥चलोरामभजनकोभायीः॥ध्रुं॥ गोभमोहपरिःलो ९४
कभुलायीः॥संधामुरखकैस्यकुफ्राआः॥ १ ॥अंतकालमेःकोहिःनाही
॥सवसुखसंपतिःमोहिछोरना॥ २ ॥तालतालकिःरागमिलावना॥स्य
वाकरागरना॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

राग॥व्याहुराग॥ वे ॥मुंधाटेयीभुलिःआजुहमः॥ध्रुं॥मोहनरुपछः क ९५